राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

11 धोनी 5000 आईपीएल रन बनाने वाले पहले विकेटकीपर ...

केएल राहुल ने तोड़ा धोनी का रिकॉर्ड... 11

वर्ष : 11 | अंक : 337 | पटना, रविवार, 21 अप्रैल, 2024 | विक्रम संवत् 2081 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम

अधिकतम तापमान 31°C

न्यूनतम तापमान 25.0°C

हां	30%
नहीं	50%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना	59,340
चांदी	55,350
सेंसेक्स	63,327
निफ्टी	18,816

संक्षिप्त खबरें

राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति ने महानदी नाव हादसे पर दुख जताया

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को ओडिशा के झारसुगुड़ा में महानदी नाव हादसे पर दुख व्यक्त किया है। राष्ट्रपति मुर्मू ने एक्स पर जारी अपने संदेश में कहा कि यह जानकर दुख हुआ कि ओडिशा के झारसुगुड़ा के पास महानदी नदी में एक नाव पलटने से कई लोगों की जान चली गई। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना है। मैं त्रासदी से प्रभावित सभी लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करती हूं। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने एक्स पर संदेश में लिखा, ओडिशा के झारसुगुड़ा जिले में महानदी में नाव पलटने की दुखद घटना से अत्यंत दुखी हूं। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी संवेदनाएं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना।

महानदी नाव हादसे में अबतक सात शव बरामद

भुवनेश्वर। ओडिशा में शुक्रवार को महानदी में लखनपुर के शरधा में नाव डूबने की घटना में अभी तक सात शव बरामद कर लिये गये हैं। शनिवार सुबह प्रशासन द्वारा चलाये गये सर्च आपरेशन में छह शव बरामद किये गये हैं। शुक्रवार को हादसे के बाद एक महिला का शव बरामद कर लिया गया था। इस मामले में एक और व्यक्ति के लापता होने की बात कही जा रही है। आज सुबह पांच बजे से सर्च आपरेशन प्रारंभ किया गया था। पांच स्कूबा ड्राइवर व दो सर्च कैमरे के सहायता से लापता लोगों को ढूंढने के लिए प्रयास शुरू किये गये थे। इस हादसे में मारे गये सभी मृतक सीमावर्ती छत्तीसगढ़ के खरसेनी इलाके के हैं। मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने इस हादसे पर गहरा दुःख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने हादसे में मारे गये लोगों के प्रति संवेदना प्रकट करने के साथ-साथ प्रत्येक मृतक के आश्रितों के लिए चार लाख रुपये की अनुकंपा राशि की घोषणा की है।

सीएम नीतीश ने पूर्णिया व कटिहार में चुनावी सभा को किया संबोधित

2005 से पहले बिहार में कुछ भी नहीं था लोग बाहर निकलने से डरते थे : नीतीश

- सीएम ने लालू यादव के परिवारवाद पर किया हमला
- बोलें-पति हटे तो पत्नी को सीएम बना दिया

प्रात : किरण

पटना/ कटिहार/ एजेंसी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राजद व लालू परिवार पर लगातार हमलावर हैं। शनिवार को कटिहार में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि कुछ लोग इन दिनों सब कुछ दावा करते हैं। जब उन्हें हटाया गया तो उन्होंने अपनी पत्नियों को नियुक्त किया। अब, इन दिनों यह उनके बच्चे हैं। आप पैदा तो बहुत कर दिए। इतना ज्यादा बाल-बच्चा किसी को पैदा करना चाहिए किसो को क्या? लेकिन, इतना किया। अब उन्होंने अपने बेटे-बेटियों सबको शामिल कर लिया है, वो हर जगह कुछ-न-कुछ कहते रहते हैं, पुरानी बातें भूल जाते हैं, इसलिए मैं सबको बताना चाहता हूं कि कोई भी काम नहीं हो पाता था बाहर, कोई सड़क या शिक्षा नहीं थी। इससे पहले पूर्णिया के बनमनखी में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि पति-पत्नी ने बिहार में राज किया। पति हटे तो पत्नी को सीएम बना दिया। 2005 से पहले बिहार में कुछ भी नहीं था। लोग बाहर निकलने से डरते थे। इसके बाद देखिए कितना काम हुआ है। हमने सब काम करवाया। उन्होंने कहा कि कहा कि नीतीश कुमार ने लोगों से कहा कि अपने बच्चों को बताइए कि पहले क्या हाल थे और अब क्या हैं। उन लोगों के राज में हिंदू-मुस्लिम के झगड़े होते थे। मुस्लिम वोट के लिए कुछ भी करते थे। हम आए तो देखिए झगड़े बंद हो गए। वहीं सीएम नीतीश कुमार ने बीमा भारती जमकर निशाना साधा। उन्होंने रहा कि बीमा भारती को विधायक बनाए, कैबिनेट में भी शामिल किया। जिद पर अड़ी थीं मंत्री बना दीजिए। मना कर दिए तो सब कुछ भूल के इधर से उधर चली गई। बिहार के विकास के लिए हमलोगों ने कितना काम किया है। देर शाम होते ही लोग 2005 से पहले नहीं निकलते, लेकिन जब से हम सरकार बने जंगलराज को मिटा दिए। इस दौरान तेजस्वी यादव पर हमला बोलते हुए कहा कि नौकरी हमने दी है। जब हम एनडीए के साथ थे, तभी लोगों को रोजगार और नौकरियां मिल रही थी। सीएम ने कहा कि उन लोगों को खुला छोड़ा तो इधर से उधर गड़बड़ी कर रहे थे। बर्दाश्त से बाहर हुआ तो अलग होना पड़ा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एनडीए प्रत्याशी संतोष कुशवाहा के पक्ष में वोट करने की लोगों से अपील की। नीतीश कुमार ने कहा कि आप लोग इधर-उधर नहीं एक जुट होकर एनडीए को वोट देकर पुनः नरेन्द्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाइये। हम आपलोगों से आग्रह करने आए हैं। हम तो बराबर आकर आप लोगों से मिलते रहते हैं। पूर्णिया में तो अब बहुत जल्द हवाई अड्डा भी बनकर तैयार हो जाएगा। उन्होंने कहा कि बिहार राज्य मदरसा बोर्ड का पूर्णिया में क्षेत्रीय कार्यालय खोला गया है। पूर्णिया में मेडिकल कॉलेज, पारा मेडिकल कॉलेज संस्थान, एएनएम, जीएनएम स्थापना की गई है। इस मौके पर संजय झा, राज्यसभा सांसद ने कहा की संतोष कुशवाहा एनडीए के पूर्णिया से उम्मीदवार हैं, जिनके ऊपर कोई भी मुकदमा नहीं है। संतोष कुशवाहा का परिचय है कि गलत आदमी नहीं है। सामने वाले के ऊपर कितना केस है वो आप सभी को मालूम है। संजय झा ने कहा कि देश को मोदी और बिहार को नीतीश की जरूरत है। तीसरा का कोई जरूरत नहीं है।

पहले चरण के चुनाव में ही मतदाताओं ने इंडी गठबंधन को नकार दिया: मोदी

पीएम ने चुनावी सभा को किया संबोधित, विपक्ष पर बोला हमला

प्रात : किरण

मुंबई/एजेंसी। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को नांदेड में कहा कि पहले चरण के चुनाव में ही मतदाताओं ने इंडी गठबंधन को नकार दिया है। दरअसल, देश की जनता को यह एहसास हो रहा है कि इंडी गठबंधन अपने भ्रष्टाचार को छिपाने के लिए एक साथ आया है। इंडी अलायंस की पार्टियां देश की 25 फीसदी सीटों पर एक-दूसरे के खिलाफ लड़ रही हैं, इन पर आम जनता विश्वास नहीं कर पा रही है। मोदी शनिवार को भाजपा के नांदेड़ लोकसभा सीट से उम्मीदवार प्रतापराव चिखलीकर और हिंगोली लोकसभा सीट से उम्मीदवार बाबूराव कोहलीकर के प्रचार के लिए आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि शुक्रवार को देश में पहले चरण का मतदान हुआ। मैं सभी मतदाताओं और विशेषकर पहली बार के मतदाताओं को धन्यवाद देता हूं। मतदान के बाद कई लोगों ने बूथ स्तर तक का विश्लेषण किया है। इसे देखकर ऐसा लग रहा है कि पहले चरण में एनडीए के पक्ष में एकतरफा वोट पड़ा है। मैं देश के नागरिकों से अपील करता हूं कि आप एनडीए की जीत सुनिश्चित कर रहे हैं। मैं इसके लिए सभी को धन्यवाद देता हूं लेकिन जो लोग वोट नहीं देते, उनसे मैं कहना चाहूंगा कि आपको किसी को वोट देना चाहिए। वोट देने से पीछे न हटें। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश का जवान विपरीत माहौल में भी देश की रक्षा के लिए सीमा पर अपना कर्तव्य निभा रहा है। उसी प्रकार मतदाताओं को भी मतदान को कर्तव्य समझना चाहिए। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी वायनाड के अलावा अन्य सुरक्षित निर्वाचन क्षेत्र तलाश रहे हैं। 26 अप्रैल को वायनाड में मतदान के बाद राहुल गांधी दूसरी सीट तलाशेंगे, क्योंकि उन्हें अमेठी छोड़ना पड़ा। इसी तरह वे वायनाड भी छोड़ देंगे। उन्होंने सोचा नहीं होगा कि कांग्रेस की ऐसी हालत होगी। यह ऐसी स्थिति है कि जिस परिवार से कांग्रेस पार्टी चलती है, वह भी अपनी ही पार्टी को वोट नहीं दे सकता है। उन्होंने प्रत्यक्ष तौर पर कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी के संदर्भ में कहा कि विपक्षी गठबंधन इंडिया के कुछ नेता लोकसभा छोड़कर राज्यसभा में चले गए क्योंकि उनमें चुनाव लड़ने का साहस नहीं है।

विपक्षी गठबंधन के पास कोई चेहरा ही नहीं : प्रधानमंत्री मोदी ने विपक्षी गठबंधन इंडिया पर निशाना साधते हुए कहा कि उसके पास कोई चेहरा ही नहीं है। मोदी ने कहा, वे जो चाहे दावे करें लेकिन हकीकत यही है कि कांग्रेस के नेताओं ने चुनाव की घोषणा से पहले ही हार स्वीकार कर ली। उन्होंने मतदाताओं से लोकसभा चुनाव में अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए बड़ी संख्या में बाहर निकलने अपील की। मोदी ने कहा, आप वोट देकर कोई एहसान नहीं कर रहे हैं बल्कि आप देश का भविष्य सुरक्षित कर रहे हैं। मैं विपक्ष के पार्टी कार्यकताओं का मनोबल बढ़ाना चाहता हूं। आपका (विपक्षी नेता) चुनाव हारना तय है लेकिन आपको कभी मौका मिलेगा। आपको भी मतदाताओं से मतदान की अपील करनी चाहिए।

भारत अपनी आपराधिक न्याय प्रणाली में महत्वपूर्ण बदलाव के लिए तैयार : सीजेआई

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने नए आपराधिक न्याय कानूनों के अधिनियमन को समाज के लिए ऐतिहासिक क्षण बताते हुए शनिवार को कहा कि भारत अपनी आपराधिक न्याय प्रणाली में महत्वपूर्ण बदलाव के लिए तैयार है। उन्होंने आपराधिक न्याय प्रणाली के प्रशासन में भारत का प्रगतिशील पथ विषय पर यहां आयोजित एक सम्मेलन में कहा कि नए कानून तभी सफल होंगे यदि हम नागरिकों के रूप में उन्हें अपनाएं। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा कि नए अधिनियमित कानूनों ने आपराधिक न्याय पर भारत के कानूनी ढांचे को एक नए युग में बदल दिया है। उन्होंने कहा कि पीड़ितों के हितों की रक्षा करने और अपराधों की जांच एवं अभियोजन में कुशलता के लिए अत्यावश्यक सुधार किए गए हैं।

सीजेआई ने कहा, संसद द्वारा इन कानूनों को अधिनियमित किया जाना इस बात का स्पष्ट संकेत है कि भारत बदल रहा है एवं आगे बढ़ रहा है और मौजूदा चुनौतियों से निपटने के लिए नए कानूनी उपकरणों की जरूरत है। इस सम्मेलन में केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी और सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता भी मौजूद थे। देश की आपराधिक न्याय प्रणाली को पूरी तरह से बदलने के लिए नए अधिनियमित कानून भारतीय न्याय संहिता, ह्यभारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम एक जुलाई से लागू होंगे।

सीजेआई ने मतदाताओं से अवश्य मतदान करने का किया आग्रह : प्रधान न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ ने नागरिकों से आम चुनाव में मतदान करने का अवसर न चूकने का आग्रह करते हुए कहा है कि संवैधानिक लोकतंत्र में यह सबसे महत्वपूर्ण कर्तव्य है। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने 2024 के लोकसभा चुनाव के मद्देनजर निर्वाचन आयोग के माई वोट माई वॉयस मिशन के लिए एक वीडियो संदेश में कहा, हम दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के नागरिक हैं, जो कि हमारा देश है। उन्होंने कहा, संविधान नागरिक के रूप में हमें कई अधिकार देता है, लेकिन साथ ही यह भी अपेक्षा करता है कि हर कोई उसे सौंपा गया अपना कर्तव्य निभाए।

कांग्रेस नेता ने भागलपुर में चुनावी सभा को किया संबोधित, भाजपा पर बोला हमला

इंडिया की सरकार बनने पर अग्निवीर योजना को खत्म कर देंगे : राहुल

कांग्रेस नेता ने हर युवा को पहली नौकरी का अधिकार देने का किया वादा

प्रात : किरण

भागलपुर/एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी ने केंद्र में चुनाव बाद इंडिया की सरकार बनने पर अग्निवीर योजना को समाप्त करने और देश के हर युवा को पहली नौकरी का अधिकार देने वादा किया। श्री गांधी ने शनिवार को यहां कांग्रेस प्रत्याशी अजीत शर्मा के पक्ष में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार ने जिस तरह मनरेगा के तहत रोजगार का अधिकार दिया उसी तरह केंद्र में बनने वाली हमारी अगली सरकार देश के हर स्नातक और डिप्लोमा धारी को पहली नौकरी का अधिकार देगी। कांग्रेस नेता ने कहा कि पहली नौकरी के अधिकार का मतलब है कि देश के सभी के सभी ग्रेजुएट और डिप्लोमाधारी को एक साल के लिए अप्रेंटिसशिप मिलेगी। इस दौरान उन्हें प्रति माह आठ हजार पांच सौ रुपये की दर से साल में एक लाख रुपए उनके अकाउंट में खटाखट-खटाखट मिल जाएंगे। उन्होंने कहा कि उनकी ट्रेनिंग होगी और पहले साल उन्होंने अच्छा काम किया तो उनकी नौकरी स्थाई हो जाएगी। यह नौकरी प्राइवेट सेक्टर, पब्लिक सेक्टर और सरकार में होगी। श्री गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश और सेना के खिलाफ अग्निवीर योजना लागू की है। ये योजना हिंदुस्तान के किसी भी युवा को अच्छी नहीं लगती है। उन्होंने कहा, जैसे ही केंद्र में हमारी इंडिया की सरकार आयेगी, हम इस योजना को उठा कर फेंक देंगे, खत्म कर देंगे। इस योजना की कोई जरूरत नहीं है। हिंदुस्तान को दो तरह के शहीद नहीं चाहिए। सभी को शहीद का दर्जा सबको मिले, पेंशन और कैंटीन का लाभ भी सबको मिले। दो तरह के जवान हमें नहीं चाहिए इसलिए अग्निवीर योजना को हम उठाकर फेंक देंगे और जैसे पहले चलता था वैसे ही करेंगे।

संविधान को खत्म करने के भाजपा के प्रयास को सफल नहीं होने देंगे : श्री गांधी ने भाजपा पर संविधान को खत्म करने की कोशिश करने का आरोप लगाते हुए कहा कि इंडिया गठबंधन उसके इस प्रयास को विफल कर देगा। बिहार में अपनी पहली चुनावी रैली को संबोधित करते हुए गांधी ने लोकसभा चुनाव में 370 से अधिक सीट जीतने के भाजपा के दावे पर पर कहा, उसकी संख्या 150 से आगे नहीं जाएगी। गांधी ने कहा, इंडिया गठबंधन लोकतंत्र और संविधान को बचाने के लिए लड़ रहा है जिसे भाजपा-आरएसएस खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने यहां कहा, देश के गरीबों, दलितों और आदिवासियों को जो कुछ भी मिला है, वह संविधान के कारण है। अगर संविधान को खत्म कर दिया गया, तो सभी चीजें खत्म हो जाएंगी। गांधी ने नरेन्द्र मोदी सरकार पर अत्यधिक अमीरों की समर्थक होने का आरोप लगाते हुए दावा किया, उनके शासन में केवल 22 लोगों के पास 70 प्रतिशत आबादी के बराबर संपत्ति है। हम इसे बदलना चाहते हैं। उन्होंने कांग्रेस द्वारा अपने घोषणापत्र में किए गए वादों का जिक्र करते हुए कहा कि इंडिया गठबंधन की सरकार बनने पर युवाओं को रोजगार पाने के अधिकार के तहत अप्रेंटिसशिप करने वालों को एक लाख रुपये और प्रत्येक महीने 8,500 रुपये प्रदान किए जाएंगे। गांधी ने कहा कि इसके तहत पहले साल अच्छा काम करने पर स्थायी नौकरी मिलेगी जिससे देश को एक प्रशिक्षित कार्य बल मिलेगा। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार बनने पर अग्निवीर योजना को खत्म कर सेना में पुरानी भर्ती व्यवस्था को लागू किया जाएगा तथा मोदी सरकार द्वारा किसानों के खिलाफ लाए गए गलत कानून को रद्द कर उनके उत्पाद के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य तय किया जाएगा।

भाजपा की 400 पार वाली फिल्म फ्लॉप : तेजस्वी

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने भारतीय जनता पार्टी और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर जमकर बोला। तेजस्वी यादव ने अपने तीन मिनट के भाषण में कहा कि भाजपा की 400 पार वाली फिल्म फ्लॉप हो चुकी है। पहले और दूसरे फेज में हम जीत रहे हैं। कहा कि मोदी सरकार ने 2014 में कुछ और कहा था, वह पूरा नहीं हो पाया। 2019 में जो वादा किया, वह भी पूरा नहीं हो पाया। 2024 में 400 पार कर रहे थे लेकिन पहले दिन ही इनकी फिल्म फ्लॉप हो गई। जनता ऊब चुकी है इनके जुमलों और झूठे वादों से। इस बाद तो अद्भुत है। इनलोगों ने बिहार के लिए कुछ नहीं किया। बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिलाने का जिक्र तक नहीं किया गया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और भाजपा नेताओं में से किसी ने भी विशेष राज्य का दर्जा दिलाने की मांग नहीं की। तेजस्वी यादव ने कहा कि अगर इंडी गठबंधन की सरकार बनती है तो विशेष राज्य का दर्जा के साथ विशेष पैकेज भी देंगे। विशेष पैकेज के तहत एक लाख 60 हजार करोड़ दिया जाएगा। यानी एक लोकसभा के लिए चार हजार करोड़ रुपये दिया जाएगा। हमलोग जानते हैं बिहार में किस चीज की जरूरत है। 17 महीने में हमलोगों ने पांच लाख लोगों को सरकारी नौकरी दी। जनता भी जान चुकी है। इस बार का चुनाव लोकल मुद्दों पर हो रहा है। लोकल मुद्दा बिहार में हावी है। इसपर ही लोकसभा चुनाव हो रहा है।

बिहार सरकार

मुख्यमंत्री
बिहार

संदेश

विश्व को "अहिंसा परमो धर्मः" का पाठ पढ़ाने वाले जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर के संदेश आज भी मानवता के लिए प्रकाश स्तम्भ हैं। अज्ञानता के अंधकार में जब मनुष्य भटक कर अपने पथ से विचलित होने लगता है, तब इनकी अमृतवाणी मानवता को सही मार्ग दिखाती है।

आज भगवान महावीर जयंती का दिन उनके त्याग और तपस्या को याद करने का दिन है। अहिंसा के संदेशवाहक भगवान महावीर का जीवन दर्शन हम सभी के लिए प्रेरणादायी है। लोगों से मेरी अपील है कि आज के दिन को निरामिष दिवस के रूप में मनायें एवं भगवान महावीर के उपदेशों को आत्मसात् करें।

मेरी ओर से समस्त बिहारवासियों को महावीर जयंती की हार्दिक शुभकामनाएँ।

(नीतीश कुमार)

PR No.- 00085 (Home) D. 2024-25

सत्यमेव जयते

राज्यपाल, बिहार
GOVERNOR OF BIHAR

राज भवन
पटना-800022
RAJ BHAVAN
PATNA 800022

संदेश

महावीर जयन्ती के पावन अवसर पर मैं समस्त बिहारवासियों एवं देशवासियों, विशेषकर जैन समुदाय के बहनों एवं भाइयों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ देता हूँ।

जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकर महावीर स्वामी ने सत्य, अहिंसा, त्याग, संयम और अपरिग्रह का संदेश दिया। उनके जीवन और विचार हमारे लिए प्रेरणास्रोत हैं।

आइए, हम सब भगवान महावीर स्वामी द्वारा बताये मार्ग पर चलकर सभ्य, शांतिपूर्ण एवं समावेशी समाज के निर्माण का संकल्प लें।

(राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर)

PR No.- 00106 (Governor Secretariat) D. 2024-25

संक्षिप्त खबरें

राजग प्रत्याशी रविशंकर के चुनाव कार्यालय का उद्घाटन 23 को

पटना सिटी (प्राकि)। पटना साहिब लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी ने सीटिंग कैंडिडेट पूर्व केंद्रीय मंत्री सह सांसद रविशंकर प्रसाद को एक बार फिर प्रत्याशी घोषित किया है। इसे लेकर 23 अप्रैल (मंगलवार) को अपराह्न तीन बजे लोकसभा चुनाव के लिए पटना साहिब विधानसभा क्षेत्र के कार्यालय का उद्घाटन किया जाएगा। यह चौक के गुरु गोविंद सिंह पथ स्थित भामा शाह ट्रस्ट भवन में होगा। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के प्रत्याशी रविशंकर प्रसाद इसका उद्घाटन करेंगे। इस समारोह में बिहार विधानसभा के अध्यक्ष नंदकिशोर यादव भी उपस्थित रहेंगे। एनडीए से जुड़े सभी साथी को आयोजन में भाग लेने की अपील की गई है

गुरुता गद्दी दिवस पर आज सजेगा विशेष दीवान

पटना सिटी (प्राकि)। सिख पंथ के नौवें गुरु श्री तेग बहादुर जी महाराज की गुरुता गद्दी दिवस को लेकर शनिवार को भी गुरु ग्रंथ साहिब का अखंड पाठ जारी रहा।रविवार को अखंड पाठ की समाप्ति के बाद विशेष दीवान सजेगा। दूसरी ओर अतिरिक्त मुख्य ग्रंथी ज्ञानी दिलीप सिंह की देखरेख में शनिवार को सिख पंथ के आठवें गुरु श्री हरिकिशन साहिब का ज्योति जोत पर्व को लेकर श्री गुरु ग्रंथ साहिब का अखंड पाठ रखा गया है। इसका समापन सोमवार को होगा। उसी दिन विशेष दीवान सजेगा।

मां गंगा की पूजा कर उतारी आरती

पटना सिटी (प्राकि)। श्री गुरु गोविंद सिंह घाट (कंगन घाट) पर मां गंगा की पूजा की गई और महाआरती का आयोजन किया गया। गंगा सेवा दल समन्वय समिति के संस्थापक अध्यक्ष डॉ राजीव गंगौल, महासचिव राजेश शुक्ला टिल्लू, सह-मीडिया प्रभारी विकास राज जायसवाल और मारवाड़ी महिला समिति द्वारा गंगा पूजा एवं गंगा की महाआरती की गई। मां गंगा की आरती का विधान पंडित हिमांशु गिरी द्वारा कराई गई। इसमें मुख्य यजमान संगीता पटवारी, कविता पोद्दार, श्वेता झ्रोलिया और अन्य महिलाएं शामिल हुईं। दरअसल गंगा नदी का जलस्तर प्रचंड गर्मी और धूप की तपिश के कारण लगातार घटता जा रहा है। ऐसे में बने पक्के घाट से गंगा नदी दूर हो गई है। लोग आगे बढ़ कर कच्ची मिट्टी पर खड़े होकर मां गंगा की पूजा-अर्चना कर दुग्ध अर्पित किया। उसके बाद उनकी आरती उतारी गई।

प्रमंडलीय आयुक्त के निदेश पर पटना शहर में अतिक्रमण के विरूद्ध स्पेशल ड्राईव चलाया गया

पटना। जिलाधिकारी, पटना शीर्षत कपिल अशोक एवं वरीय पुलिस अधीक्षक, पटना राजीव मिश्रा द्वारा गठित टीम द्वारा मुख्य सड़कों से अतिक्रमण हटाया गया तथा सुगम यातायात सुनिश्चित करने के लिए कार्रवाई की गई। सड़कों पर अवैध व्यावसायिक गतिविधि करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। इस मल्टी-एजेंसी अभियान में प्रशासन, नगर निगम, ट्रैफिक पुलिस, परिवहन, राजस्व, पथ निर्माण, स्वास्थ्य, पुलिस, अग्निशाम, पुल निर्माण निगम, दूरसंचार, वन प्रमंडल, विद्युत सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारी एवं कर्मी शामिल हैं। जिला नियंत्रण कक्ष से प्राप्त सूचना के अनुसार आज पटना नगर निगम के नूतन राजधानी अंचल, पाटलिपुत्र अंचल एवं बांकीपुर अंचल में अतिक्रमण उन्मूलन अभियान चलाया गया।

मंगल तालाब के रोड में मौत को दावत दे रहा बड़ा गड्ढा

लोगों ने बांस डाल कर राहगीर व वाहन चालकों को किया सतर्क

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

मंगल तालाब में अब पहले वाली रौनक देखने को नहीं मिलती है। जब एनडीए के शासनकाल में इसका कायाकल्प हुआ था, तब यह एक रमणीक क्षेत्र और हृदयस्थली के रूप में लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बना था। मगर धीरे-धीरे लगातार इसमें खामियां और कमियां दोनों बढ़ती गईं। आज स्थिति यह है कि जो भी धरोहर का निर्माण कराया गया, वह सब आम लोगों के लिए अब जानलेवा साबित हो रहा है। मंगल तालाब के पूर्वी छोर पर इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी के लिए ब्लड बैंक भवन का निर्माण कार्य चल रहा है। इसके मुख्य द्वार और तालाब के बीचो-बीच बड़ा सा गड्ढा बना है। यह गड्ढा लोगों को अपने आगोश में आने के लिए आमंत्रित कर रहा है। हालांकि कुछ बुद्धिजीवियों ने उक्त निकल आए गड्ढे में एक बांस डाल दिया है, ताकि लोग वाहन समेत उसमें गिर न जाएं या पैदल चलने वाले बांस से टकरा कर बच जाएं, गिरे नहीं। मगर इस ओर नगर निगम या मंगल तालाब विकास समिति का कोई ध्यान अब तक नहीं गया है। इसके पूर्व रामदेव महतो सामुदायिक भवन के मंगल तालाब की ओर रहे गेट के पास आधा सड़क का नाला टूटा हुआ था। अनेक लोग गिर कर चोटिल हुए। अंततः उक्त नाला को ही भर कर बंद कर दिया गया। तब से रामदेव महतो सामुदायिक भवन के परिसर के अंदर रहे ड्रेनेज के पानी का निकास बंद हो गया है। गंगा सीवरेज परियोजना के तहत नमामि गंगे एजेंसी के द्वारा जो काम किया गया, उसमें ऊपर में ढक्कन लगाया गया था। मगर वाहनों के लगातार चलने और दबाव पड़ने से वह ढक्कन किनारे-किनारे से दरक गया और अंततः टूट गया। अब यह लोगों के लिए जानलेवा बना हुआ है। हालांकि लोग कहते हैं कि रात के अंधेरे में जब वाहन चालक या पैदल जाने वाला गुजरता है, तो इसकी चपेट में आकर घायल हो रहा है। मगर कोई घायल का नाम व पता अब तक नहीं मिल पाया है। यही नहीं, मंगल तालाब के चारों ओर बने रेलिंग भी जगह-जगह से टूट रहा है। फुटपाथ यानी जॉगिंग ट्रैक की स्थिति भी ठीक नहीं है। रोड की हालत तो बद से बदतर है। तालाब के अंदर का पानी भी खासा गंदला है और किनारे में गंदगी दिख जाती है। अब एक बार फिर से इसके जीर्णोद्धार करने वाले मसीहा का इंतजार है। राजग के शासनकाल में मनोज कमलिया स्टेडियम, रामदेव महतो सामुदायिक भवन, घसीटा राम एसी ऑडिटोरियम, पन्नालाल मुक्ताकाश मंच, तालाब के चारों ओर रेलिंग, जागिंग ट्रैक और रोड का निर्माण कराया गया था। पटना क्षेत्रीय विकास प्राधिकार के द्वारा उस समय बनाया गया धोबी घाट और पशुओं के लिए बना शेड भी बुरी स्थिति में है। मंगल तालाब के जल निकासी पूरी तरह से बंद हो गई है। निर्माण के बाद खामियां ही खामियां दिख रही हैं। हालांकि इसके रखरखाव और विकास के लिए मंगल तालाब विकास समिति का गठन हुआ। इसमें प्रशासन, अभियंता, नगर निगम के कार्यपालक पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि व गण्यमान्य लोगों को शामिल किया गया। मगर इस ओर किन्ही का कोई ध्यान या रुचि नहीं है।

वृद्धाश्रम में रहे 60 बुजुर्गों का बना वोटर पहचान पत्र, करें वोट

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

सामाजिक सुरक्षा कोषांग, पटना एवं स्वयंसेवी संस्था हेल्पेज इंडिया के द्वारा संचालित सहारा वृद्धाश्रम, गुलजारबाग में आवासित बुजुर्ग सदस्यों के द्वारा मतदाता जागरुकता के लिए जागरुकता एवं प्रभातफेरी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मतदाता के अधिकार, वोट की शक्ति एवं मत का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही भारत निवार्चन आयोग द्वारा जारी मतदाता मार्गदर्शिका की जानकारी सभी बुजुर्ग सदस्यों को दिया गया। वृद्धाश्रम में आवासित 30 सदस्यों को इस सप्ताह मतदाता पहचान पत्र बन गया है। पूर्व से आज तक कुल 60 सदस्यों का मतदाता पहचान पत्र बन गया एवं उनको सुपुर्द किया गया। इस अवसर पर सभी सदस्यों ने मिलकर नारा लगाते हुए मताधिकार जागरुकता के प्रति प्रभातफेरी निकाली, जिसमें वृद्धाश्रम से सभी आवासित बुजुर्गों ने उत्साह के साथ भाग लिया। इस अवसर पर विधिक सहायता क्लिनिक के अधिवक्ता राजकिशोर पंडित एवं वृद्धाश्रम के समन्यवक कृष्णा जी ने मताधिकार के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सहारा वृद्धाश्रम के फील्ड समन्यवक कृष्णा जी, शिव कुमार, लाल कांत पासवान, कलावती देवी और छोटेलाल चौधरी का विशेष योगदान रहा।

मंदिर से चोरी गए सामान को 24 घंटे में पुलिस ने किया बरामद

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

चौक थाना क्षेत्र के मोर्चा रोड स्थित महावीर मंदिर से चोरों ने 18-19 की रात में श्री राम जानकी मंदिर में मूर्ति सहित अन्य पूजा के सामान की चोरी कर ली। पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हो गई। इस आधार पर पुलिस ने चोर की पहचान करते हुए न केवल उसे गिरफ्तार किया, बल्कि सामान और नगद भी बरामद कर लिया। इस संबंध में थानाध्यक्ष शशि कुमार राणा प्रेस वार्ता में शनिवार को बताया कि मंदिर के पुजारी रघुनाथ पांडेय के द्वारा थाना पर लिखित सूचना दिया गया कि वह मोर्चा रोड स्थित राम जानकी मंदिर में बीते 18-19 की रात में श्री राम जानकी मंदिर में मूर्ति सहित अन्य पूजा के सामान की चोरी कर ली गई है। इस संबंध में आवेदन मिलने के साथ ही प्राथमिकी दर्ज करते हुए सीसीटीवी फुटेज का अवलोकन किया गया। उसमें चोरी कर रहे एक व्यक्ति को देखा गया। उसकी तस्वीर से पहचान की गई। इसमें मालसलामी थाना क्षेत्र के मंसूरगंज मुसहरी का रहने वाला राहुल कुमार पिता स्व अजय मांझी की पहचान की गई। इसके बाद पुलिस के द्वारा तत्परता बरतते हुए छापेमारी कर राहुल कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया। साथ ही उससे पूछताछ करने पर उसकी निशानदेही पर चोरी गई सारी संपत्ति को बरामद कर लिया गया। बरामद सामान में दो पीतल का सिंहासन, एक पीतल की थाली, तीन पीतल का दीया, एक पीतल की घंटी, चार पीतल का श्री गणेश-लक्ष्मी जी की मूर्ति, एक तांबा की थाली, एक तांबा का लोटनी, चार तांबा का छोटी कटोरी, एक पीतल का घड़ा और 3977 रुपया नगद शामिल था। पुलिस की छापेमारी टीम में पुलिस निरीक्षक सह थानाध्यक्ष शशि कुमार राणा, दारोगा मनोज कुमार, विपुल कुमार सिंह, सअनि भरत तिवारी के अलावा आरक्षी राजेश्वर सहनी, अमित कुमार व गृह रक्षक धनेश्वर कुमार शामिल थे।

डीएम ने की मतदाताओं से मतदान करने की अपील

प्रात :किरण संवाददाता

पटना। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह- जिलाधिकारी, पटना श्री शीर्षत कपिल अशोक के निदेश पर स्वीप कार्यक्रम के अंतर्गत पूरे जिला में नॉक-द-डोर, नो-योर-बूथ तथा कास्ट-योर-वोट अभियान चलाया जा रहा है। इन कार्यक्रमों का ध्येय लोकसभा आम निर्वाचन, 2024 में मतदान प्रतिशत को कम से कम राष्ट्रीय औसत के अनुरूप अर्थात 68 प्रतिशत करना है। मतदान प्रतिशत बढ़ाने हेतु जिला प्रशासन के सभी विभाग यथा कल्याण विभाग, आईसीडीएस, जीविका, शिक्षा विभाग, नगर निकाय के कर्मी घर-घर दस्तक देकर मतदाताओं को चुनाव के दिन अपने मताधिकार का प्रयोग करने हेतु प्रेरित कर रहे हैं। इसी कड़ी में स्वीप कार्यक्रम के अंतर्गत जिला प्रशासन के विभागों द्वारा अभियान एवं अन्य माध्यमों से मतदाताओं को मतदान हेतु प्रेरित किया जा रहा है। जिला में आज आईसीडीएस के कर्मी द्वारा घर-घर जाकर मतदाताओं को मतदान हेतु जागरूक किया गया तथा जिलाधिकारी के द्वारा मतदाताओं एवं अभिभावकों के नाम जारी अपील पत्र सौंप कर उन्हें मतदान के दिन स्वयं तथा अपने सगे संबंधियों के साथ वोट डालने के लिए प्रेरित किया। साथ ही साथ ही जिला के सभी प्रखंडों में जीविका दीदियों के द्वारा आयोजित स्वयं सहायता समूहों की साप्ताहिक बैठकों में लोकतंत्र में मतदान की उपयोगिता पर भी चर्चा की गई। इसके साथ ही जीविका कर्मियों के द्वारा अभियान में भी हिस्सा लिया गया। आज जीविका दीदीयों के द्वारा बिहटा प्रखंड में कम मतदान प्रतिशत वाले मतदान स्थल के भेद्य टोला में मतदाता जगरुकता के ध्येय से मैराथन का आयोजन किया गया। इसमें जीविका कर्मी के साथ-साथ टोला के मतदाताओं ने बढ़- चढ़कर हिस्सा लिया एवं मतदान हेतु शपथ भी लिया। इसके साथ ही नगर निकाय के कर्मियों द्वारा भी अभियान में हिस्सा लेकर मतदाताओं को मतदान हेतु प्रेरित किया गया। कल्याण विभाग के द्वारा भी भेद्य टोला/ वार्ड में जाकर मतदाताओं को मत प्रयोग हेतु जागरूक किया गया। अभियान के रेगुलर मॉनिटरिंग के लिए हिन्दी भवन में ऑल-वीमेन डेडिकेटेड स्वीप नियंत्रण कक्ष क्रियाशील है। नियंत्रण कक्ष से अभियान में संलग्न पदाधिकारियों एवं कर्मियों से रिपोर्ट ली जाती है तथा उनसे गृह-भ्रमण के बारे में विस्तृत सूचना ली जाती है ' नियंत्रण कक्ष से मतदाताओं से भी संपर्क किया जाता है तथा उनसे फीडबैक लिया जाता है। साथ ही मतदाताओं को पोलिंग स्टेशन का लोकेशन, बूथ पर एएमएफ की उपलब्धता, हेल्पलाइन नं 1950, सिविजिल, सक्षम एप, वोटर हेल्पलाइन एप एवं अन्य तथ्यों की जानकारी दी जाती है ' स्वीप कार्यक्रम के तहत अत्यधिक पहुँच स्थापित करने हेतु तथा व्यापक पहुँच बनाने के ध्येय से 2 महीने का कैलेंडर तैयार किया गया है। इसके माध्यम से स्वीप के अंतर्गत विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। शहरी क्षेत्रों में अधिकतम मतदान सुनिश्चित करने के ध्येय से डीएम ने सभी एआरओ को निदेश दिया है कि वह शहरी क्षेत्रों के अपार्टमेंट एवं मोहल्लों में कैंप लगाकर मतदाताओं को उनके बूथ एवं मतदाता सूची के बारे में जानकारी दें और अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए अभिप्रेरित करें। जिलाधिकारी के निदेश के अनुसार आईसीडीएस की सेविकाओं के द्वारा घर घर दस्तक देकर अभियान को सफल बना रही है। वहीं जन वितरण प्रणाली की दुकान के माध्यम से भी मतदाताओं को जागरूक किया जा रहा है। जिलाधिकारी के द्वारा नियमित रूप से स्वीप अभियान की समीक्षा की जा रही है। उन्होंने निदेश दिया है कि स्वीप कार्यक्रम से जुड़े अधिकारी मई तक जिले के सभी मतदाताओं तक कम से कम तीन बार अपनी पहुँच बनायें एवं उन्हें मतदान हेतु प्रेरित करें। उन्होंने यह भी संदेश दिया है कि वृद्ध एवं दिव्यांग मतदाताओं के लिए समुचित व्यवस्था रहेगी जिससे उन्हें किसी भी प्रकार की समस्या का सामना मतदान के दिन नहीं करनी पड़ेगी। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह- जिलाधिकारी, पटना श्री शीर्षत कपिल अशोक ने मतदाताओं से अपील की हैः मेरे प्यारे जिलावासियों, लोकसभा चुनाव में गर्व से वोट डालें।

रेलवे स्टेशन परिसर में बाल सहायता समूह की बैठक की गई

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

दानापुर रेलवे स्टेशन परिसर में बाल सहायता समूह की बैठक किया गया। स्टेशन मेनेजर के द्वारा रेलवे चिल्ड्रेन इंडिया ने सहयोग से आयोजित बैठक में विभिन बिन्दुओ पर चर्चा की गयी। जिसमें रेलवे स्टेशन पर बाल सहायता समूह का दायित्व बाल सुरक्षा को सुनिश्चित करने, सुरक्षा एवं संरक्षण वाले बच्चे जो स्टेशन परिसर पर मिलते है उनका जेनरल डायरी इंट्री सुनिश्चित करना, हर एक बच्चे के मामले में बाल कल्याण समिति को सूचित अनिवार्य करना, दानापुर स्टेशन काफी भीड़ वाला स्टेशन है चाइल्ड हेल्पडेस्क की आवशकता आदि पर विचार विमर्श किया गया। रेलवे चिल्ड्रेन इंडिया के द्वारा स्टेशन मेनेजर को मास्टर रजिस्टर उपलब्ध कराया गया। बैठक में लोगो ने कहा कि कोई भी बच्चा जिसे सुरक्षा एवं संरक्षण की आवशकता है वैसे बच्चो को आरपीएफ, जीआरपी, चाइल्ड हेल्प डेस्क के साथ समन्वय बैठाकर बच्चो को बाल कल्याण समिति बाल गृह बालिका गृह में आवासित कराया जाता है।किया। बैठक में आरपीएफ, जीआरपी, चाईल्ड हेल्पलाइन, एस एस ई समेत संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

नृत्य नाटिका आधारित सामूहिक सुंदर कांड का पाठ आज

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

राधेश्याम परिवार द्वारा 13वां श्री मेहंदीपुर बालाजी गुणगान महोत्सव का कार्यक्रम रविवार को चौक स्थित श्री सनातन धर्म सभा भवन परिसर में होगा। श्री बालाजी महाराज के दरबार को अयोध्या में बने भव्य श्री राम मंदिर का स्वरूप दिया गया है। बंगलुरू और कोलकाता के कलाकारों के द्वारा इसे अंतिम रूप दिया जा रहा है। इसमें सुबह पुरोहित के द्वारा जजमान बने जोड़ी के द्वारा श्री बालाजी महाराज की विधिवत पूजा अर्चना की जाएगी इसके बाद पूर्वाह्न 10 बजे से सामूहिक रूप से सुंदरकांड का पाठ शुरू होगा जो अपराह्न 3:00 बजे समाप्त होने की संभावना है इस दौरान नृत्य नाटिका के आधार पर पाठ होगा। अपराह्न 5:00 बजे से लेकर रात के 10:00 बजे तक विभिन्न प्रदेशों से आए भजन गायक एवं नृत्य नाटिका श्री बालकृष्ण शर्मा (कोलकाता) द्वारा पारंपरिक वेशभूषा में 501 महिलाओं के साथ सुंदर कांड पाठ करेंगी। भजन संध्या लखनऊ से आयीं विभा मिश्रा, कोलकाता से आये राज गुरु और इंदौर से आयीं रत्न प्रिया अपने रसभरे भजनों से भक्तों को झुमाएंगी। संस्था की संस्थापिका श्रीमती शोभा गुप्ता ने तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान चक्रेश अग्रवाल, संयोजक आलोक गुप्ता, संजय गोलवारा, पंकज लोयलका, विपुल जगनानीं, रंजीत मित्तल, राजाराम शर्मा, संजीव मिश्रा, अमित पांडेय आदि कार्यक्रम को सफल बनाने में लगे हैं। सदस्य दीपक गोयनका, सरोज जायसवाल, संगीता झुनझुनवाला, सीमा शर्मा, आनंद कमलिया, बाबूलाल आदि व्यवस्था में लगे हैं।

फर्जी तरीके से चला रहे क्लीनिक और प्राईवेट अस्पताल पर गिरा गाज

प्रात :किरण संवाददाता

दानापुर। नगर के अंतर्गत अनुमंडलीय अस्पताल के आसपास फर्जी तरीके से क्लीनिक और अस्पताल चल रहे हैं। जहां भोले-भाले लोगों को विभिन्न बीमारी बताकर रूपए एंठने का काम करते हैं। ऐसे फर्जी अस्पतालों में मरीज के जान की कीमत कुछ नहीं रहती।शनिवार को दानापुर पुलिस और अंचलाधिकारी द्वारा ऐसे अस्पतालों की छानबीन की गई। छापेमारी टीम के निकलने की खबर संचालकों को पहले ही लग गई। देखते ही देखते फर्जी तरीके से चल रहे क्लीनिक और प्राईवेट अस्पताल के शटर धराधर गिरने लगे।कुछ कर्मी,मरीज और उनके परिजन अंदर ही रह गए।बाहर से ताला लगाकर सभी आसपास चले गए। छापेमारी के डर से क्लीनिक व प्राईवेट अस्पताल अचानक बंद होने की गई। जिसको लेकर चर्चाएं आम होने लगी। बता दें कि 13 अप्रैल को अनुमंडलीय अस्पताल के पास एक प्राइवेट अस्पताल में एक प्रसूता महिला की मौत हो गई थी। पुलिस ने कारवाई करते हुए एक तथाकथित डॉक्टर और महीला कर्मी को गिरफ्तार किया था। उसके बाद से फर्जीसंचालकों के बीच हड़कंप मची हुई हैं। थानाध्यक्ष प्रशांत भारद्वाज ने बताया कि अंचलाधिकारी चंदन कुमार और दानापुर पुलिस फर्जी तरीके से चल रहे प्राईवेट अस्पताल व क्लिनिक के जांच पड़ताल करने गई थी।टीम के पहुंचते ही धराधर शटर गिराकर और ताला बंद करके भाग गए।

पटना के मंदिरों में होगी हनुमान चालीसा पाठ

पटना सिटी (प्राकि)। हनुमान चालीसा पाठ करने से शारीरिक कष्ट दूर होते हैं। साथ ही जीवन की विघ्न बाधाएं भी समाप्त होती हैं। उक्त बातें अजेय रामदूत फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अजय प्रकाश ने बिस्कोमान गोलम्बर स्थित कार्यालय में आहूत बैठक में कहीं। उन्होंने यह भी बताया कि हनुमान जयंती के अवसर पर 23 अप्रैल को पटना के अनेक मंदिरों में हनुमान चालीसा का पाठ किया जाएगा। इस व्यवस्था के निमित गौरव अग्रवाल, विकास कुमार मौड़ीवाल, डॉ एचपी सिंह सहित एक दर्जन प्रभारी की नियुक्ति की गई है, जो आयोजन को सुव्यवस्थित करेंगे।

फिट टू मूव-फिट टू वोट मैराथन का हुआ आयोजन

प्रात :किरण संवाददाता

पटना। फिट टू मूव - फिट टू वोट मैराथन का आयोजन गाँधी मैदान, पटना में हुआ। इस कार्यक्रम का मूल उद्देश्य लोकसभा आम चुनाव, 2024 के मद्देनजर नागरिकों के बीच मतदान के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। इस मैराथन का शुभारंभ आयुक्त, पटना श्री कुमार रवि, जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिला पदाधिकारी, पटना श्री शीर्षत कपिल अशोक, वरीय पुलिस अधीक्षक, पटना श्री राजीव मिश्रा, उप विकास आयुक्त, पटना श्री तनय सुल्तानिया द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया। शुभारंभ के मौके पर उपस्थित प्रतिभागियों से अपील करते हुए आयुक्त, पटना ने कहा कि जिस प्रकार से स्वस्थ शरीर हेतु हड्डियों का मजबूत होना आवश्यक है उसी प्रकार लोकतंत्र की मजबूती हेतु मतदान भी अति आवश्यक है। उन्होंने कहा कि आप सभी 1 जून को मतदान अवश्य करें। जिलाधिकारी, पटना ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि पटना में हमारे प्यारे निवासियों का रुझान फिटनेस के प्रति बढ़ा है और जिस प्रकार हमारे लिए फिटनेस महत्वपूर्ण है वैसे ही लोकतंत्र में मतदान की महत्ता है। उन्होंने सभी से आम निर्वाचन, 2024 में मतदान के दिन 1 जून को अपने मताधिकार का प्रयोग करने केलिए आह्वान किया। वरीय पुलिस अधीक्षक, पटना श्री राजीव मिश्रा ने उपस्थित सभी मतदाताओं से अपील किया कि आप सभी भयमुक्त होकर 1 जून को अपना मतदान करें। जिला प्रशासन की ओर से सभी मतदान केंद्रों पर सभी प्रकार के जरूरी इंतजाम रहेगा। जिला प्रशासन, पटना; मेडिवर्सल एवं टाइम्स ऑफ इंडिया द्वारा इस कार्यक्रम का आयोजन मतदाता जागरूकता हेतु किया गया था। कार्यक्रम के आरंभ में आयुक्त, पटना श्री कुमार रवि के द्वारा मतदाताओं को जागरूक करने के ध्येय से मतदाता-शपथ दिलाया गया एवं 1 जून को मतदान करने हेतु प्रेरित भी किया। इस मैराथन में 5 किमी का दौड़ प्रतिभागियों को पूरा करना था। प्रतिभागियों को गाँधी मैदान गेट नंबर एक से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। प्रतिभागियों को जेपी गंगापथ के सुनहरे मार्ग पर 2.5 किमी दौड़कर वापस आयोजन स्थल पर पहुंचना था। आयोजक की ओर से मैराथन में विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार भी दिया गया। जिला प्रशासन द्वारा इस कार्यक्रम के दौरान प्रत्येक एक किलोमीटर पर एक एम्बुलेंस, डफर, नारंगी एवं केला की व्यवस्था की गई थी।

एनकोलाइजींग स्पौन्डिलाइटीस रोग में पंचकर्म चिकित्सा से मिलता है अनोखा लाभ : वैद्य प्रो. दिनेश्वर प्रसाद

प्रात :किरण संवाददाता

पटना। एक 28 वर्षीय कम्प्यूटर इंजीनियर एकाएक करीब 20 वर्ष पूर्व गर्दन, कंधा, एवं पिठ के दर्द से आक्रान्त हो गया,उस समय महज उसका उम्र आठ वर्ष का था, फिर धिरे धिरे वह इसके कारण बहुत परेशान रहने लगा। इसके अभिभावकों ने पटना के अनेकों न्युरो, अर्थो,रुहमेटोलोजिष्ट, इम्युनौलोजिष्ट, मेन्टल के साथ साथ कुछ एक आयुर्वेद एवं होमियोपैथी के डाक्टरों के साथ साथ दिल्ली, मुम्बई,लखनऊ बंगलुरु के ख्यातिप्राप्त अस्पतालों में भी इलाज कराया पर कोई लाभ नहीं मिला। वैसे उसने हमारे प्राचार्य काल में कार्यरत रहते राजकीय आयुर्वेद कालेज अस्पताल पटना में भी परामर्श एवं इलाज लिया था, पर बार बार के समझाने के बाद भी समय के अभाव में पंचकर्म चिकित्सा नहीं करा पाया था, जबकि मेरे द्वारा स्पष्ट बता दिया गया था कि उसके बगैर शायद सम्यक लाभ नहीं मिल पायेगा, पर कतिपय कारणों से वह भर्ती होकर इलाज कराने के लिए तैयार नहीं हो सका, इसी मध्य उसने पटना के विख्यात हड्डी रोग विशेषज्ञ डा० जौन मुखोपाध्याय से कमर के पास आपरेशन करवाया, पर वह रोग तो ठीक नहीं ही हुआ, उपर से आपरेशन वाला पैर करीब एक इंच छोटा हो गया, और भिन्न भिन्न डाक्टरों से इलाज भी चलते रहा। इधर कुछ एक डाक्टरों ने डिस्क का आपरेशन कराने का सुझाव दिया, पर इस शर्त के साथ की आपरेशन से लाभ के साथ साथ नुकसान यानि कि पुरा बाडी लकवा ग्रस्त भी हो सकता है, तब घबड़ा कर मेरे बारे में खोजबीन करते करते हमारे यहाँ पहुँचा और कहा कि अब मुझे आप से ही चिकित्सा कराना है वह भी पंचकर्म चिकित्सा, मैं बहुत ओहापोह में रहते हुए भगाने के नियत से बहुत सारा शर्त रखा ताकि मुझे इससे छुटकारा मिल सके, कारण की पंचकर्म विशेष रूप से अभ्यंग यानि मालीस में बहुत मेहनत करना पड़ता है जो इस उम्र में सम्भव प्रतित नहीं हो पा रहा था, पर उसकी माँ एवं मामा के बार बार के आग्रह को टाल नहीं सका, और इश्वर का नाम लेकर इस नौजवान के भविष्य को ध्यान में रखकर चिकित्सा प्रारंभ कर दिया, पहले करीब एक सप्ताह तक नस्य कर्म एवं ग्रीवा वस्ति, पृष्ठ वस्ति तथा गर्दन, पिठ का मालीश, तत पश्चात अकवन, एरंड, सहजन एवं निग्रुंडी पत्र से वृहद सैंध्वादि तैल में उक्त पत्रों से पत्र पिंड स्वेदन एवं नारायण तैल से मात्रा वस्ति दे रहा हूँ और इश्वर के दया से उसे पच्चास प्रति शत के करीब फायदा हुआ है, वस्ति का आज दुसरा दिन है, जबकि उसे कम से कम 16 वस्ति लेने के लिए बोला हूँ, अब मैं दावे के साथ यह कह सकता हूँ कि और दो बार पंचकर्म करा लेता है तो वह 80,90 प्रति शात तक ठीक हो जायेगा, जो लोग इसको देख सकते हैं।

नई दिल्ली, पुणे, मुंबई, उधना, वडोदरा, साबरमती के लिए स्पेशल ट्रेन का परिचालन

प्रात :किरण संवाददाता

हाजीपुर। यात्रियों की अत्याधिक भीड़ के मद्देनजर रेलवे द्वारा कई स्पेशल ट्रेन का परिचालन किया जाएगा जिनका विवरण निम्नानुसार है - गाड़ी संख्या 04035 पटना-नई दिल्ली अनारक्षित स्पेशल- गाड़ी संख्या 04035 पटना-नई दिल्ली अनारक्षित स्पेशल 21अप्रैल को पटना से 21.30 बजे खुलकर डीडीयू, प्रयागराज, कानपुर सेंट्रल के रास्ते अगले दिन 15 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी ।, गाड़ी संख्या 04051 दरभंगा-नई दिल्ली अनारक्षित स्पेशल- गाड़ी संख्या 04051 दरभंगा-नई दिल्ली अनारक्षित स्पेशल 21अप्रैल को दरभंगा से 20.30 बजे खुलकर समस्तीपुर, मुजफ्फरपुर, हाजीपुर, गोरखपुर के रास्ते अगले दिन 20 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी ।, गाड़ी संख्या 04037 सहरसा-नई दिल्ली अनारक्षित स्पेशल- गाड़ी संख्या 04037 सहरसा-नई दिल्ली अनारक्षित स्पेशल दिनांक 22अप्रैल को सहरसा से 07 बजे खुलकर बरौनी, समस्तीपुर, मुजफ्फरपुर, हाजीपुर, गोरखपुर के रास्ते अगले दिन 07 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी ।, गाड़ी संख्या 04033 मुजफ्फरपुर-आनंद विहार अनारक्षित स्पेशल- गाड़ी संख्या 04033 मुजफ्फरपुर-आनंद विहार अनारक्षित स्पेशल 21अप्रैल को मुजफ्फरपुर से 17 बजे खुलकर बापूधाम मोतीहारी, बेतिया, नरकटियागंज के रास्ते अगले दिन 13 बजे आनंद विहार पहुंचेगी ।, गाड़ी संख्या 05560 रक्सौल-हावड़ा स्पेशलः गाड़ी संख्या 05560 रक्सौल-हावड़ा स्पेशल 21अप्रैल को रक्सौल से 13.30 बजे खुलकर बापूधाम मोतिहारी, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, बरौनी, किउल, झाझा के रास्ते 22अप्रैल को 05.30 बजे हावड़ा पहुंचेगी । , गाड़ी संख्या 09038 भागलपुर-उधना अनारक्षित स्पेशलः गाड़ी संख्या 09038 भागलपुर-उधना अनारक्षित स्पेशल 21अप्रैल को भागलपुर से 23 बजे खुलकर 22अप्रैल को 04.55 बजे पटना जं. रूकते हुए डीडीयू-प्रयागराज छिवकी-जबलपुर-भुसावल के रास्ते 23अप्रैल को 09 बजे उधना पहुंचेगी ।, गाड़ी संख्या 09020 भागलपुर-विश्वमित्री (वडोदरा) अनारक्षित स्पेशलः गाड़ी संख्या 09020 भागलपुर-विश्वमित्री अनारक्षित स्पेशल दिनांक 22अप्रैल को भागलपुर से 13 बजे खुलकर 18.55 बजे पटना जं. रूकते हुए डीडीयू-प्रयागराज छिवकी-सतना- दमोह-उज्जैन के रास्ते 23अप्रैल को 23.55 बजे विश्वमित्री पहुंचेगी ।, गाड़ी संख्या 09478 पटना-साबरमती स्पेशलः गाड़ी संख्या 09478 पटना-साबरमती स्पेशल 22अप्रैल को पटना से 12.30 बजे खुलकर डीडीयू, वाराणसी, लखनऊ, टुण्डला, जयपुर के रास्ते 23अप्रैल को 21.30 बजे साबरमती पहुंचेगी ।

प्राण प्रतिष्ठा को ले नगर भ्रमण जुलूस निकला, धार्मिक अनुष्ठान

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

दीवान मुहल्ला नौजर घाट स्थित प्राचीन जगन्नाथ मंदिर में महाराजा कुवंर रूप नारायण सिंह ट्रस्ट की ओर से शिवलिंग की प्राण प्रतिष्ठा का अनुष्ठान चल रहा है। इसे लेकर शनिवार को मंडप पूजन, कर्मकूठी, धूपाधिवास, पुष्पाधिवास, घृताधिवास, अन्नाधिवास, शय्याधिवास व महास्नान का अनुष्ठान वाराणसी से आए आचार्य वासुकीनाथ पांडेय के आचार्यत्व में पांच आचार्यो ने किया। ट्रस्ट के उपाध्यक्ष कमल नयन श्रीवास्तव व अध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा ने बताया कि रविवार को प्राण प्रतिष्ठा, रुद्राभिषेक, श्रृंगार, महारआरती और पूणार्हुति के बाद प्रसाद वितरण किया जाएगा। इधर छोटी पटनदेवी स्थित प्राचीन शिव मंदिर के जीर्णोद्वार के बाद प्राण प्रतिष्ठा को लेकर नवनूतन पंच प्रतिमाओं का नगर भ्रमण जुलूस भजन कीर्तन मंडली के साथ निकाला गया। यह चौक से वापस मंदिर लौटा। रविवार को हवन-पूजन व भंडारा के साथ अन्य आयोजन होगा।

अभी तो बिहार में 4-0 हुआ है, एनडीए को 40-0 तक ले जाना है : सम्राट

बोले- प्रधानमंत्री देश को आगे बढ़ा रहे, भारत का दुनिया में बज रहा डंका

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सह उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि अभी तो बिहार में 4-0 हुआ है, एनडीए को 40-0 तक ले जाना है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के साथ पूरा बिहार है। प्रधानमंत्री को सहयोग करने का काम बिहार की जनता करेगी और बिहार में 40 सीट और देश में 400 पार।

श्री चौधरी शनिवार को मुंगेर में एनडीए समर्थित जदयू प्रत्याशी राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह के नामांकन समारोह में शामिल हुए। इस दौरान उप मुख्यमंत्री चौधरी एक रोड शो में भी भाग लिए। इस रोड शो में एनडीए के कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि मोदीमय मुंगेर के कोने-कोने में एनडीए के लिए अपार जनसमर्थन मिल रहा है। मुंगेर से एनडीए समर्थित जदयू प्रत्याशी ललन सिंह के नामांकन समारोह में जाने के दौरान रोड-शो में जनता का अभूतपूर्व स्नेह सदैव स्मरणीय रहेगा। कांग्रेस के नेता राहुल गांधी की बिहार यात्रा पर तंज कसते हुए कहा कि राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव आज रोड पर हैं। राहुल गांधी ने ऑर्डिनेंस फाड़कर लालू प्रसाद यादव को सड़क पर खड़ा करने का काम किया था। वह आज बिहार आ रहे हैं।

राहुल गांधी ने लालू को मुखिया बनने लायक भी नहीं छोड़ा :

वहीं, उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी खगड़िया में आशीर्वाद सभा को संबोधित करते हुए कहा कि भ्रष्टाचारी लालू और उनके परिवारवादी कुनबे को पहले ही जनता नकार चुकी है, इस चुनाव में तो मतदाता मात्र उस पर मुहर लगा रहे हैं। खगड़िया से एनडीए समर्थित लोक जनशक्ति पार्टी (रा) के प्रत्याशी राजेश वर्मा जी के समर्थन में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए श्री चौधरी ने कहा कि यह वही राहुल गांधी है जो लालू प्रसाद यादव को मुखिया चुनाव लड़ने लायक भी नहीं छोड़े। अध्यादेश को फाड़कर लालू यादव को सड़क पर लाने वाले राहुल गांधी ही हैं। आजकल राष्ट्रीय जनता दल के लोग भी उनके काफी नजदीक रह रहे हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने अब तक इसके लिए माफी भी नहीं मांगी। अब इसे समझ सकते हैं कि किस तरह की राजनीति कांग्रेस के लोग बिहार में कर रहे हैं। किस तरह से महागठबंधन के लोग यहां पर एक दूसरे पर भरोसा कर चुनावी मैदान में आ रहे हैं। विश्वास जताते हुए उप मुख्यमंत्री श्री चौधरी ने कहा कि केंद्र में मजबूत मोदी सरकार के लिए बिहार की जनता एनडीए के एक-एक प्रत्याशी को अपना बहुमूल्य वोट देकर संसद भवन में भेजेगी, ऐसा पूर्ण विश्वास है। श्री चौधरी ने कहा कि भ्रष्टाचार जनित बेशुमार बेनामी सम्पत्ति इकट्ठा करने के आरोपी तेजस्वी यादव का जनता पर कोई असर नहीं होने वाला है। पिछली बार की तरह इसबार भी बिहार में राजद का खाता नहीं खुलने वाला है। कहा कि जिन्होंने देश को लूटा और जिन्होंने बिहार को लूटा, अब मिलकर एक साथ फिर देश को लूटने की फिराक में है। लेकिन जनता उनके इस सपना को कभी पूरा नहीं होने देगी।

नीतीश कुमार के शासन में दंगा पीड़ितों को मिला न्याय : उमेश

कहा- संविधान का झूठा डर दिखाकर सत्ता हित साधना चाहता है विपक्ष

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने विपक्षी दलों पर निशाना साधा है। शनिवार को किशनगंज लोकसभा क्षेत्र के आमौर विधानसभा में एनडीए प्रत्याशी मास्टर मोजाहिद आलम के समर्थन में आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए बिहार जदयू के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि सीमांचल का इलाका कभी मानव सृजित त्रासदी का शिकार नहीं बना और ना ही नफरत और भेदभाव से खुद को कभी कलंकित होने दिया है। न्याय के साथ विकास हो या फिर सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास सीमांचल को इस बात की समझ विरासत में मिली है। कहा कि नीतीश कुमार के 18 वर्षों के कार्यकाल में अल्पसंख्यकों के उत्थान में बिहार में ऐतिहासिक काम हुए हैं। बिहार में अल्पसंख्यक आयोग का गठन किया गया। 2005 से पहले अल्पसंख्यक कल्याण का जो बजट में साढ़े तीन करोड़ से भी कम था, वो आज बढ़कर 700 करोड़ का हो गया। श्री नीतीश कुमार के शासन में भागलपुर के दंगा पीड़ितों को न्याय मिला साथ ही किशनगंज में बहुप्रतीक्षित अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय की शाखा खोलने के लिए 224 एकड़ भूमि का निरूशुल्क हस्तांतरण किया गया। उर्दू शिक्षकों की नियुक्ति, मदरसों का आधुनिकीकरण या कब्रिस्तानों की घेराबंदी हो, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बेमिसाल काम किया है। साथ ही भागलपुर की जनसभा में राहुल गांधी द्वारा दिए गए बयान पर प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि आपातकाल थोपने वाले लोग कभी संविधान के हिमायती नहीं हो सकते हैं। संविधान का झूठा भय दिखाकर विपक्ष सिर्फ अपना सत्ता हित साधना चाहता है। जिस कांग्रेस ने 1975 में संविधान को कुचलने का काम किया आज वही कांग्रेस संविधान प्रेमी होने का आडंबर कर रही है। उन्होंने कहा कि देश की जनता यह जानती है कि संविधान को असली खतरा कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों से है। उन्होंने अपील करते हुए कहा कि मोदी-नीतीश की जोड़ी का हाथ मजबूत करने के लिए किशनगंज से एनडीए उम्मीदवार मास्टर मोजाहिद आलम को भारी मतों से जीत दिलाना है। पिछली बार 40 में से 39 सीटों पर एनडीए की जीत हुई थी, बस एक किशनगंज की कसर रह गई थी। इस बार हमें मिलकर वो कसर भी पूरा करना है। 4 जून को वोटों की गिनती के साथ केवल हमारी जीत का पैगाम ही नहीं आएगा, बल्कि हमारे लोकतंत्र का नया सूर्योदय भी होगा।

दबंगों से प्यार, दलितों पर अत्याचार, नहीं चलेगा यह दोहरा विचार : चौरसिया

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

भाजपा के विधायक और उत्तर प्रदेश के सह प्रभारी डॉ संजीव चौरसिया ने शनिवार को राजद को निशाने पर लेते हुए उसे राष्ट्रीय गुंडा दल बताया। उन्होंने कहा कि अपराधी छवि के सुरेंद्र यादव को उम्मीदवार बनाकर राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद ने इसे एकबार फिर साबित किया है। उन्होंने कहा कि सुरेंद्र यादव जंगलराज के एक पर्याय हैं। श्री चौरसिया ने कहा कि जिनके ऊपर हत्या का प्रयास, दंगा और किडनैपिंग समेत 9 आपराधिक मामले दर्ज है, वैसे व्यक्ति को राजद ने उम्मीदवार बनाकर यह संकेत दिया है कि हमारी सरकार बनी तो एक बार फिर से गुंडाराज को स्थापित किया जाएगा।भाजपा मीडिया सेंटर में शनिवार को संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए श्री चौरसिया ने कहा कि जमुई में चुनाव के दौरान पासवान जाति के वोटरों को राजद के समर्थकों ने पिटाई की गई। पटना के दानापुर में यादव जाति के लोगों के द्वारा दलितों की पिटाई की गई और एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। भाजपा के वरिष्ठ नेता श्री चौरसिया ने कहा कि सामंत और राजशाही की बात आज पुरानी भले हो गयी है, लेकिन आज सही मायने में राजद वाले असली सामंतवादी है। राजद ने राजनीति के चक्कर में एक नया सामंती वर्ग बना दिया है। राजद समर्थित जो गुंडे हैं, वह संविधान निमार्ता डॉ भीमराव अंबेडकर का अपमान कर रहे हैं और दलितों पर अत्याचार कर रहे हैं। लेकिन, संविधान बचाने की झूठी प्रपंच रचने वाले लालू यादव और राजद चुप हैं। क्योंकि उनका गुंडों का सीधा समर्थन है। यही राजद की असली सच्चाई है। श्री चौरसिया ने कहा कि जिस तरह से इशारा करके श्री चिराग पासवान को अपमानित किया गया और उनकी मां को लेकर अभद्र टिप्पणी की गई। लालू यादव ने राजनीति का स्तर इतना गिरा दिया है कि अब कुछ कहा नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि यही अर्थों में चुनाव में हार को देखते हुए राजद वाले बौखला गए हैं इसलिए डरा धमका कर दलितों से वोट लेना चाहते हैं। लेकिन यह भूल गए हैं कि बिहार में एनडीए की सरकार है। उन्होंने कहा कि राजद जो खुद को दलितों, पिछड़ो का बड़ा हितैषी कहती है। दरअसल, राजद इनका बस अपने स्वार्थ के लिए इस्तेमाल करती है, विकास के नाम पर राजद दलितों, पिछड़ो को जातिवाद का झुनझुना पकड़ाना चाहती है। भाजपा के नेता श्री चौरसिया ने साफ कहा कि दबंगों से प्यार, दलितों पर अत्याचार, नहीं चलेगा यह दोहरा विचार। इस प्रेस वार्ता में भाजपा के मीडिया संयोजक दानिश इकबाल, सह मीडिया प्रभारी अमित प्रकाश बबलू, रणवीर कुमार और सुमित शशांक, उपस्थित रहे।

भाजपा का पैर उखड़ता हुआ दे रहा है दिखाई: शिवानंद

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

● कहा-दो सौ भी लांघ पाना हिमालय लांघने के बराबर

राजद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शिवानंद तिवारी ने भाजपा पर निशाना साधा है। श्री तिवारी ने कहा कि अभी तो पहले चरण का ही मतदान हुआ है। लेकिन पहले ही चरण में भाजपा का पैर उखड़ता हुआ दिखाई दे रहा है। भाजपा नेताओं की कल रात की नींद उड़ गई होगी। चार सौ पार का नारा लगाने वालों के लिए दो सौ भी लांघ पाना हिमालय लांघने के बराबर दिखाई दे रहा है। पिछले दस वर्षों में भाजपा चुनाव लड़ने के लिए मोदी जी के नाम पर ही निर्भर हो गई है। पंचायत का चुनाव हो या लोकसभा का, प्रत्येक चुनाव में मोदी जी का ही नारा सुनाई देता है। दरअसल मोदी जी के चरम व्यक्तिवाद, एको अहं, द्वितीय नास्ति ने पूरी पार्टी को अपने उपर आश्रित बना दिया है। मोदी जी पिछले दस वर्षों से देश के प्रधानमंत्री हैं। लेकिन उनकी सरकार ने देश के गरीबों के लिए, किसानों और बेरोजगारों के लिए क्या किया है यह नहीं बताते हैं। इस चुनाव में भी मोदी की गारंटी और मोदी है तो मुमकिन है जैसे नारे पर भाजपा चुनाव लड़ रही है। भगवान राम, आस्था, राम नवमी में मछली खाना मुगलिया दिमाग, सनातन का अपमान आदि सांप्रदायिकता की ध्वनि मोदी जी के हर भाषण में सुनाई देती है। ऐसी बातें जिनका आम आदमी के सुख दुख से कोई रिश्ता नहीं है। बल्कि मोदी जी ने दंभ में ऐसे ऐसे फैसले लिए जिनसे देश आज तक उबर नहीं सका है। श्री तिवारी ने आगे कहा कि रिजर्व बैंक की असहमति के बावजूद पीएम मोदी ने देश में नोटबंदी का फैसला ले लिया। उसकी मार सबसे ज्यादा गरीबों और छोटा मोटा व्यवसाय करने वालों पर पड़ी। जीएसटी के बोझ तले छोटे मोटे व्यवसाय करने वालों की कमर टूट रही है। कोरोना काल को याद कीजिए। अचानक बगैर जानकार लोगों से सलाह मसविरा किये मोदी जी ने देश में कर्फ़्यू जैसी हालत पैदा कर दी। शहरों में काम बंद। मालिकों ने रहने का ठिकाना खाली करा दिया। अब खायेंगे क्या? बिना काम शहर में भूख से मरने से गाँव लौट चला जाय। वहाँ भूख से तो नहीं मरेंगे। रेल भी बंद। याद कीजिए सरपर गठरी लादे बाल बच्चों समेत सड़कों पर, रेलवे लाइन के किनारे किनारे हजारों की संख्या में भारत का गरीब, सर्वहारा अपने अपने गाँव की ओर कूच कर रहा था। वही असली भारत की तस्वीर है। मोदी जी कोरोना से जंग कैसे लड़ रहे थे! थाली पीटो, मोबाइल का रोशनी जलाओ। दुनिया हँस रही थी। ऐसी सरकार और ऐसे प्रधानमंत्री को देश कब तक सहन करेगा? इसलिए इस चुनाव में पहले चरण से ही इनकी विदाई का गीत सुनाई देने लगा है।

गिरिराज सिंह 10.16 करोड़ रुपये की चल-अचल संपत्ति के मालिक

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और बेगूसराय लोकसभा क्षेत्र से फिर से चुनाव लड़ रहे केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह के पास 10.16 करोड़ रुपये की चल और अचल संपत्ति है जबकि उनकी पत्नी के पास 4.15 करोड़ रुपये की चल-अचल संपत्ति है। सिंह ने शुक्रवार को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) उम्मीदवार के रूप में बेगूसराय संसदीय सीट से अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। बिहार की बेगूसराय, दरभंगा, उजियारपुर, समस्तीपुर और मुंगेर लोकसभा सीट पर चौथे चरण में 13 मई को मतदान होगा। सिंह ने नामांकन पत्र के साथ निर्वाचन अधिकारी के समक्ष दाखिल हलफनामे में घोषणा की है कि उनके पास 2.09 करोड़ रुपये की चल संपत्ति और 8.07 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति है। सिंह की पत्नी के पास 1.25 करोड़ रुपये की चल संपत्ति और 2.90 करोड़ रुपये अचल संपत्ति है। हलफनामे के मुताबिक, केंद्रीय मंत्री के पास 1.96 लाख रुपये नकद हैं जबकि उनकी पत्नी के पास 1.46 लाख रुपये नकद हैं। सिंह के पास जो चल संपत्ति है, उनमें उनके दो बैंक खातों में जमा राशि और 1.10 लाख रुपये के सोने के आभूषण शामिल हैं। उनकी पत्नी के पास जो चल संपत्ति है, उनमें छह बैंक खातों में जमा राशि, 7.5 लाख रुपये के सोने और चांदी के आभूषण शामिल हैं। हलफनामे के अनुसार, सिंह की अचल संपत्ति में उनकी पैतृक संपत्ति भी शामिल है। हलफनामे में वर्ष 2023-2024 के लिए उनकी आय 16,61,990 रुपये दिखाई गई है। सिंह का मुकाबला भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के उम्मीदवार अवधेश राय से है, जो महागठबंधन के उम्मीदवार हैं। भाजपा नेता ने 2019 में जवाहरलाल नेहरू छात्र संघ के पूर्व अध्यक्ष कन्हैया कुमार को चार लाख से अधिक मतों के अंतर से हराया था। कुमार ने भाकपा के टिकट पर पिछला लोकसभा चुनाव लड़ा था। वह इस बार कांग्रेस के टिकट पर राष्ट्रीय राजधानी की उत्तर पूर्वी दिल्ली संसदीय सीट से मैदान में हैं। सिंह ने 2005 से 2010 तक बिहार सरकार में सहकारिता मंत्री और 2010 से 2013 तक पशुपालन मंत्री के रूप में सेवाएं दीं। वह मई 2019 में केंद्रीय पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्य पालन मंत्रालय में कैबिनेट मंत्री बने। जुलाई 2021 में वह केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री बने।

लालू प्रसाद के परिवार पर सीएम की टिप्पणी अनुचित : एजाज

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

बिहार प्रदेश राष्ट्रीय जनता दल के प्रवक्ता एजाज अहमद ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के द्वारा राजद सुप्रीमो लालू और उनके परिवार पर की गई टिप्पणी को अभद्र और अमर्यादित बताया है। कहा है कि इससे यह स्पष्ट होता है कि वह कहीं ना कहीं तेजस्वी प्रसाद यादव के प्रति जनता को मिल रहे है विश्वास और समर्थन के कारण एनडीए को बेचैनी और बौखलाहट हैं। इसी बेचैनी में अनर्गल बातें और अनाप-शनाप भाषा बोल रहे हैं, जो किसी भी दृष्टिकोण से उचित नहीं है। इस तरह अमर्यादित टिप्पणी को किसी भी दृष्टिकोण से उचित नहीं ठहराया जा सकता है। उन्होंने जिस तरह की भाषा और जिस तरह से महिलाओं के प्रति टिप्पणी की है वह किसी भी दृष्टिकोण से उचित नहीं माना जा सकता है। एजाज ने एनडीए के नेताओं से पूछा है कि क्या भाजपा और एनडीए का महिलाओं के प्रति इसी तरह का सम्मान का भाव है और महिलाओं के साथ इस तरह की बात करने वाले के प्रति उनकी क्या सोच है? उसे भी स्पष्ट करें, क्योंकि यह एक मुख्यमंत्री के द्वारा दिया गया बयान है और ऐसे बयान को किसी भी दृष्टिकोण से बिहार की जनता माफ नहीं करने वाली है। एजाज ने कहा कि जनता के मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए और नौकरी और रोजगार पर जिस तरह से जनता भाजपा और एनडीए से सवाल पूछ रही है, उस लोगों का ध्यान भटकाने के लिए ही इस तरह की भाषा का इस्तेमाल किया जा रहा है।

इलेक्शन टूर कर रहे तेजस्वी व राहुल गांधी : मनोज शर्मा

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव के लोकसभा चुनाव पर दावे को लेकर बीजेपी प्रदेश प्रवक्ता और पूर्व विधायक मनोज शर्मा ने कहा कि तेजस्वी यादव लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर खुश फहमी पाल रहे हैं। इसे कहते हैं दिन में सपना देखना। उन्हें इस बात का एहसास है कि उनका इस चुनाव में खाता तक नहीं खुलने वाला है। अपने आसपास के चमचा परस्ती करने वाले लोगों की बात पर यह बातें कह रहे हैं। यह चुनाव तो तेजस्वी यादव के लिए इसलिए भी खास है क्योंकि उन्हें एहसास होना चाहिए कि उन्होंने क्या-क्या गलती की है। यदि वह इस बार नहीं चेते तो आने वाले भविष्य में कभी उनका पॉलिटिकल सर्वाइवल नहीं होगा। वैसे तेजस्वी यादव इस चुनाव को पॉलीटिकल सर्वाइवल के लिए ही लड़ रहे हैं। श्री शर्मा ने कहा कि दरअसल, तेजस्वी यादव चुनाव नही लड़ रहे है। वो इलेक्शन टूर कर रहे है। कभी नवरात्र में में मछली खा रहे है तो कभी दिखावा के लिए नारंगी खा रहे है। ये ना तो सीरियस नेता है और ना ही ये सीरियस राजनीति करते है। यदि ये और इनके गठबंधन के नेता चुनाव को लेकर सीरियस होते तो सभी सीटों पर उम्मीदवार तय हो जाता लेकिन, चुनाव अपने चरम पर है और महागठबंधन की तरफ से सभी सीटों पर उम्मीदवार तय ही नही हुआ है। श्री मनोज शर्मा ने कहा कि तेजस्वी यादव क्या बोलेंगे, उनके गठबंधन कोई एकजुटता है क्या। राहुल गांधी प्रचार के लिए तो भागलपुर आये, लेकिन लगा जैसे अभी जगे हों। वही तेजस्वी यादव अपने दो दिन पहले गठबंधन करने वाले नेता को लेकर ऐसे घूम रहे है जैसे वही उनके कर्ताधरता हो। कुल मिलाकर इंडि गठबंधन पूरी तरह से बिखर चुका है और 2024 में इनको विपक्षी दल की मान्यता भी नही मिलेगी। बीजेपी प्रदेश प्रवक्ता ने कहा तेजस्वी यादव की जानकारी के लिए बता दें कि इस बार 400 बार जुमला नही हकीकत है। इसे कोई नही रोक सकता है। जो रिपोर्ट तेजस्वी पहले चरण में ले रहे है 4 जून के परिणाम का इंतजार किजिये, उस दिन जो परिणाम आएगा वो फाइनल होगा। उस दिन अपने चमचो से पूछियेगा आपका खाता खुला की नही। बिहार और देश की जनता ने एक बार फिर मोदी सरकार को अपना मत दे रही है।

मुकेश सहनी ने निषाद समाज के पीठ में छुड़ा भोंका: अरविन्द

पटना। जदयू प्रवक्ता अरविन्द निषाद ने वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी को एक पत्र लिखा है। पत्र में कहा है कि वीआईपी पार्टी को राजद ने इंडिया गठबंधन से आपको तीन सीटें झंझारपुर, गोपालगंज एवं पूर्वी चंपारण की लोकसभा चुनाव क्षेत्र अपने कोटा से दिया। उन तीन सीटों पर वी आई पी पार्टी के द्वारा एक की भी निषाद समाज के राजनीतिक कार्यकताओं को उम्मीदवार नहीं बनाया गया। वीआईपी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष सहनी को ही मोतिहारी लोकसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ाते तो ज्यादा अच्छा लगता, लेकिन आपने उनको केवल दिखावे की वस्तु बनाकर रखा हुआ है। मुकेश सहनी जी खुद को मल्लाह समाज के नेता कहते हैं जब चुनाव लड़ाने का समय आता है तो आपके द्वारा निषाद समाज खुद को राजनीतिक रूप से ठगा हुआ महसूस करता है। इस लोकसभा चुनाव में वी आई पी पार्टी के द्वारा निषाद समाज की अनदेखी किए जाने से पूरे बिहार में सन ऑफ मल्लाह मुकेश सहनी एवं वीआईपी पार्टी के खिलाफ भारी जनआक्रोश व्याप्त है। सन ऑफ मल्लाह मुकेश सहनी ने निषाद समाज के पीठ में छुड़ा भोंकने का काम किया है। यह अपमान निषाद समाज कभी भूलने का काम नहीं करेगा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने शासनकाल के 18 वर्षों में निषाद समाज के लिए अभूतपूर्व काम किए हैं। स्वतंत्रता सेनानी जुब्बा सहनी के शहादत दिवस को राजकीय समारोह के रूप में मनाने का निर्णय हुआ। जुब्बा सहनी के नाम पर राजधानी पटना में पार्क स्थापित कर उनकी प्रतिमा लगाई गई। पहली बार निषादों के हित में बिहार राज्य मछुआरा आयोग बनाया गया। बिहार राज्य जलकर प्रबंधन आधिनियम के द्वारा मछुआरा समाज के लिए कल्याणकारी योजनाएँ चलायी जा रही है। बिहार राज्य मत्स्यजीवी सहयोग समिति अधिकार दिया गया। बिहार के मछुआरों को मछुआरा जनश्री बीमा योजना का लाभ दिया जा रहा है।

सीएम नीतीश मुसलमानों के सच्चे हितैषी : जदयू

पटना। जदयू के मीडिया पैनलिस्ट तहसीन नदीम ने राजद पर हमला बोलते हुए कहा है लालू प्रसाद सेकुलरिजम का ढोंग करते हैं। धर्मनिरपेक्षता की वसूलों पर नहीं चलते। मुसलमानों को जिस तरह से उन्होंने ठगने का काम किया है उससे लालू प्रसाद के चेहरा पर पड़ा सेकुलरिजम का कथित नकाब उतर गया है। राजद को मुसलमानों का सिर्फ वोट चाहिए। हिस्सेदारी देने की बात आती है तो बिहार के दो करोड़ मुस्लिम आबादी को अपने दो बेटियों के बराबर टिकट देते हैं। तहसीन कहते हैं कि तेजस्वी यादव ने सही कहा था राजद बाप की पार्टी है। माई समीकरण तो कबका मटियामेट हो चुका है। माई में एक ही जाति ने मलाई खाई, मुसलमानों को चाशनी चाटने का भी मौका नहीं मिला। तहसीन नदीम ने कहा कि जहां तक सेकुलरिजम की बात है मुख्यमंत्री नीतीश कुमार हृदय से सेकुलर हैं। इन्होंने कभी भी सेकुलरिजम का दिखावा नहीं किया। धर्मनिरपेक्ष असुलों को आत्मसात किया है। मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने बिना भेदभाव के हर वर्ग, हर जाती के लिए विकास की इबारत लिखी है।

विपक्षी दलों का कोई दांव चलने वाला नहीं है: राजीव

● कहा- मुंगेर में अपार बहुमत से एनडीए की होगी जीत कहा

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर से एनडीए प्रत्याशी व जदयू के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह के नामांकन के बाद जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन ने उनकी जीत को तय बताया। उन्होंने कहा कि मुंगेर में एनडीए की आंधी चल रही है। मुंगेर के लोगों से बात-चीत के बाद यह पूरी तरह स्पष्ट है कि जदयू के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री ललन सिंह जी अपार बहुमत से जीतने वाले हैं। लोगों का उत्साह यह साफ बता रहा है कि इस बार ललन सिंह जी जीत के पिछले सारे रिकॉर्ड ध्वस्त करने वाले हैं। जनता के रुख से यह साफ है कि यहां विपक्षी दलों का कोई दांव चलने वाला नहीं है। मुंगेर की जनता पूरे जोश के साथ एनडीए प्रत्याशी के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि मुंगेर में एनडीए खेमा जहां पूरी तरह एकजुट है वहीं विपक्षी कुनबा पूरी तरह से बिखरा हुआ है। उनके बयानों को देखें तो उनकी हताशा साफ नजर आती है। वास्तव में यहां विपक्ष सिर्फ चुनाव लड़ने की रस्म अदायगी भर कर रहा है। जदयू प्रवक्ता ने कहा कि मुंगेर के लोग भूले नहीं है कि लालू-राबड़ी राज में उनके क्षेत्र में कैसा भय का माहौल था। प्राचीन धार्मिक और ऐतिहासिक स्थलों के लिए प्रसिद्ध मुंगेर को राजद के कुशासन ने अपराधियों का अड्डा बना दिया था। उस समय शाम ढलने के बाद लोग घरों से निकलते तक नहीं थे। तब लोगों को शिक्षा-स्वास्थ्य तो दूर बिजली, सड़क, पानी जैसी मूलभूत सुविधाएं भी नहीं मिलती थीं। लेकिन नीतीश सरकार ने आते ही अपराधियों पर अंकुश कसा और आज मुंगेर के हर कोने में मूलभूत सुविधाओं का जाल बिछ चुका है। जनता जानती है कि यह नीतीश सरकार ही है जिसने मुंगेर की सांस्कृतिक व अध्यात्मिक पहचान को फिर से बहाल किया है।

पहले चरण की सभी चार सीटों पर एनडीए की जीत : चिराग

● कहा- पीएम मोदी और एनडीए के नाम पर लोगों में उत्साह

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने प्रदेश कार्यालय कृष्णापुरी में प्रेस संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और एनडीए के नाम पर लोगों में उत्साह है। कई ऐसे लाभार्थी हैं जो प्रधानमंत्री जी के गरीब जन कल्याण योजना से लाभान्वित हुए हैं। वे लोग आज पूरे समर्पण भाव से हमारे प्रधानमंत्री के प्रति अपना विश्वास प्रकट कर रहे हैं। हमारे नेता और पिता श्रद्धेय रामविलास पासवान जी के द्वारा शुरू की गई प्रधानमंत्री गरीब जन कल्याण अन्न योजना से देश में 81 करोड़ लोगों को मुफ्त में राशन मिल रहा है, ऐसे लोगों को हमारे प्रधानमंत्री पर अटूट विश्वास है और वे लोग चाहते हैं कि सरकार बना रहे। आगे श्री चिराग ने कहा कि बिहार के पहले चरण की सभी चार सीटें हम लोग जीत रहे हैं। प्रधानमंत्री जी के नाम पर जिस तरह से एनडीए कार्यकताओं में उत्साह देखने को मिल रहा है, उसे साफ जाहिर है कि 400 पार का लक्ष्य हम लोग हासिल करेंगे। आगे श्री चिराग ने तेजस्वी के विजन को लेकर कहा कि ये लोग बिहार के विकास की बात करते हैं, लेकिन क्या गरीब, दलित को डरा कर विकास किया जा सकता है? राजद की सोच दलित विरोधी है। आज के समय में किसी भी सभ्य समाज के लोग ईनके साथ नहीं है। इसी व्यवहार के कारण मुस्लिम और यादव समाज के लोग इनसें अब दूर होने लगे हैं। यह लोग बस अपने परिवार को ही प्राथमिकता देते हैं। राष्ट्रीय जनता दल का गाली देना कल्चर है। आज मेरी मां को गाली दी गई, कल गांव की महिला, बहन-बेटी को उनके कार्यकर्ता गाली देंगे। तेजस्वी यादव झूठ बोल रहे हैं वह उस समय भाषण नहीं दे रहे थे। आगे श्री चिराग ने कहा कि राजद की वजह से बिहार से लोगों का पलायन हुआ है। बिहार की जनता को अब इस पर विचार करना होगा। उन्हें जंगलराज को याद करना होगा। उन्हें समझना होगा कि आखिर बिहार के लोग उस समय क्यों पलायन करने पर मजबूर थे। इसके बाद भी यदि राजद के नेतृत्व वाली पार्टी या उनके गठबंधन वाले कोई नेता यदि चुनाव जीतकर जाते हैं तो वहां पर मां, बहन, बेटी और गरीब परिवार के लोगों का रहना मुश्किल हो जाएगा। पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी कुंदन कुमार ने बताया कि प्रेस संवाददाता सम्मेलन में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष राजू तिवारी, प्रदेश उपाध्यक्ष असरफ अंसारी, संजय सिंह, मुख्य प्रवक्ता राजेश भट्ट, प्रवक्ता विनीत सिंह, राजेश सिंह, जितेंद्र यादव, प्रदेश महासचिव रविरंजन प्रसाद सिंह, सुरेंद्र ठाकुर और मीडिया प्रभारी कुंदन कुमार, निशांत मिश्रा मौजूद थे।

उपमुख्यमंत्री बोलें- चुनाव के समय देशाटन करने से जमीनी हकीकत का पता नहीं

युवाओं की उपलब्धियों का अपमान कर रहे हैं राहुल गांधी : विजय

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि केवल चुनाव के समय में राजनीतिक पर्यटन करने के कारण राहुल गांधी देश की वास्तविकताओं से कट गए हैं। उनको हमारे नौजवान साथियों की ऊर्जा, उपलब्धि और संभावनाओं का पता ही नहीं है। इसीलिए वो देश के युवाओं को अपमानित करते हुए कह रहे हैं कि वे कुछ नहीं कर रहे, सारा दिन फेसबुक, इंस्टाग्राम पर बर्बाद कर रहे। उनको पता होना चाहिए कि मोदी जी के नेतृत्व में देश में जो डिजिटल क्रांति आई है, उसका सबसे ज्यादा लाभ हमारे नौजवान साथियों को मिला है। जिसके जरिए हमारे युवा साथी पढ़ाई भी कर रहे हैं और कमाई भी। इंटरनेट के सदुपयोग से वे रोजगार भी पा रहे हैं और दूसरों को रोजगार दे भी रहे हैं। राहुल गांधी को पता होना चाहिए कि आज भारत दुनिया के तीसरे सबसे बड़े स्टार्टअप इकोसिस्टम के रूप में स्थापित हो चुका है। प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना से लाभान्वित होकर 14 करोड़ से अधिक कौशल युक्त युवा देश की अर्थव्यवस्था को गति देने में जुटे हैं। राहुल गांधी को पता होना चाहिए कि मोदी जी की सरकार ने 27 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा निवेश के साथ मुद्रा योजना के तहत 46 करोड़ से अधिक ऋण मुहैया करा कर रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर प्रदान किए हैं। आईआईटी, आईआईएम, एम्स, मेडिकल कॉलेज, विश्वविद्यालयों सहित करीब 750 नए उच्च शिक्षण संस्थान मोदी जी के कार्यकाल में खुले हैं। जिनसे निकलने वाले हमारे उच्च शिक्षित युवा हमारे विकसित भारत के संकल्प को साकार करेंगे। श्री सिन्हा ने कहा कि राहुल जी के साथ बिहार के एक परिवारवादी जमींदार के भी युवराज मंच पर मौजूद थे। वे उनसे क्यों नहीं पूछते की बिहार के उपमुख्यमंत्री रहते हुए जब वे 5-5 विभागों की कमान थामे थे तब अपने विभागों में कितने युवाओं को नौकरी और रोजगार दिलाया? राहुल गांधी को यह याद रखना चाहिए था कि जब बिहार में लालू प्रसाद की सरकार थी तब बिहार के युवाओं के पास दो ही विकल्प थे या तो राज्य में रहकर गोली खाने को मजबूर थे या रोजगार के लिए अन्य राज्यों में रोजगार के लिए गाली खाने को विवश थे। तब कांग्रेस पार्टी ने भ्रष्टाचार में डूबी उस सरकार का समर्थन किया था। श्री सिन्हा ने कहा कि जब बिहार में कांग्रेस और राजद की सरकार थी उस जमाने में जब युवा राज्य में बेहतर शिक्षा व्यवस्था की मांग करते थे तो उनका मजाक बनाते हुए ये लोग चरवाहा विद्यालय खोल रहे थे। जब हमारे नौजवान नौकरी मांगते थे तो ये लोग उसके बदले पैसे और जमीन का सौदा करते थे। श्री सिन्हा ने कहा कि राहुल और तेजस्वी गरीबों की बात करके घड़ियाली आंसू बहा रहे हैं। इनके परिवार के पुरखों के गोरखधंधे के कारण ही अब तक देश में गरीबी बची है। मोदी जी की सरकार ने पिछले 10 वर्षों में 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाल कर और 80 करोड़ लोगों को खाद्य सुरक्षा दिला कर दिखा दिया है कि अगर उनकी तरह इन परिवारवादी जमींदारों नीति और नियत साफ होती तो आज देश में गरीब और गरीबी का नामोनिशान नहीं होता। श्री सिन्हा ने कहा कि देश की चारों जातियां गरीब, युवा, किसान और महिला आज मोदी जी की गारंटी के साथ पूरी तरह से खड़ी है। उनपर अपना चुनाव क्षेत्र छोड़ कर सुरक्षित क्षेत्र तलाशने वाले राहुल गांधी और दूसरों की उपलब्धियों को अपने नाम गिनाने वाले तेजस्वी यादव जैसे मौसमी नेताओं के बेतुके वादों का कोई असर नहीं होने वाला है।

संक्षिप्त खबरें

दुर्घटना में एक की मौत

भगवानपुर। हाजीपुर मुजफ्फरपुर राष्ट्रीय राजमार्ग 22पर बिथौली धाम गाव के निकट अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक 55वर्षीय व्यक्ति की घटना स्थल पर दर्दनाक मौत हो गई।मृतक की पहचान मुजफ्फरपुर जिला के मनियारी गांव निवासी देवी पासवान के 55वर्षीय पुत्र विश्वनाथ पासवान के रूप में की गई है।स्थानीय लोगो की सूचना पर शव को भगवानपुर थाना पोस्टमार्टम के लिए हाजीपुर सदर अस्पताल भेज दिया है जहा से पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

आज अधिकतम तापमान पहुंचा 40 डिग्री पार

मुजफ्फरपुर। भीषण गर्मी का कहर जारी है।आज अधिकतम तापमान सामान्य से 4.1डिग्री बढ़ कर 40डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया जो इस महीने अबतक का सर्वाधिक रहा। जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केंद्र डॉ० राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय से मिली जानकारी के अनुसार आज का अधिकतम तापमान 40.0 एवं न्यूनतम तापमान 20.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो सामान्य से 1.2 डिग्री सेल्सियस नीचे है। सुबह मेंसापेक्ष आर्द्रता 97 प्रतिशत और दोपहर बाद 29 प्रतिशत ,वाष्पोतसर्जन : 5.1 मि० मी० एवं पछिया हवा की गति : 10.8 कि०मी० प्रति घंटा रही।

सनकी बाप ने नृशंसता पूर्वक ले ली अपने बेटे की जान

मुजफ्फरपुर। जिले- के मोतीपुर थाना क्षेत्र के एक गांव में से एक सनकी पिता ने अपने दो बच्चों पर चाकू से हमला कर दिया.। इस नृशंस हमले में एक बच्चे की मौत हो गई और दूसरा घायल अवस्था में अस्पताल में जीवन -मौत के बीच झूल रहा है ।घटना मोतीपुर थाना क्षेत्कर के पाना छपरा गांव की है।. घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है .। घायल बच्चे को इलाज के लिए एसकेएमसीएच में भर्ती कराया गया है.। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर ग्रामीणों की भीड़ लग गई।. मामले की जानकारी स्थानीय लोगों ने मोतीपुर थाने की पुलिस को दी. सूचना पाकर पहुंची मोतीपुर थाना की पुलिस ने घटनास्थल की जांच की और मौके पर एफएसएल की टीम को बुलाया गया है .।पुलिस मामले की जांच कर आगे की कारवाई में जुटी हुई है। आरोपी पिता के गिरफ्तारी के लिए पुलिस द्वारा लगातार छापेमारी की जा रही है।

संदिग्ध परिस्थिति में युवक की मौत

कल्याणपुर, समस्तीपुर। कल्याणपुर थाना क्षेत्र के धुरुवगामा गांव में शनिवार की सुबह संदिग्ध परिस्थिति में एक युवक की मौत हो गयी। वहीं मृतक युवक की पहचान धुरुवगामा गांव के ही गनौरी ठाकुर के 22 वर्षीय पुत्र मनीष ठाकुर के रूप में हुई है। लोगों का बताना है कि मनीष ठाकुर भोज खाकर देर शाम अपने घर आया। घर आने के बाद अपने घर में जाकर सो गया। शनिवार की सुबह जब मां उसे जगाने गई तो बिछावन पर संदिग्ध परिस्थिति में युवक पड़ा हुआ था । जब लोगों ने उसे दिखा तो उसका शरीर पीला दिखाई दे रहा था। हालांकि इस मामले में पुलिस घटना की जानकारी से इनकार कर रही है।

जलवायु परिवर्तन के दौड़ में प्राकृतिक खेती काफी महत्वपूर्ण : राज्यपाल

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर ।डॉ.राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विवि में शनिवार को बदलते जलवायु परिदृश्य में प्राकृतिक खेती और उसके महत्व पर दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर ने कहा कि प्राकृतिक खेती पर दो दिनों तक चलने वाले इस विमर्श में निश्चित ही ठोस निर्णय निकल कर आयेगा। जिससे किसानों को फायदा होगा। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन के दौर में प्राकृतिक खेती काफी महत्वपूर्ण है। हमारी संस्कृति में प्राकृतिक खेती के विचार और पद्वति पहले से मौजूद है। जिसे लोगों ने भूला दिया। उन्होंने कहा कि वृक्ष के बेहतर स्वास्थ्य के लिए हमारे यहां वृक्ष आयुर्वेद की पद्वति भी है। जिसकी जानकारी आमलोगों को नही है। जिसे घर-घर तक पहुंचाना चाहिए। एवं छोटे-छोटे बच्चे के स्कूलो में भी वृक्ष आयुर्वेद और प्राकृतिक खेती के विषय में बताना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश के पास विश्व गुरू बनने की सभी शक्तियां है। हम सब को मिलकर उस ओर कार्य करने की जरूरत है। उन्होंने कुलपति डॉ.पाण्डेय का धन्यवाद दिया और कहा कि इस तरह की कार्यशाला समय समय पर होते रहना चाहिए। जिससे कृषि के भविष्य को बेहतर दिशा दी जा सके। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती लाभकारी है और इसके आर्थिकी पर भी चर्चा होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारतीय चिंतन पद्धति में वामन वृक्ष या बोनसाई की भी चर्चा है। उन्होंने कहा कि हमें स्व संस्कृति, स्व विचार और स्व पद्धति से जुड़ना चाहिए। जिसे हम लोगों ने पिछले कुछ वर्षो में भूला दिया है। कुलपति डॉ. पीएस पाण्डेय ने कहा कि भारत ऋषि और कृषि का देश है। उन्होंने कहा कि कृषि धन और ज्ञान प्रदान करती है। पंचमहाभूत, मृदा, जल, अग्नि, आकाश और हवा इन्हीं पर कृषि की पारिस्थितिकि निर्भर करती है। प्राकृतिक खेती इन सभी महाभूतो के समन्वय और कृषि के पुरातन विचार से प्रेरित है। उन्होंने कहा कि विवि ने प्राकृतिक खेती पर बीएससी(आनर्स) नेचुरल फार्मिंग पर कोर्स शुरू किया है। जिसका माननीय राज्यपाल के कर कमलो से औपचारिक शुरूआत हो रही है। उन्होंने पूसा के इतिहास के संबंध में भी विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि पूसा का संबंध वेदकालीन पुषण देवता से है। जो पोषण, कृषि और पशुओं के देवता माने जाते हैं। इस अवसर पर प्राकृतिक खेती से संबंधित पुस्तका का विमोचन किया। भारतीय किसान संघ के संगठन मंत्री दिनेश दत्तात्रेय कुलकर्णी ने कहा कि प्रकृति के रहस्यो को समझते हुए खेती करने की आवश्यकता है। जलवायु परिवर्तन के दौर में प्राकृतिक खेती सबसे उपयुक्त है। यह सनातन नियमो पर आधारित है। केन्द्रीय कृषि विवि झांसी के कुलपति डॉ. अशोक कुमार सिंह ने कहा कि कृषि रसायनो के प्रयोग से मानव स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है। साथ ही मिट्टी की गुणवत्ता कम हो रही है। इसलिए हमें प्राकृतिक खेती की ओर से मुड़ने की आवश्यकता है। वाईएस परमार विवि, सोलन हिमाचल प्रदेश के कुलपति डॉ.राजेश्वर सिंह चंदेल ने कहा कि देश की 33 प्रतिशत भूमि रसायनिक खादों के कारण बंजर होने की स्थिति में है। मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। हमारे पुराने बीज लुप्त प्राय हो गये। ऐसे में प्राकृतिक खेती और देशी गाय पर किसानों को ध्यान देने की आवश्यकता है। हमारे आसपास कीटनाशक पौधे मौजूद हैं। जिन्हें गाय व अन्य जानवर नहीं खाते हैं। उन्हीं का सत्व बनाकर छिड़काव करने से कीटनाशक का कार्य करता है। धन्यवाद डीन डॉ.मयंक राय ने किया।

इससे पूर्व राज्यपाल ने विवि के संविधान पार्क का उद्घाटन किया। साथ ही लीची मधू के छोटे शैशे पैकेट का लोकार्पण किया। यह पैकेट 10 रुपये के मूल्य पर विवि में उपलब्ध है।

बसंता जहानाबाद घाट पर डूबे किशोर का शव तीसरे दिन नारायणी नदी से बरामद

प्रात : किरण संवाददाता

लालगंज। लालगंज बसंता जहानाबाद घाट पर डूबे किशोर का शव आज तीसरे दिन हरौली दियारा क्षेत्र में नारायणी नदी से बरामद किया गया। जिसके बाद शव की पहचान लालगंज के होने की आशंका पर एसडीआरएफ की टीम बसंता जहानाबाद घाट पर लेकर आई। जहां लालगंज अंचलाधिकारी स्मृति साहनी और स्थानीय लोगों की मदद से उसकी पहचान वैशाली थाना क्षेत्र के मदरना निवासी गरीबनाथ साह के 12 वर्षीय पुत्र आर्यन कुमार के रूप में हुई। मामले में बताया गया कि करीब तीन दिन पहले आर्यन अपने परिजनों के साथ लालगंज बसंता जहानाबाद घाट पर एक दाह संस्कार में शामिल होने आया था। इस दौरान वह नदी में स्नान कर रहा था। तभी वह अचानक गहरे पानी में चला गया और डूब गया। देखते ही देखते वह लोगों की आंखों से ओझल हो गया। हालांकि इस बीच मौके पर मौजूद लोगों ने खोजबीन भी की मगर कुछ पता नहीं चल सका। सूचना मिलने पर लालगंज सीओ स्मृति साहनी ने एसडीआरएफ की मदद से नदी में खोजबीन करवाई बावजूद कुछ भी पता नहीं चल सका। इस बीच आर्यन के घर वाले काफी परेशान रहे। जिसे देख सीओ ने एसडीआरएफ की मदद से लगातार तलाश जारी रखीं और अंततः तीसरे दिन हरौली क्षेत्र में नदी में उपलता हुआ शव मिला जिसे लालगंज लाया गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए हाजीपुर भेज दिया। सीओ ने बताया कि आपदा मद से जो लाभ पीड़ित पक्ष को मिलना चाहिए वो लाभ हर संभव मृतक के परिजन को दिया जाएगा।

महेश वारा पंचायत में भव्य कलश शोभा यात्रा निकाला गया

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी खजौली महेशवारा पंचायत के वार्ड 10 गांव बगौल में शनिवार को श्री श्री 108 श्री हनुमान मंदिर समाज समिति के द्वारा नव निर्माण हनुमान मंदिर में हनुमान जी शंकर जी पार्वती कार्तिक नंदी भगवान की मूर्ति स्थापना को लेकर मंदिर के पुजारी राजेंद्र प्रसाद सिंह के नेतृत्व में 551 कन्याएँ के साथ भव्य कलश शोभा यात्रा निकाली गयी. इस भव्य कलश शोभा यात्रा का उद्घाटन भाजपा नेता समाजसेवी व स्वर्ण व्यावसायिक अमरनाथ प्रसाद ने फिता काटकर विधिवत कलश को रवाना किया गया.कलश शोभा यात्रा मंदिर परिसर से गाजे बाजे के साथ सभी कलश यात्री अपने माथे पर कलश धारण करके जय हनुमाम, जय श्रीराम का नारे लगाते हुए सभी कलश यात्री धत्ताटोल महाराजपुर एव भुल्ला चौक महाराजपुर चौक होते हुए चंद्रडीह कमला नदी पहुँच कर सभी कलश यात्री कन्याएँ पवित्र कमला नदी की जल बोझकर पुन वापस हनुमान मंदिर पर लाया गया.वही विद्वान पंडित घनानंद झा द्वारा पुजारी राजेन्द्र प्रसाद सिंह को वैदिक मंत्र उच्चारण करके सभी कलश को स्थापना कराया गया.इस दौरान समाजसेवी व स्वर्ण व्यावसायिक अमरनाथ प्रसाद ने कहा कि सनातन धर्म को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हिंदू समुदाय के लोगो को भगवान के प्रति बड़ी आस्था बनी है.उन्होंने कहा कि सभी हिन्दू जाती भगवान राम हनुमान शंकर पार्वती जी सहित अन्य देवी देवता पर विश्वास दिनों दिन बढ़ कर तेज रफ्तार में हिन्दू समाज को सनातन की ओर खींच रहा है.उन्होंने ने कहा कि सभी हिन्दू अपने सनातन धर्म को नही भूलना चाहिए. वही हनुमान मंदिर समाज समिति के अध्यक्ष संजय कुमार सिंह एव कोषाध्यक्ष संजीव कुमार सिंह ने कहा कि 21 अप्रैल को नव निर्माण मंदिर में मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा किया जाएगा. साथ ही प्राण प्रतिष्ठा के बाद मंदिर परिसर में 24 घंटे का अष्टजाम का आयोजन किया जाएगा. वही मंदिर परिसर में सुंदर कांड सहित बाल भंडारा का आयोजन किया जाएगा. इस कलश शोभा यात्रा के मौके पर राजनगर प्रखंड़ क्षेत्र के वीरेंद्र कुमार,सिंघेश्वर चौधरी,जगरनाथ यादव, चंद्रडीह पंचायत के उप मुखिया सुबोध कुमार श्रीवास्तव, नव निर्माण हनुमान मंदिर समिति के अध्यक्ष संजय कुमार सिंह,सचिव धनिक लाल सिंह, कोषाध्यक्ष संजीव कुमार सिंह,जीवछ महतो,रामाशीष महतो, दिनेश महतो, श्याम कुमार राय,वार्ड सदस्य परेश राय, सूरत राय सहित समस्त बगौल महाराजपुर धत्ताटोल के ग्रामीण लोग कलश यात्रा में शामिल थे.

जिले में दाखिल खारिज के 35हजार से अधिक मामलों का हुआ निष्पादन

प्रात : किरण संवाददाता

जिलाधिकारी सुब्रत कुमार सेन के कुशल निर्देशन में मुजफ्फरपुर जिला में फरवरी से अबतक म्यूटेशन के 35हजार 253मामलों का निष्पादन किया गया है। जिलाधिकारी द्वारा जनहित एवं विकास के कार्यो में अभिरूचि लेते हुए जनता की समस्याओं के निवारण के लिए फरवरी माह से ही लगातार क्षेत्र भ्रमण कर लोगों का फीड बैक प्राप्त किया गया तथा क्षेत्रीय पदाधिकारियों के साथ लगातार गहन समीक्षा बैठक करते हुए उनके कार्यो की प्रभावी मॉनिटरिंग की गयी, जिसके परिणामस्वरूप फरवरी माह से अब तक म्यूटेशन के 35253 मामलों अर्थात 164.53 प्रतिशत का निष्पादन हुआ। साथ ही मार्च माह में 186.33 प्रतिशत म्यूटेशन के मामलों का निष्पादन किया गया। इसके लिए जिलाधिकारी ने नव नियुक्त अंचलाधिकारियों को समुचित ब्रीफिंग कर म्यूटेशन के मामलों के निष्पादनार्थ विभागीय प्रावधानों एवं नियमों से उन्हें अवगत कराया गया। जिला में अब तक कुल 92.62 प्रतिशत म्यूटेशन के मामलों का निष्पादन किया गया है, जो अत्यंत ही महत्वपूर्ण एवं उल्लेखनीय है। कुल निष्पादन में उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रखण्डों में मुरौल 98.11 प्रतिशत, सकरा 95.99 प्रतिशत, सरैया 95.01 प्रतिशत, औराई 94.34 प्रतिशत एवं मोतीपुर 94.19 प्रतिशत मामले का निष्पादन किया गया है। जिलाधिकारी ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अंचलाधिकारियों के कार्यो को सराहनीय बताते हुए अन्य अंचलाधिकारियों को अनुकरण करने की सलाह दी है। जिलाधिकारी ने म्यूटेशन के मामलों के शत-प्रतिशत निष्पादन करने हेतु दोनों अनुमंडल के एस.डी.ओ. एवं डी.सी.एल.आर. को अपने क्षेत्राधीन अंचलों में साप्ताहिक भ्रमण करने तथा अंचलाधिकारी के साथ समीक्षा बैठक कर अभियान के रूप में कार्य में तेजी लाने का सख्त निर्देश दिया है। साथ ही अपर समाहर्ता, राजस्व को भी अपने स्तर से न्यून प्रदर्शन करने वाले अंचलों के कार्यों की सतत एवं प्रभावी मॉनिटरिंग कर प्राथमिकता के आधार पर प्रगति लाने का निर्देश दिया है।

पूरे भक्ति भाव से कराया गया ब्रह्म बाबा के मूर्ती का प्राण प्रतिष्ठा

प्रात : किरण संवाददाता

महुआ महुआ नगर परिषद क्षेत्र के देसरी रोड स्थित ब्रह्मस्थान के पास शनिवार को मुन्ना चौधरी एवम स्थानीय लोगों के सहयोग से ब्रह्म बाबा मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया।इस मौके पर उपस्थित आचार्य के द्वारा पूरे धार्मिक विधि विधान एवं धार्मिक मंत्रोच्चार के साथ ब्रह्म बाबा की मूर्ति का प्राण प्रतिष्ठा कराया गया। इस मौके पर पूरा वातावरण भक्तिमय बना हुआ था।सभी श्रद्धालु पूरे भक्ति भाव से इस प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव को सफल बनाने में लगे हुए थे।इस ब्रह्म बाबा मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा के प्रमुख यजमान मुन्ना चौधरी के द्वारा प्राण प्रतिष्ठा करवाया गया। वहीं इस मूर्ति के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के बाद प्रसाद वितरण सह भंडारा का भी आयोजन किया गया। जिसमें स्थानीय लोगों के साथ-साथ उस रास्ते से गुजरने वाले अनेकों श्रद्धालुओं ने भी इस महा भंडारे की प्रसाद का ग्रहण किया। इस मौके पर,टूना चौधरी , मुन्ना चौधरी ,मंटू चौधरी,मोहन सिंह, मुकेश ठाकुर,सीता राम महतो, किशन सिंह,विकाश,श्री राम चौधरी सिंह ,मोहन सिंह,अखिलेस चौधरी,रामआधार ठाकुर,अमित कुमार संजीव कुमार सूरज कुमार, राजकमल जायसवाल ,प्रेम गुप्ता आदी के साथ साथ अनेकों लोग उपस्थित थे।

राजदूत के लापता भाई को ढूंढ़ निकाला मानवाधिकार अधिवक्ता एसके झा

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। बेलारूस में भारत के राजदूत आलोक रंजन झा के अपने खास चचेरे भाई रवि कुमार झा की सुरक्षित तथा सकुशल बरामदगी हो चुकी है। रवि कुमार झा तमिलनाडु के रानीपेट जिले के अरक्कोनम नामक स्थान से सकुशल बरामद किए जा चुके है। विदित हो कि रवि कुमार झा 05 मार्च 2024 से ही चेन्नई के पेरियामेट थाना क्षेत्र से गायब थे। इस सम्बन्ध में पेरियामेट थाना में मैन मिसिंग का प्राथमिकी दर्ज किया गया था। उसके बाद चेन्नई पुलिस अपने स्तर से जाँच में जुट गई। शुरूआत के एक सप्ताह तक चेन्नई पुलिस द्वारा काफी अच्छी तरह से जाँच किया गया। लेकिन उसके बाद पुलिस की जाँच से अधिवक्ता असंतुष्ट हो गये। उसके बाद उन्होंने मानवाधिकार के क्षेत्र में कार्य कर रहे कार्यकताओं की पूरी फौज लगा दी। मानवाधिकार अधिवक्ता एस. के. झा के सकुशल नेतृत्व में मानवाधिकार के क्षेत्र में कार्य कर रहे करीब 200 से अधिक मानवाधिकार कार्यकत्ताओं की पूरी टीम तमिलनाडु, आँध्रप्रदेश, केरल, तेलंगाना और कर्नाटक के विभिन्न जगहो पर पड़ताल शुरू कर दिया। इसी क्रम में उन्हें जानकारी मिली कि तमिलनाडु के रानीपेट जिले के अरक्कोनम नामक स्थान पर रवि कुमार झा हैं। तत्पश्चात चेन्नई पुलिस अपने स्तर से कागजी प्रक्रिया शुरू कर दी हैं। कागजी प्रक्रिया पूरी होते ही रवि कुमार अपने परिजनों के बीच होंगे। मानवाधिकार अधिवक्ता एस. के. झा ने बताया कि लापता रवि कुमार झा की सुरक्षित एवं सकुशल बरामदगी कर पाना काफी चुनौतिपूर्ण कार्य था। लेकिन मुझे ईश्वर पर और मेरे काम पर पूरा भरोसा था, जिसका प्रतिफल है कि मैंने रवि कुमार झा की सकुशल एवं सुरक्षित बरामदगी कर लिया है। कागजी प्रक्रिया पूरी होने के बाद रवि कुमार झा अपने परिजनों के बीच होंगे। रवि कुमार झा के पैतृक गाँव में खुशी की लहर है। उनके परिजनों एवं ग्रामीणों ने मानवाधिकार अधिवक्ता एस. के. झा को इस सफलता पर साधुवाद दिया है।

भीषण गर्मी शुरू होते ही पानी का लेवल गिरा ,सूखने के कगार पर पहुंचे चापाकल

पेयजल समस्या से निजात के लिए उठाए जाएंगे ठोस कदम, लोगों की सहूलियत का रखा जाएगा ध्यान

- पानी का लेवल 20 से 50 फीट तक चला गया नीचे

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी जिला के सीमावर्ती क्षेत्र जयनगर मे भीषण गर्मी में पानी का लेयर नीचे जाते ही शहर के आधे से अधिक वाडों में जल संकट शुरू हो गया है वहीं पांच बावजूद अधिकांश वार्ड के मोहल्ले में जल नल योजना का फायदा लोगों को नहीं मिल पा रहा है, जगह-जगह जल नल योजना के पाइप फूट जाने के कारण सड़क पर पानी बह रही है। एव अधिकांश घरों में ठीक ढंग से पानी नहीं जा पा रहा है। खासकर वार्ड सात में जल नल योजना के पानी टंकी का निर्माण न होने के कारण पानी की समस्या उत्पन हो गई है। जिस कारण विभाग के द्वारा डायरेक्ट मोटर से पानी सप्लाई करने के कारण पाइप के माध्यम से गंदा पानी आम लोगों को मिल रहा है। वहीं गर्मी बढ़ने के कारण शहरी क्षेत्र में चापाकल का लेयर नीचे गिर जाने के कारण पानी थोड़ा थोड़ा आने के कारण शहर की आधी आबादी प्रभावित होने लगी है खासकर वार्ड 1,2, 6,7, 9,14 लगातार लोगों के घर में लगे चापाकल का पानी का लेवल नीचे जाना शुरू हो गया है। अभी पानी का लेवल करीब 20 से 50 फीट तक नीचे चला गया है। वहीं कई चापाकल सूखने लगे जहां कहीं पानी आ रहा है, वहां बूंद-बूंद कर पानी दिन में टपकता है। पानी के स्तर नीचे जाने के के कारण मोटर भी फेल हो रहे हैं। सिर्फ रात में ही पानी का मोटर चलता है। जिस कारण आम लोगों को रात में जग जग कर

मोटर चलाना पड़ रहा है। जानकारों की माने तो समय पर पानी ना होना भीषण गर्मी पडना जलवायु संरक्षण जल संरक्षण का ना होना प्रकृति से छेड़छाड़ सहित उन कारणों से जल स्तर का नीचे जाना स्वभाविक है। दूसरी ओर व्यापारी सहित अधिकांश लोग डीप बोरिंग करवा कर अपना स्वार्थ पूरा कर रहे है। सरकार द्वारा नल जल योजना का काम अधूरा एवं वाडों में सुचारू रूप से नहीं चलना पीने के पानी सहित जरूरतमंद कार्यों में के लोगों को दिक्कत का सामना करना पड़ता है। सीमावर्ती क्षेत्र होने के कारण लगभग बाहर से आए यात्रियों को पानी के लिए कोई विशेष व्यवस्था न करने के कारण लोगों को बोतल बंद पानी खरीद कर अपनी प्यास बुझानी पड़ रही है। कार्यपालक पदाधिकारी हिमानी कुमारी ने बताया कि जल नल योजना की समीक्षा कर पीने की पानी की व्यवस्था की जा रही है। वार्ड एक से पांच तक जल नल योजना का पानी का सप्लाई जो छ महीने से बंद था।

चाकू से वार कर पुत्र ने की पिता की हत्या, मां ने पुत्र को किया आरोपित

कल्याणपुर, प्रात : किरण संवाददाता

कल्याणपुर थाना क्षेत्र के चाधरपुर गांव में शुक्रवार के देर शाम जमीनी विवाद को लेकर पुत्र ने पिता को चाकू से हमला कर हत्या कर दिया गया। मृतक की पहचान चाधरपुर गांव निवासी 62 वर्षीय राम आशीष महतो के रूप में हुई है। पुलिस में मृतक के पुत्र को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार युवक की पहचान चाधरपुर गांव निवासी रामाशीष महतो के बड़े पुत्र मुकेश कुमार के रूप में हुई है। वहीं पुलिस ने शव को जप्त कर पोस्टमार्टम के लिए सरदार अस्पताल समस्तीपुर भेज दिया। लोगों से मिली जानकारी के अनुसार मुकेश कुमार गांव के महाजन से समूह के द्वारा लाखों रुपए कर्ज लिए हुए था। महाजन से तगादा अधिक होने पर मुकेश कुमार ने अपने पिता राम आशीष महतो मां को ननिहाल वारिसनगर थाना क्षेत्र के बलाही की जमीन बेचकर महाजन से मुक्त होना चाहता था।वही पिता और मां के द्वारा जमीन बेचने से इनकार करने को लेकर मां और पिता से नोक झोक होने लगा। इसी बीच मुकेश कुमार ने अपने पिता रामाशीष महतो को घर के पीछे ले जाकर चाकू से वार कर गंभीर रूप से जख्मी कर दिया। जिसे मोके पर ही मौत हो गई। मौत की खबर सुनते ही घर के आसपास के लोग जुट गए। ताड़ी के दुकान से आरोपी को पकड़ घर ले आया। ओर आरोपी को पुलिस के हवाले कर दिया। वहीं गारमीणो ने घटना की जानकारी पुलिस को दिया। वहीं पुलिस धटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचकर मुकेश कुमार गिरफ्तार कर लिया। वहीं शनिवार को प्रशिक्षु डीएसपी सह थाना अध्यक्ष नीतीश चंद्र धरिया ओर अपर थानाध्यक्ष चंद्रभूषण कुमार दल बल के साथ मौके पर पहुंचे मामले की ताकत किया। वहीं कल्याणपुर थाना में अपने पुत्र पर हत्या का आरोप लगाते हुए थाना में आवेदन दिया है। वहीं दिए आवेदन में अपने पुत्र मुकेश कुमार कर्ज से मुक्ति लेने के लिए जमीन बेचकर रुपया की मांग कर रहा था। मिरतक के पिता द्वारा जमीन नहीं बेचने पर पुत्र ने अपने पिता को चाकू मार का हत्या कर दिया। वहीं पुलिस ने दिए आवेदन में मामले की जांच कर आगे की कार्रवाई करने की बात कही है।

किसानों से गेंहू अधिप्राप्ति में सहयोग करें जिला सहकारिता पदाधिकारी : जिलाधिकारी

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर ।फसल अवशेष प्रबंधन हेतु जिला टास्क फोर्स के तहत अन्तर्विभागीय समूह की बैठक जिला पदाधिकारी श्री सुब्रत कुमार सेन की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार, मुजफ्फरपुर में की गयी। बैठक में जिलाधिकारी ने खेतों में फसल अवशेष जलाने के कारण होने वाले नुकसान के बारे में किसानों एवं आमजनों को जागरूक करने हेतु व्यापक प्रचार-प्रसार करने की आवश्यकता पर बल दिया। साथ ही जिले में धान अधिप्राप्ति के तहत एक भी लॉट सी.एम.आर. आपूर्ति नहीं करने वाले समितियों की सूची उपलब्ध कराने तथा एक सप्ताह के भीतर जांच कर कानूनी कार्रवाई करने का सख्त निर्देश दिया। उन्होंने लघु सिंचाई के तहत बंद पड़े नलकूपों की मरम्मती कार्य में तेजी लाने तथा सिंचाई की सुचारू व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। खेतों में पराली जलाने से मृदा के सूक्ष्म जीवाणु नष्ट हो जाते है परिणामस्वरूप मिट्टी की उर्वरा शक्ति नष्ट हो जाती है। साथ ही वायु प्रदूषण पैदा होता है, जिसके कारण पर्यावरण एवं मानव स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इसके अतिरिक्त फसल की उत्पादकता में कमी आती है। इस प्रकार मृदा, पर्यावरण एवं स्वास्थ्य के लिए पराली जलाना अत्यंत हानिकारक है। इससे निजात पाने हेतु जिलाधिकारी ने किसानों एवं आम जनों के बीच जन जागरूकता अभियान चलाने तथा लोगों को इसके हानिकारक पहलू से अवगत कराने का निर्देश दिया। उन्होंने किसान सलाहकार एवं कृषि समन्वयक को इस जन जागरूकता अभियान से जोड़ने तथा पंचायत स्तर पर किसानों एवं आम जनों के बीच व्यापक जागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता पर बल दिया। बैठक में जिला सहकारिता पदाधिकारी, मुजफ्फरपुर द्वारा अवगत कराया गया कि अधिप्राप्ति किये गये 75394.550 मे॰ टन के समतुल्य 51740.977 मे॰ टन के विरूद्ध अब तक 36408.514 मे॰ टन चावल की आपूर्ति पैक्स/व्यापार मंडलों द्वारा की गयी है। कुछ मिलों के द्वारा चावल आपूर्ति कम किये जाने के कारण सी.एम.आर. की आपूर्ति का प्रतिशत कम है। उसना चावल आपूर्ति के संबंध में 05 राईस मिल की समीक्षा की गई, जिसमें भीमसेरिया एग्रो प्राईवेट लिमिटेड द्वारा अपने क्षमता से कम सी. एम.आर. की आपूर्ति की गई है। इसके लिए जिला सहकारिता पदाधिकारी, जिला आपूर्ति पदाधिकारी एवं जिला प्रबंधक, बिहार राज्य खाद्य निगम, मुजफ्फरपुर को मामले की संयुक्त रूप से जांच कर प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। जिला सहकारिता पदाधिकारी द्वारा बैठक में बताया गया कि 14 समितियों द्वारा अब तक एक भी लॉट सी.एम.आर. की आपूर्ति नहीं की गई है। उन समितियों को नोटिस निर्गत किया गया है। जिलाधिकारी ने बैठक में निर्देश दिया कि अगर 14 चिन्हित समिति द्वारा अगले एक सप्ताह के अंदर एक लॉट सी.एम.आर. भी आपूर्ति नहीं की जाती है तो वैसे समितियों में धान की जांच कर प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश जिला सहकारिता पदाधिकारी को दिया। वैसे पैक्स/व्यापार मंडल का प्रखण्डवार नाम उनके द्वारा अधिप्राप्त धान की मात्रा के साथ निम्नवत वर्णित हैः-1. बरियारपुर उत्तरी, मोतीपुर-42.65, 2. महिमा गोपीनाथपुर पैक्स, मोतीपुर-170.6, 3. मोहम्मदपुर बदल पैक्स, मुरौल-29.3, 4. पिलखी गजपति पैक्स, मुरौल-85.3, 5. किशुनपुर मोहिनी पैक्स, कुढ़नी-173.2, 6. कुढ़नी पैक्स, कुढ़नी-173.2, 7. पकड़ी पकोही पैक्स, मड़वन- 156.3, 8. बेलाही लच्छी पैक्स, मीनापुर-84.45, 9. पानापुर, मीनापुर-86.6, 10. प्रहलादपुर पैक्स, मुशहरी-84.45, 11. बैजलपुर पैक्स, पारू-42.225, 12. बाजितपुर पैक्स, पारू-84.425, 13. पहाड़पुर मनोरथ, साहेबगंज-20.00 एवं 14. नरगी जीवनाथ पैक्स, सरैया-42.225। साथ ही जिलाधिकारी द्वारा गेहूँ अधिप्राप्ति की भी बैठक में समीक्षा की गई। जिला सहकारिता पदाधिकारी, मुजफ्फरपुर द्वारा बैठक में अवगत कराया गया कि जिला में गेहूँ अधिप्राप्ति हेतु 15607 मे॰ टन लक्ष्य दिया गया है। अब तक 152 समितियों का चयन गेहूँ अधिप्राप्ति हेतु किया गया है। गेहूँ अधिप्राप्ति हेतु 824 किसानों का निबंधन किया गया है। जिले में मात्र गायघाट प्रखण्ड में बरूआरी पैक्स द्वारा 14.00 मे॰ टन गेहूँ की खरीद की गई है। जिलाधिकारी द्वारा जिला सहकारिता पदाधिकारी को निदेश दिया गया कि खरीफ विपणन मौसम 2023-24 में संलग्न समितियों को गेहूँ अधिप्राप्ति करने हेतु चयनित कर किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूँ की खरीद करवाना सुनिश्चित करें। जिला कृषि पदाधिकारी को निदेश दिया गया कि किसानों के निबंधन बढ़ाते हुए जिला सहकारिता पदाधिकारी को गेहूँ अधिप्राप्ति में सहयोग प्रदान करें।

डंडे से प्रहार कर भैंसुर ने की भावज की हत्या

विभूतिपुर, प्रात : किरण संवाददाता

विभूतिपुर थाना क्षेत्र के केराई वार्ड 03 टोला सरपत्ती में आपसी विवाद में शनिवार की सुबह भैंसुर ने डंडा से भावज के सिर पर प्रहार कर हत्या कर दिया।घटना की जानकारी क्षेत्र में आग की तरह फैल गई। देखते ही देखते लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। वहीं आरोपी घटना स्थल से फरार हो गया। मृतिका की पहचान संजीत कुमार मिश्र की पत्नी नूतन देवी 36 वर्ष के रूप में की गई है।घटना के संबंध में बताया जाता है कि दोनों भाइयों के बीच घर को लेकर कई दिनों से विवाद चल रहा था। बताया जाता है कि छोटे भाई ने ससुराल वालों के सहयोग से नया मकान बनाया था। जिसमें बड़ा भाई भी रहना चाहता था। इसको लेकर के दोनों के बीच घरेलू लड़ाई जारी ही था की इसी बीच मृतिका की पुत्री सुप्रिया कुमारी उर्फ रानी कुमारी तीन दिन पहले घर से भागकर कहीं शादी कर ली।इसी बात को लेकर दोनों भाई विनय कुमार मिश्र और संजीत कुमार मिश्र के बीच शनिवार की सुबह विवाद शुरू हुई।विवाद इतना बढ़ा कि दोनों के बीच मारपीट शुरू हो गई।इसी बीच संजीत कुमार मिश्र की पत्नी नूतन बीच बचाव करने आई।तभी विनय कुमार मिश्र ने डंडा से सिर पर प्रहार कर दिया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।वहीं घटना के बाद हत्यारा घटनास्थल से फरार हो गया।इधर घटना की जानकारी विभूतिपुर थाना को दी गई। जानकारी मिलते ही विभूतिपुर थानाध्यक्ष आंनद कुमार कश्यप दल बल के साथ घटनास्थल पर पहुंच कर प्रारंभिक प्रक्रिया के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल समस्तीपुर भेज दिया। बता दें कि मृतिका के एक पुत्र प्रिंस कुमार मिश्र हैं। वहीं इस संबंध में थानाध्यक्ष आंनद कुमार कश्यप ने बताया कि घटना से संबंधित अभी तक कोई आवेदन नहीं मिला है।वैसे सिर पर चोट लगने से मौत होना प्रतीत हो रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा।

गलत नीयत से घर में प्रवेश करने वाले को ग्रामीणों ने दबोचा, किया पुलिस के हवाले

विभूतिपुर, प्रात : किरण संवाददाता

विभूतिपुर थाना क्षेत्र के एक गांव में बीती रात्रि गलत नीयत से घर में प्रवेश करने वाले युवक को ग्रामीणों ने पकड़ लिया। इस बीच बीच- बचाव करने पहुंचे एक व्यक्ति को भी ग्रामीणों ने पकड़ लिया। और इसकी सूचना पुलिस को देते हुए दोनों को पुलिस के हवाले कर दिया। इस संबंध में पीड़िता महिला ने प्राथमिकी दर्ज कराते हुए कहीं की मैं खाना बना रही थी। इसी बीच गांव के ही सुशील राम घर में प्रवेश किया और मोबाइल मांगने लगा। इनकार करने पर गाली देने लगा। उसका नियत जब गलत समझ में आया तो हल्ला किया तो उसने चाकू से मेरे मुंह पर प्रहार कर जख्मी कर दिया। इसी बीच बगल के लोग आए और सुशील कुमार को पकड़ लिया। इसके बाद पंकज कुमार ग्रामीणों को गाली गलौज करने लगा उसे भी ग्रामीणों ने पकड़ कर इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस को ग्रामीणों ने दोनों युवक को सौंप दिया। थाना अध्यक्ष आनंद कुमार कश्यप ने बताया की प्राथमिकी दर्ज कर दोनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

संक्षिप्त खबरें

आज का युग मे भी चौकीदार बैठ रहे है जमीन पर

महनार । दुनिया 21वीं सदी की जवानी में जी रही है और अपना देश महाशक्ति बनने को बेताब है किंतु आज का युग मे भी थाना का चौकीदार हाजरी में जमीन पर बैठने को विवश है और उन्हें अपने हाँथ से हाजरी बनाने का भी अधिकार नही है । महनार थाना में कगभग तीन दर्जन चौकीदार व दफादार है और इन सब का रविवार के दिन थाना पर थानाध्यक्ष के समक्ष परेड, बैठक व हाजरी होती है जिसमे दफादार को बैठने के लिए ब्रेंच मिलता है किंतु चौकीदार या तो जमीन पर ही बैठते है या खड़े रहते है । इन लोगो को ना ही कुर्सी या ब्रेंच पर बैठने का अधिकार है और ना ही इन्हें स्वयं हाजरी बनाने का अधिकार है । थानाध्यक्ष या उनके द्वारा प्राधिकृत अधिकारी ही इनका हाजरी बनाते है और यही कारण है कि इन अधिकारियों का निजी कार्य करने को यह लोग मजबूर हो जाते है एवं इस तरह यह शोषण का शिकार हो रहे है। कई बार इन लोगों के बैठक का वीडियो बनाने का प्रयास किया गया किन्तु पुलिस अधिकारी ने ऐसा करने से रोक दिया हालांकि थाना पर लगे सी सी टी वी की अवलोकन करने से यह बात बिल्कुल स्पष्ट हो जाएगा ।

अबकी बार 400 पार के झूठे नारों के खिलाफ आमजनों की लड़ाई होगी आर पार, अब नहीं ठगे जायेंगे बार-बार : किरण देव यादव

- अलौली गढ़ घाट सहित 11 नदी पर पूल निर्माण का डीपीआर दूसरी बार रद्द कर वापस करने के विरुद्ध फरकियावासी चुनाव-वोट बहिष्कार करने के मूड में, पूल नहीं तो वोट नहीं का नारा होगा बुलंद

प्रात : किरण संवाददाता

अलौली खगड़िया। सामाजिक संगठन फरकिया मिशन देश बचाओ अभियान के संस्थापक अध्यक्ष किरण देव यादव ने कहा कि विगत तीन दशक से फरकिया मिशन अलौली गढ़ घाट पर पुल निर्माण करने के सवाल को लेकर आंदोलनरत हैं। विगत वर्ष इंजीनियरिंग कॉलेज के उद्घाटन के क्रम में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पूल निर्माण करने की घोषणा किए थे किंतु अलौली गढ़ घाट, बलुआही बूढी गंडक घाट, आगर घाट सहित 11 नदी पर 11 पुल निर्माण को लेकर दो दो बार डीपीआर ग्रामीण कार्य प्रमंडल खगड़िया के कार्यपालक अभियंता के द्वारा बिहार सरकार को भेजने के बावजूद डीपीआर को सरकार द्वारा रद्द कर वापस कर दिया गया, जिससे पूल निर्माण की संभावनाएं संशय - खटाई में पड़ गया, अधर में लटक गया।

श्री यादव ने कहा कि उक्त सवाल को लेकर फरकिया वासी बिहार एवं केंद्र सरकार के खिलाफ आक्रोशित हैं एवं पूल नहीं तो वोट नहीं, नारों को बुलंद करते हुए चुनाव-वोट बहिष्कार करने के मूड में है।

श्री यादव ने कहा कि केंद्र सरकार के द्वारा की जा रही जुमलेबाजी, छद्म राष्ट्रवाद एवं झूठी विकसित भारत व हिन्दू राष्ट्र का दिवास्वप्न दिखाने के झांसे में अबकी बार आमजन नहीं आयेंगे। जनता एनडीए गठबंधन को नस-नस पहचान चुकी है। 145 करोड़ आमजनता को अब महंगाई भ्रष्टाचार बेरोजगारी गरीबी निजीकरण बलात्कार धार्मिक उन्माद नफरत धर्मबाद जातिवाद मंदिर मस्जिद राम रहीम से ऊपर उठकर आपसी प्रेम भाईचारा शांति सद्भाव सामाजिक सौहार्द इंद्रधनुषी तहजीब सामाजिक समरसता अमन चैन पसंद सरकार चाहिए। देश में फासीवादी पूंजीवादी मनुवादी जुमलेबाजी पलटू राम की सरकार नहीं चाहिए। अब जनता को मौलिक अधिकार रोटी कपड़ा मकान शिक्षा स्वास्थ्य स्वास्थ्य दवा रोजगार चाहिए। मूलभूत सुविधाएं सड़क पानी बिजली सिंचाई संचार सर्वांगीण विकास चाहिए। जनतांत्रिक एवं संवैधानिक अधिकार चाहिए। देश की एकता अखंडता संप्रभुता लोकतंत्र व संविधान चाहिए। अब आमजनों को फासीवादी पूंजीवादी व्यवस्था नहीं बल्कि समाजवादी व्यवस्था चाहिए। एक नये समाज, समृद्ध सुरक्षित शिक्षित विकसित देश चाहिए।

महुली से चार बच्चों के साथ खरीददारी करने गिद्धौर बाजार आई महिला लापता

प्रात : किरण संवाददाता

गिद्धौर/जमुई। गिद्धौर प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत कोल्हुआ पंचायत के महुली गांव से एक अजीबोगरीब मामला सामने आया है। यहां एक महिला अपने चार बच्चों के साथ लापता हो गई है। उक्त गांव खैरा थाना क्षेत्र में आता है, मामले को लेकर थाना में आवेदन दिया गया है। आवेदक महिला के देवर दीपक कुमार रजक ने पुलिस को बताया है कि 16 अप्रैल को दिन के एक बजे के लगभग मेरे भाई रामजनक रजक की पत्नी मेरी भाभी प्रियंका कुमारी राशन और अन्य घरेलू सामग्री लाने अपने चार बच्चों आकांक्षा, आरव, पीहू और अनूप के साथ गिद्धौर बाजार गई थी। करीब दो घंटे बीत जाने के बाद भी जब वो नहीं आईं तो परिजनों को आशंकाएं होने लगीं। आवेदक ने आगे बताया कि समय बीतते जाने के बाद हमने अपने स्तर से काफी खोजबीन किए। गांव, मुहल्ला, परिवार सहित हर जगह ढूंढ लिए। लेकिन मेरी भाभी और उनके चारों बच्चों का अब तक कोई अता पता नहीं चल सका है। वहीं स्थानीय स्तर पर मिली जानकारी के अनुसार महिला के पति बाहर रहकर कामकाज करता है। महिला ससुरालवलाओं और अपने बच्चों के साथ महुली गांव में ही रहती है। महिला का मायका खैरा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत गंगटी विशनपुर गांव है। परिजनों द्वारा वहां भी महिला और बच्चों को ढूंढा गया है। इधर आवेदन दिए जाने के बाद पुलिस भी अपने स्तर से छानबीन में जुटी है।

8 से 10 बजे तक वर्ग संचालन. 15 मई को विशेष परीक्षा ली जाएगी, डीईओ ने कहा अनुपस्थित शिक्षकों पर होगी कार्रवाई

- मिशन दक्ष के तहत गर्मी छुट्टी में विशेष दक्ष कक्षा का संचालन शुरू, पहले घंटे में कम रही बच्चों की उपस्थिति

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई/गिद्धौर:जिले के सरकारी स्कूलों में मिशन दक्ष के तहत गर्मी छुट्टी में विशेष दक्ष कक्षा का संचालन शुरू किया गया।मालूम हो कि गर्मी छुट्टी में भी मिशन दक्ष अंतर्गत विद्यालय में विशेष दक्ष कक्षा का संचालन किया जा रहा है। इसको लेकर निदेशक प्राथमिक शिक्षा मिथिलेश मिश्रा ने डीईओ को निर्देश जारी कर दिया था। जारी पत्र में कहा गया था कि 15 अप्रैल से लेकर 15 में तक गर्मी छुट्टी के दौरान प्रत्येक के कार्य दिवस को प्रातः 8 बजे से 10 तक विशेष कक्ष संचालित की जाएगी। इस दौरान शिक्षक प्रातः 8 बजे से पूर्व स्कूल पहुंच जाएंगे व बच्चों को मध्यान भोजन करवाने के बाद लौट सकेंगे। शैक्षणिक सत्र कक्षा आठ तक मिशन दक्ष के लिए चिन्हित सभी बच्चों के लिए विशेष दक्ष कक्षा संचालित की जाएगी। साथ ही मार्च 2024 में हुई वार्षिक परीक्षा में कक्षा -5 व 8 में अनुत्तीर्ण छात्रों के लिए विशेष कक्ष बुलाई जाएगी। साथ ही मिशन दक्ष में चिन्हित बच्चों के अतिरिक्त अन्य इच्छुक बच्चे भी विशेष कक्ष में भाग ले सकेंगे।10 बजे के बाद बच्चों को मध्यान भोजन दिया जाएगा।वही स्कूल के प्रधानाध्यापक विशेष कक्षा संचालन के बाद नए बच्चों के नामांकन की कार्यवाही करेंगे व नामांकित बच्चों का विवरण इ शिक्षकोष पर एंट्री करेंगे। इसी को लेकर शनिवार को भास्कर की टीम ने कई स्कूलों का जायजा लिया। वहीं शिक्षकों ने नाम नहीं छापने की छत पर बताया कि विभाग के इस आदेश के कारण घरों में होने वाले शादी व जनेऊ में भी जाने में परेशानी हो रही है।पहले हम लोग गर्मी छुट्टी का इंतजार करते थे लेकिन अब गर्मी छुट्टी का भी फायदा नहीं मिल रहा है। छात्रों के लिए परीक्षा का आयोजन करने का प्रावधान निर्देशक ने जारी आदेश में कहा है कि 1 दिसंबर 2023 से कमजोर छात्रों के लिए मिशन दक्ष प्रारंभ किया गया। इसके तहत कक्षा 3 से 8 तक के वैसे छात्र जो हिंदी,अंग्रेजी एवं गणित के बुनियादी कौशल में बहुत कमजोर है उनको चिन्हित कर विद्यालय के ही शिक्षकों द्वारा प्रत्येक कार्य दिवस को स्कूल में नियमित कक्षा संचालन के बाद छोटे-छोटे समूह में अलग से पढ़ाया जा रहा है।

अच्छे मतदाता ही अच्छी सरकार को चुनते हैं : प्राचार्य

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा(आससे)।दरभंगा सेंट्रल स्कूल, कृष्णा विहार, वासुदेवपुर में आज बच्चों को मतदान प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी गई। इस अवसर पर स्कूल के प्राचार्य ए के कश्यप ने कहा कि प्रजातंत्र के लिए चुनाव एक बहुत बड़ा अवसर माना जाता है। जिसमें वयस्क नागरिक अपने अधिकारों का प्रयोग मतदान देकर करते हैं। यह सभी मतदाता के लिए बहुत बड़ा उत्सव माना जाता है। मतदान देने से हमारे अधिकार का सार्थक प्रयोग होता है। अच्छे मतदाता ही अच्छे सरकार को चुनते हैं। अच्छे सरकार बनने से हमारे देश का विकास होता है । कार्यक्रम के दौरान बच्चों को विभिन्न पदभार देकर मतदान प्रक्रिया को समझाया गया। जिसमें ईवीएम मशीन, अंगूठा पर स्याही का निशान, प्रजाइडिंग ऑफिसर, पालिंग ऑफिसर, पालिंग एजेंट, तथा बच्चों को हाथ में पुर्जा, मतदाता पहचान पत्र, आधार कार्ड के साथ मतदान देने की नसीहत दी गई। इस कार्यक्रम में जिन बच्चों ने पदभार से अपना कार्य दिखाए उसमें- चांदनी झा, साकेत कुमार झा, शिवम कुमार, सचिन कुमार, आराध्या सिंह, सुशांत कुमार, आदर्श कुमार, अविनव कुमार आदि। कार्यक्रम के संचालन में सभी शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मियों की भूमिका रही।

जीविका दीदीयों व स्वीप कोषांग के द्वारा प्रखण्डों में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। जिला निर्वाचन पदाधिकारी राजीव रौशन के आदेश के आलोक में स्वीप गतिविधियों के तहत स्वीप कोषांग द्वारा शत-प्रतिशत मतदान सुनिश्चित कराने को लेकर जिला स्तर से लेकर प्रखण्ड व पंचायत स्तर तक विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।आज सिंहवाड़ा प्रखंड अंतर्गत टेकटैर एवं हरिहरपुर पूर्वी पंचायत में जीविका दीदियों द्वारा मतदाता जागरूकता अभियान अंतर्गत जागरूकता रैली, रंगोली एवं शपथ ग्रहण संकल्प अभियान का आयोजन किया गया। बिरौल प्रखंड अंतर्गत मध्य विद्यालय तरवारा में जीविका दिदियाँ, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, के साथ मतदाता जागरुकता अभियान अंतर्गत जागरूकता रैली, एवं शपथ ग्रहण संकल्प अभियान का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में अनुमंडल पदाधिकारी, अंचलाधिकारी एवं एवं सीडीपीओ उपस्थित थे। कुशेश्वरस्थान प्रखंड अंतर्गत मसानकोन पंचायत में मतदाता जागरूकता अभियान के लिए अनोखा जीविका महिला ग्राम संगठन के जीविका दीदियों द्वारा जागरूकता अभियान के अंतर्गत जागरूकता रैली, रंगोली एवं शपथ ग्रहण संकल्प अभियान का आयोजन किया गया।हनुमाननगर,संबंधित सभी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी,सेविकाओं और महिला पर्यवेक्षिका के द्वारा जगह जगह मतदाता जागरूकता रैली,गृह भ्रमण,रंगोली कार्यक्रम , शपथ ग्रहण,दीवार लेखन, एवं मेंहदी प्रतियोगिता,मतदाता चौपाल,घर-घर दस्तक अभियान भी चलाया।इस अवसर पर दरभंगा जीविका से जिला परियोजना प्रबंधक डॉ.ऋचा गार्गी के द्वारा जीविका दीदियों को दरभंगा मतदान केंद्र नाम से एक मोबाइल एप्प लॉन्च किया है, इसे सभी जीविका दीदियाँ उपयोग कीजिए और अपने आस-पास भी इस एप्प के के बारे में बताया गया। दरभंगा मतदान केंद्र एप्प की खासियत यह है कि इस पर चुनाव से जुड़ी सभी प्रकार की छोटी-बड़ी न सिर्फ जानकारी उपलब्ध है बल्कि चुनाव कार्य में लगे अधिकारी के नाम और कॉन्टेक्ट नंबर भी दिया गया है।एप्प के माध्यम से जीविका दीदियाँ न सिर्फ अपना मतदान केंद्र देख सकते हैं,बल्कि अपने वोटर लिस्ट को भी यहाँ चेक कर सकते हैं।कार्यक्रम में मूल्यांकन एवं अनुश्रवण प्रबन्धक एवं अन्य प्रबंधक उपस्थित थे।

दो पक्षों में हुई मारपीट, जांच में जुटी पुलिस

प्रात : किरण संवाददाता

मधेपुरा नगर परिषद क्षेत्र के भीरखी मोहल्ला वार्ड नंबर 22 मूसहरी टोला नियर पश्चिम रेलवे गुमटी ढाला के पास देर रात्रि हुई मारपीट की घटना में पड़ोसी ने तेज धारदार हथियार से हमला कर अमर कुमार को बुरी तरह से जख्मी कर दिया। वही मौके पर अमर कुमार बेहोश हो गए। परिजन 112 नंबर डायल कर पुलिस को सूचना दी। घटना की जानकारी मिलते ही डायल 112 नंबर पुलिस घटना के सत्यापन के लिए मौके पर पहुंची। गंभीर स्थिति में जख्मी अमर कुमार को मधेपुरा सदर अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया। जहां मौके पर उपस्थित चिकित्सक डॉ. पवन कुमार के द्वारा इलाज किया गया। मरीज के सर में गहरा चोट एवं गंभीर स्थिति को देखते हुए मधेपुरा के जननायक कपूर्री ठाकुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में बेहतर चिकित्सा एवं सिटी स्कैन करने के लिए रेफर कर दिया गया। घटना की जानकारी मिलते ही मधेपुरा सदर थाना के पुलिस पदाधिकारी सदर अस्पताल पहुंचकर जख्मी से बयान लेकर घटना की जांच में जुट गई। वही परिजन सदर अस्पताल से जख्मी अमर कुमार को जननायक कपूर्री ठाकुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया जहां उनकी चिकित्सा चल रही है। खतरे से बाहर बताया गया।

दुष्कर्म के जूर्म में बीस वर्ष की सश्रम कारावास व बीस हजार अर्थदण्ड की सजा

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। दरभंगा जिला के लिए पोक्सो एक्ट के एक मात्र विशेष न्यायाधीश प्रतिमा परिहार की अदालत ने सदर थाना क्षेत्र के एकभिण्डा गांव निवासी संतोष पासवान को एक मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म करने के जूर्म में शुक्रवार को बीस वर्ष की सश्रम कारावास और बीस हजार रुपये अर्थदण्ड की सजा सुनाई है। विशेष लोक अभियोजक विजय कुमार ने बताया कि 28 मार्च 2021 को अभियुक्त ने एक तीन साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म किया। दुष्कर्म पीड़िता की जांच डी एम सी एच में हुई।

पुलिस ने महिला थाना में प्राथमिकी संख्या 34 /21 दर्ज कर आरोपी के बिरुद्ध आरोप पत्र समर्पित किया। तदनुसार कोर्ट ने संज्ञान लिया। आरोप गठन पश्चात अभियोजन पक्ष से 9 साक्षियों की गवाही हुई।

शुक्रवार को अभियोजन पक्ष और वचाव पक्ष की ओर से बहस हुई तथा अदालत ने जूर्मी को भादवि की धारा 376 एबी में 20 साल की कठोर कारावास और 10 हजार रुपये अर्थदण्ड की सजा सुनाई है।

वहीं पॉक्सो ऐक्ट की धारा 6 में 20 साल की कठोर कारावास और 10 हजार रुपये अर्थदण्ड की सजा सुनाई है। वहीं पीड़िता को राहत एवं पुनर्वास के लिए 8 लाख 50 हजार रुपये का प्रतिकर भुगतान करने का आदेश दिया है।

इस राशि की भुगतान जिला विधिक सेवा प्राधिकार दरभंगा द्वारा की जायेगी। जूर्मी को 28 मार्च 2021 को ही पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया और उसके बाद से ही वह काराधीन है।

विभाग की सख्ती-जिले में करीब सैकड़ो निजी स्कूलों में मात्र चुनिदा स्कूलों है रजिस्टर,इसमें भी कई में है खामियां

- प्राइवेट स्कूलों में 25 फीसदी निःशुल्क नामांकन नहीं लिया गया तो रजिस्ट्रेशन होगा रद्द,एक लाख रुपए तक देना पड़ेगा जुमार्ना

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई/गिद्धौर:- शिक्षा विभाग ने जारी किया सरकारी स्कूलों के बाद अब प्राइवेट स्कूलों के संचालन एवं आरटीई के नियमों का शत प्रतिशत पालन करने के लिए कमर कस ली है। जिले में बिना रजिस्ट्रेशन या नियमों की अनदेखी करके चल रहे उन सभी निजी स्कूलों का शटर डाउन करने की तैयारी चल रही है। बिना रजिस्ट्रेशन के स्कूल चलते हुए मिलने पर संचालक पर एक लाख रूपए तक का जुमार्ना लगाया जाएगा।इसके साथ ही आरटीई के तहत कक्षाओं में 25 फीसदी नामांकन गरीब बच्चों को नहीं देने पर भी सख्त कार्रवाई की जाएगी। वैसे निजी स्कूलों पर भी कार्रवाई की गज गिर सकती है जिन्हें मानक पूरा करने के आदेश देने के बाद भी पूरा नहीं किया जा रहा है।जिले में शहर से लेकर ग्रामीण स्तर पर करीब 300 से 400 निजी स्कूलों का संचालन किया जा रहा है। लेकिन शिक्षा विभाग से कुछ चुनिंदा स्कूल ने ही रजिस्ट्रेशन कर रखा है यानी जिले में 100 से 200 प्राइवेट स्कूल बिना रजिस्ट्रेशन बिना क्यूआर कोड के ही अपनी सुविधा के अनुसार चल रहा है। ऐसे निजी स्कूलों पर अधिनियम की धारा-19 (5) के तहत कार्रवाई की तैयारी चल रही है। इन स्कूलों में कइयों ने तो रजिस्ट्रेशन ही नहीं कराया है।और कई ऐसे भी है जिनका रजिस्ट्रेशन शिक्षा विभाग की ओर से रद्द करते हुए बंद करने का आदेश दिया जा चुका है। शिक्षा विभाग ऐसे स्कूलों के संचालकों पर एक लाख रूपए तक का आर्थिक दंड लगाने का दिशा में आगे बढ़ गया है। प्रतिदिन दस हजार रूपए की दर से लगेगा दंड डीपीओ ने सभी प्रखंडों के बीईओं से स्कूलों की सूची मांगी है।आदेश जारी होने के बाद भी यदि संचालक स्कूल बंद नहीं करते हैं तो ऐसे संचालकों से आदेश में छूट की समय सीमा समाप्ति के बाद से प्रतिदिन के हिसाब से दस हजार रूपए दंड स्वरूप वसूलने का आदेश दिया है।प्राथमिक शिक्षा निदेशक ने वीसी के माध्यम से जिला शिक्षा विभाग को शख्स निर्देश दिया है की निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा नियमावली 2011 का पालन किया जाए।प्रत्येक निजी स्कूलों में 25 .फीसदी नामांकन गरीब बच्चों की सुनिश्चित कराया जाए।बिना प्रस्वीकृति क्यूंआर कोड प्राप्त निजी स्कूलों का संचालन पर हर हाल में रोक लगाया जाए। बिना रजिस्ट्रेशन वाले स्कूलों को किया जा रहा है चिन्हित डीपीओ ने कहा कि बिना रजिस्ट्रेशन वाले स्कूलों को चिन्हित किया जा रहा है ऐसे सभी स्कूलों को बंद किया जाएगा।जिन स्कूलों ने रजिस्ट्रेशन के लिए आवेदन किया है उसकी त्वरित भौतिक सत्यापन के साथ रजिस्ट्रेशन क्यूंआर कोड जारी किया जाएगा। शिक्षा का अधिकार कानून के तहत सभी निजी स्कूलों को 25 फीसदी नामांकन गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों के बच्चों को करने को सख्ती से लागू किया जाएगा।आरटीइई कानून का उल्लंघन करने वाले प्राइवेट स्कूलों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। सभी बीईओ को इसकी रिपोर्ट जिला मुख्यालय में जमा करने का आदेश दिया है।

गड्ढे में डूबने ने तीन किशोरों की मौत

प्रात : किरण संवाददाता

मनीगाछी(दरभंगा)। राघोपुर पूर्वी पंचायत के नजरा मोहम्मदा गांव के बाध में जेसीबी से खोदे गए गड्ढे में नहाने गए तीन किशोरों की डूबने से मौत हो गई। घटना शनिवार की सुवह करीब करीब 9.30 बजे की है। तीनों किशोर राघोपुर उत्तरी पंचायत के नारायणपुर गांव के रहने वाले थे। गहरे पानी में डूबकर मरनेवालों में मौलाना अशरफ के दो पुत्र एबादुल्लाह 12 वर्ष एवं सनादुल्लाह 11 वर्ष तथा मो अंजार के 10 वर्षीय पुत्र अलरतीब शामिल हैं। जानकारी अनुसार ये सभी मृतक अपने अन्य कुछ छोटे छोटे बच्चों के साथ सुबह घर से निकले तथा घर से करीब एक किलोमीटर दूर नजरा मोहम्मदा गांव में रेलवे लाईन के निकट अवस्थित तालाब नुमा गढ़ढ़े में नहाने के लिए नीचे उतरे। जेसीबी से खोदे गए इस गढ़ढ़े की गहराई में ये उपलाने लगे तो उसके अन्य साथियों ने जोर जोर से आवाज लगाई।आवाज सुनकर घटनास्थल पर पहुंचे लोगों ने उन्हें गहरे पानी से बाहर निकाला तो सभी बेहोश थे। लोगों ने इसकी सूचना पंचायत के मुखिया को दी। मुखिया रजि आलम एवं अन्य लोगों ने तुरंत आटो रिक्शा से तीनों बच्चे को पी एच सी पहुंचाया। जहां चिकित्सकों के अथक प्रयास के बाद भी उन्हें नहीं बचा पाए। चिकित्सकों ने तीनों बच्चे को मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी पाकर मौके पर पहुंची मनीगाछी की पुलिस ने तीनों लाशों को अपने कब्जे में ले लिया। इस संबंध में थानाध्यक्ष मृत्युंजय कुमार ने बताया कि तीनों किशोरों के शव को पोस्टमार्टम के लिए डी एम सी एच भेज दिया है।

ज्ञात हो खनन विभाग की लापरवाही के कारण गत दो वर्षों में मनीगाछी प्रखंड क्षेत्र में करीब दो दर्जन लोगों की मौत हो चुकी है। गत 2 अप्रैल 2024 को राघोपुर दक्षिणी पंचायत के गोढ़ियारी गाँव के छोटी कुमारी-12वर्ष, 15 अप्रैल 2023 को राघोपुर उत्तरी पंचायत के दहौड़ा गाँव के बिकाऊ दास-55वर्ष, 19 नवम्बर 2023 को जगदीशपुर गाँव के रौशन भंडारी-24 वर्ष, 20 नवम्बर 2023 को उजान सोनपुर गाँव के झामलाल मंडल-55 वर्ष सहित अन्य की मौत डूबने से हो गई है। जानकारी के अनुसार खेतों के मालिक रूपयों की लालच में अवैध रूप से अपने खेतों की मिट्टी जेसीबी मशीन वालों के हाथों बेच देता है। और जेसीबी मशीन वाले उन खेतों से अनाधिकृत रूप से मिट्टी काटकर आमलोगों से पाँच सौ रुपए से लेकर आठ सौ रुपए प्रति ट्रैक्टर की दर से बेचा करते हैं। अवैध रूप से मिट्टी बेचने व काटने से जहाँ सरकार को लाखों रूपयों का चपट लगता है, वहीं खेतों के मालिक एवं जेसीबी मशीन वाले मालामाल हो रहे हैं। इस संबंध में खनन विभाग के जिला निरीक्षक आमिर ने बताया कोई भी जमीन मालिक अगर बिना परमिट के अपने जमीन से मिट्टी खोदवाते हैं तो वो गैर कानूनी होगा। ऐसे व्यक्ति पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि परमिट लेने के उपरांत भी मात्र डेढ़ मीटर तक ही खोदाई कर सकते हैं। नजरा मोहम्दा गाँव में तीन बच्चों के गढ़ढ़े में डूबने से हुई मौत के संबंध में बताया कि नजारा मोहम्दा का कोई भी व्यक्ति अपने जमीन से मिट्टी खोदाई का परमिट नहीं लिया था। इस संबंध में मनीगाछी थानाध्यक्ष से जानकारी ली जा रही है। अगर गैरकानूनी तरीके से मिट्टी की खोदाई की गई होगी पर जमीन मालिक पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।उन्होंने बताया कि सभी थानाध्यक्षों को भी सूचना दी गई है कि अगर उनके क्षेत्र में कहीं मिट्टी खनन होता है तो तुरंत जेसीबी मशीन व ट्रैक्टर को जब्त कर इसकी सूचना उपलब्ध कराएं। ताकि उनपर कानूनी कार्रवाई की जा सकी।

आपदा गर्मी व लू से बचाव को लेकर अधिकारियों को डीएम ने दिए कई निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। जिलाधिकारी राजीव रौशन ने मार्च से मई महीने में घटित होने वाले अग्निकांड आपदा व भीषण गर्मी एवं लू से बचाव हेतु आपदा प्रबंधन विभाग, बिहार पटना द्वारा जारी दिशा-निर्देश का पालन करने हेतु जिले के अधिकारियों को कई आवश्यक निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि जिले में अग्निकांड की सूचना प्राप्त होते ही संबंधित अंचलाधिकारी एवं अनुमण्डल पदाधिकारी स्वयं घटना स्थल पर पहुँचकर राहत एवं बचाव कार्य करवाना सुनिश्चित करेंगे।

साथ ही इसका प्रतिवेदन जिला आपदा प्रबंधन कार्यालय को भेजेंगे। उन्होंने कहा कि पीड़ितों को 24 घंटे के अन्दर अनुमान्य सहायता यथा-पॉलीथिन शीट्स, नगद अनुदान तथा वस्त्र एवं बर्तन के अनुदान उपलब्ध करायेंगे।उन्होंने कहा कि यदि जले व क्षतिग्रस्त मकानों का सर्वेक्षण कर इसका जिओ टैगिंग एवं फोटोग्राफी कराकर संबंधित अनुमण्डल पदाधिकारी से स्वीकृत्योपरांत ससमय गृह क्षति अनुदान देना सुनिश्चित करेंगे।

इसके साथ ही पंचायत स्तर पर मुखिया, जनप्रतिनिधि के साथ बैठक कर अग्निकांड की रोकथाम हेतु भीषण गर्मी एवं लू से बचाव हेतु जागरूकता फैलाना व राज्य द्वारा समय-समय पर जारी हीट वेव बुलेटिन एवं मौसम पूवार्नुमान के आंकड़ों,चेतावनियों को ससमय अपने क्षेत्र के अधिक से अधिक सोशल मीडिया ग्रुप में प्रेषित करना सुनिश्चित करेंगे।नगर आयुक्त, दरभंगा नगर निगम को शहरी क्षेत्रों तथा नगर पंचायतों में सार्वजनिक स्थानों पर प्याऊ की व्यवस्था, आवश्यकतानुसार चापाकलों की मरम्मती, नगरीय क्षेत्र में अवस्थित आश्रय स्थलों में पेयजल तथा स्लम निवासियों हेतु आकस्मिक दवाओं की व्यवस्था के साथ ही गर्म हवाओं एवं लू से बचाव तथा अग्निकांड की घटना के निदान हेतु आम जनता के बीच प्रचार-प्रसार करवाने का निर्देश दिया गया।जिला अधिकारी ने कहा कि गर्मी एवं लू से बचाव के लिए सभी अधिकारी अपने स्तर से आवश्यक कदम उठाना सुनिश्चित करें ,जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता दें।

निर्माण : उप विकास आयुक्त

प्रात : किरण संवाददाता

मधेपुरा समावेशी स्वीप कार्यक्रम के तहत जिले के जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में उप विकास आयुक्त की अध्यक्षता में मेरा पहला वोट, देश के लिए अभियान तथा मतदान एक जिम्मेदारी उम्र 18 की है बारी पहल के तहत छात्र-छात्राओं को मतदाता शपथ दिलाया गया एवं लोकसभा आम निर्वाचन 2024 में प्रथम बार अपने मताधिकार का प्रयोग करने वाले छात्र-छात्राओं को बधाई पत्र दिया गया। कार्यक्रम में उप विकास आयुक्त द्वारा युवा प्रशिक्षु को मतदान देने हेतु प्रेरित किया गया एवं उन्हें आम निर्वाचन 2024 का सारथी बनने हेतु अनुरोध किया गया। उन्होंने 7 मई 2024 को सभी युवाओं को मतदान करने हेतु प्रेरित किया। उप विकास आयुक्त द्वारा जिला पदाधिकारी के आमंत्रण पत्र के बारे में बताया गया और बढ़ चढ़ कर मतदान में हिस्सा लेने हेतु आग्रह किया गया। उनके द्वारा छात्र-छात्राओं से सारथी बनने का अपील करते हुए स्वयं को जागरूक करने के साथ-साथ अपने परिवार एवं आस-पड़ोस को भी मतदान हेतु जागरूक करने का आह्वान किया गया। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त द्वारा छात्र-छात्राओं को लोकतंत्र के महापर्व की महत्ता के बारे में बताया गया एवं छात्र-छात्राओं को देश का नेतृत्व करते हुए मताधिकार के प्रयोग करने पर बल दिया गया। इस क्रम में जिला कल्याण पदाधिकारी एवं जिला शिक्षा पदाधिकारी के द्वारा भी छात्र-छात्राओं का उत्साह वर्धन किया गया। उक्त कार्यक्रम में जिला शिक्षा पदाधिकारी जिला कल्याण पदाधिकारी प्राचार्य एवं व्याख्याता जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, जिला स्वीप आईकॉन सोनी राज, फर्स्ट टाइम वोटर्स एवं संस्थान के युवा प्रशिक्षु उपस्थित हुए। प्राचार्य जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान द्वारा जिला स्तरीय पदाधिकारी एवं उपस्थित सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया गया।

सम्पादकीय

ईवीएम का औचित्य

आम चुनाव, 2024 के लिए मतदान की शुरूआत हो चुकी है। देश के 17 राज्यों और 7 संघशासित क्षेत्रों की 102 लोकसभा सीटों पर प्रथम चरण का मतदान हो चुका है। जनादेश का एक हिस्सा उन ईवीएम में ही दर्ज हो चुका है, जिन पर अधिकतर विपक्षी दल प्रलाप कर रहे हैं। वे दल चुनावी दौड़ में शामिल हैं, उनके सांसद और विधायक चुने जाने हैं, लेकिन वे ईवीएम पर अब भी संदेह कर रहे हैं। कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने यहां तक दावा किया है कि यदि ईवीएम में गड़बड़ी नहीं की गई है, तो भाजपा को 180 से कम सीटें मिलेंगी। यानी विपक्षी गठबंधन इंडिया मुगालते में है कि ईवीएम के जरिए ही जो मतदान होगा, उससे जनादेश उन्हें ही मिलने वाला है। तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, केरल, ओडिशा, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक और पंजाब आदि राज्यों में गैर-भाजपा दलों की आज भी सरकारें हैं, जो ईवीएम के जरिए ही बनी हैं। चुनावी पराजय से पूर्व राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश में भी 2018 में कांग्रेस सत्तारूढ़ हुई थी। तब भी मतदान ईवीएम के जरिए ही हुआ था। एक बार फिर यह मामला सर्वोच्च अदालत के विचाराधीन है। दो न्यायाधीशों की खंडपीठ ने फैसला सुरक्षित रखा है। दरअसल सवाल यह है कि विपक्ष इतना दोगला क्यों है? संवैधानिक व्यवस्थाओं के ही खिलाफ क्यों है? ईवीएम का इस्तेमाल छोड़ कर मतपत्रों वाले मतदान के पाषाणकाल की ओर लौटना क्यों चाहता है? हालांकि बूथ छापने, लूटने और फर्जी मतदान के उस दौर को सर्वोच्च अदालत खारिज कर चुकी है।

ईवीएम की शुरूआत कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार के ही दौरान हुई थी। 2004 के उस दौर से लेकर आज तक करीब 340 करोड़ मतदाता अपने संवैधानिक मताधिकार का इस्तेमाल कर चुके हैं और 4 लोकसभा चुनाव ईवीएम के जरिए सम्पन्न कराए जा चुके हैं। 26 विधानसभा चुनावों और एक लोकसभा चुनाव में वीवीपैट पर्ची का भी इस्तेमाल किया जा चुका है। एक आम चुनाव में 55 लाख से अधिक ईवीएम का इस्तेमाल किया जाता है और करीब 1.5 करोड़ चुनावकर्मी मतदान प्रक्रिया में हिस्सा लेते हैं। सभी एक विशेष पार्टी के पक्षधर हो जाएं या ईवीएम का प्रोग्राम एक ही पार्टी के पक्ष में तय कर दिया जाए और इतने चुनावकर्मी एक साथ भ्रष्ट हो जाएं, यह बिल्कुल भी संभव नहीं है। ईवीएम किसी लैपटॉप, कम्प्यूटर अथवा इंटरनेट नेटवर्क से जुड़ी हुई नहीं है, उसे हैक करना या छेड़छाड़ करना भी संभव नहीं है, अलबत्ता मशीन में तकनीकी खराबी जरूर आ सकती है।

उस स्थिति में ईवीएम बदलने की पारदर्शी व्यवस्था है। चुनाव आयोग ने अदालत में अपना समूचा पक्ष रखा है। वीवीपैट पर्ची और वोटिंग के आपसी मिलान पर भी स्पष्टीकरण दिया है। पर्ची 7 सेकंड के लिए दिखती है। उसके बाद पर्ची मशीन में ही चली जाती है। न्यायिक पीठ को बताया गया कि पर्ची को मतदाता को देना जोखिम का काम है। इससे गोपनीयता भंग हो सकती है और बाहर निकालने पर पर्ची का दुरुपयोग भी किया जा सकता है। याचिकाकर्ता एडीआर ने मतदान और पर्ची की 100 फीसदी क्रॉस चेकिंग की मांग की है। अब चुनाव की निष्पक्षता, ईमानदारी बरकरार रहे, मतदाताओं के जेहन में लेशमात्र भी संदेह नहीं होना चाहिए और आयोग की संवैधानिक स्वायत्तता भी बनी रहे, उस संदर्भ में अदालत को निर्णय देना है। ईवीएम को लेकर अक्सर प्रलाप मचाया जाता रहा है और चुनाव आयोग को भी कटघरे में खड़ा किया जाता रहा है, यह प्रवृत्ति दुराग्रहपूर्ण है। आयोग ने ईवीएम को हैक करने या उसके सिस्टम से छेड़छाड़ करने के मद्देनजर सभी राजनीतिक दलों को आमंत्रित किया था, कुछ दल गए भी, लेकिन कोई भी आपत्ति नहीं उठा सका या गड़बड़ी को साबित नहीं कर सका। अपने पक्ष के विजयी जनादेशों को विपक्ष शानदार हुंकार के साथ स्वीकार भी करता रहा। क्या एक संवैधानिक व्यवस्था ऐसे काम कर सकती है? न्यायिक पीठ के सामने चुनाव आयोग ने खुलासा किया कि 4 करोड़ ईवीएम वोट और वीवीपैट पर्चियों के मिलान कराए गए हैं। बहरहाल अदालती फैसले की प्रतीक्षा है।

सावधानी बरतनी चाहिए

विनीत नारायण

इस बार का चुनाव बिल्कुल फीका है। एक तरफ नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा हिन्दू, मुसलमान, कांग्रेस की नाकामियों को चुनावी मुद्दा बनाए हुए है वहीं चार दशक में बढ़ी सबसे ज्यादा बेरोजगारी, किसान को फसल के उचित दाम न मिलना, बेइंतहा महंगाई और तमाम उन वादों को पूरा न करना, जो मोदी जी ने 2014 व 2019 में किए थे-ऐसे मुद्दे हैं जिन पर भाजपा का नेतृत्व चुनावी सभाओं में कोई बात ही नहीं कर रहा। सबका साथ सबका विकास नारे के बावजूद समाज में जो खाई पैदा हुई है, वो चिंताजनक है। रोचक बात यह है कि 2014 के लोक सभा चुनाव को मोदी जी ने गुजरात मॉडल, भ्रष्टाचारमुक्त शासन और विकास के मुद्दे पर लड़ा था। पता नहीं 2019 में और इस बार क्यों वे इनमें से किसी भी मुद्दे पर बात नहीं कर रहे हैं। इसलिए किसान, मजदूर, करोड़ों बेरोजगार युवाओं, छोटे व्यापारियों यहां तक कि उद्योगपतियों को भी उनके भाषणों में रुचि खत्म हो गई है। उन्हें लगता है कि मोदी जी ने उन्हें वादे के अनुसार कुछ भी नहीं दिया। इसलिए यह विशाल मतदाता वर्ग भाजपा सरकार के विरोध में है। हालांकि अपना विरोध खुल कर प्रकट नहीं कर रहा। हालांकि यह उल्लेख करना भी जरूरी है कि प्रति व्यक्ति हर महीने 5 किलो अनाज मुफ्त देने का मोदी जी का फामूर्ला कारगर रहा है। जिन्हें अनाज मिल रहा है, वे कहते हैं कि इससे पहले कभी किसी सरकार ने उन्हें ऐसा कुछ नहीं दिया। इसलिए वे मोदी जी के समर्थन में हैं। पर इस मुद्दे पर बुद्धिजीवियों और अर्थशास्त्रियों की राय भिन्न है। वे कहते हैं कि अगर मोदी जी ने अपने वादे के अनुसार हर साल 2 करोड़ युवाओं को रोजगार दिया होता तो अब तक 20 करोड़ युवाओं को रोजगार मिल जाता। तब हर युवा अपने परिवार के कम से कम पांच सदस्यों का भरण-पोषण कर लेता। इस तरह भारत के 100 करोड़ लोग सम्मान की जिंदगी जी रहे होते जबकि आज 80 करोड़ लोग 5 किलो राशन के लिए भीख का कटोरा लेकर जी रहे हैं। दूसरी तरफ, वे लोग हैं जो मोदी जी के अंधभक्त हैं, और हर हाल में मोदी सरकार को फिर से लाना चाहते हैं। मोदी जी के 400 पार के नारे से आत्ममुग्ध हैं। मोदी सरकार की सब नाकामियों को वे कांग्रेस शासन के मत्थे मढ़कर पिंड छुड़ा लेते हैं क्योंकि इन प्रश्नों का कोई उत्तर उनके पास नहीं है। अभी बताना असंभव है कि कांटे की टक्कर में ऊंट किस करवट बैठेगा। क्या विपक्षी गठबंधन की सरकार बनेगी या मोदी जी की? सरकार जिसकी भी बने, चुनौतियां दोनों के सामने बड़ी होंगी। मान लें कि भाजपा की सरकार बनती है, तो क्या हिन्दुत्व के ऐजेंडे को इसी आक्रामकता से, बिना सनातन मूल्यों की परवाह किए, बिना सांस्कृतिक परंपराओं का निर्वहन किए सब पर थोपा जाएगा, जैसा पिछले 10 वर्षों में किया गया। इसका मोदी जी को सीमित मात्रा में राजनैतिक लाभ भले ही मिल जाए, लेकिन हिन्दू धर्म और संस्कृति को स्थायी लाभ नहीं मिलेगा। भाजपा और संघ, दोनों ही हिन्दू धर्म के लिए समर्पित होने का दावा करते हैं पर सनातन हिन्दू धर्म के मूल सिद्धांतों से परहेज करते हैं। सैकड़ों वर्षों से हिन्दू धर्म के स्तंभ रहे शंकराचार्य मानते हैं कि जिस तरह का हिन्दुत्व मोदी और योगी राज में पिछले कुछ वर्षों में प्रचारित और प्रसारित किया गया, उससे हिन्दू धर्म का मजाक ही उड़ा है। केवल नारों और जुमलों में ही हिन्दू धर्म का हल्ला मचाया गया। हां, उज्जैन, काशी, अयोध्या, केदारनाथ आदि धर्मस्थलों पर विशाल मन्दिरों के निर्माण से हिन्दू समाज में अपनी पहचान के लिए जागरूकता बढ़ी है। इसके अलावा जमीन पर ठोस कुछ नहीं हुआ, जिससे सनातन परंपरा पल्लवित-पुष्पित होती। इस बात का हम जैसे सनातनधर्मियों को अधिक दुख है क्योंकि हम साम्यवादी विचारों में विश्वास नहीं रखते। हमें लगता है कि भारत की आत्मा सनातन धर्म में बसती है, और सनातन धर्म विशाल हृदय वाला है जिसमें नानक, कबीर, रैदास, महावीर, बुद्ध, तुकाराम, नामदेव सबके लिए गुंजाइश है। वो संघ और भाजपा की तरह संकुचित हृदय नहीं है, इसलिए हजारों साल से पृथ्वी पर जमा हुआ है जबकि दूसरे धर्म और संस्कृतियां अहंकारी नीतियों के कारण कुछ सदियों के बाद धरती के पर्दे पर से गायब हो गए। संघ और भाजपा के राजनैतिक हिन्दू ऐजेंडा से उन सब लोगों का दिल टूटता है, जो हिन्दू धर्म और संस्कृति के लिए समर्पित हैं, ज्ञानी हैं, साधन-संपन्न हैं पर उदारमना भी हैं क्योंकि ऐसे लोग धर्म और संस्कृति की सेवा डंडे के डर से नहीं, बल्कि श्रद्धा-प्रेम से करते हैं। जिस तरह की मानसिक अराजकता पिछले 5 वर्षों में देखने में आई है, उसने भविष्य के लिए बड़ा संकट खड़ा दिया है। अगर ऐसे ही चला तो भारत में दंगे, खून-खराबे और बढ़ेंगे जिससे भारत का विघटन भी हो सकता है। इसलिए संघ और भाजपा को इस विषय में अपना नजरिया क्रांतिकारी रूप में बदलना होगा तभी आगे चलकर भारत अपने धर्म और संस्कृति की ठीक से रक्षा कर पाएगा, अन्यथा नहीं।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को छू सकता है

वहीं, आज भारत का विदेशी मुद्रा भंडार लगभग 65, 000 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गया है एवं यह पूरे एक वर्ष भर के आयात के लिए पर्याप्त है। आज भारत विदेशी मुद्रा भंडार के मामले में चीन, जापान, स्विजरलैंड के बाद विश्व का चौथा सबसे बड़ा देश बन गया है। कोरोना महामारी के बाद भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 7, 100 करोड़ अमेरिकी डॉलर से कम हुआ था, परंतु वर्ष 2022 के बाद से यह अब लगातार उतनी ही तेज गति से आगे भी बढ़ रहा है। और, अब तो यह उम्मीद की जा रही है कि आगे आने वाले समय में यह एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को भी पार कर जाएगा। भारत में वित्तीय एवं बैंकिंग क्षेत्र में लागू किए गए सुधार कार्यक्रमों के बाद से पिछले 33 वर्षों में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार लगातार बढ़ता रहा है। यह वर्ष 2004 में 14, 500 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गया था, वर्ष 2014 में 32, 200 करोड़ अमेरिकी डॉलर एवं वर्ष 2024 में 65, 000 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गया है। भारत के पड़ौसी देशों का विदेशी मुद्रा भंडार बहुत कम है, जैसे बंगलादेश के पास 2, 500 करोड़ अमेरिकी डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार है, नेपाल के पास 1, 800 करोड़ अमेरिकी डॉलर, पाकिस्तान के पास 800 करोड़ अमेरिकी डॉलर एवं श्रीलंका के पास 450 करोड़ अमेरिकी डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार है। अतः भारत समय समय पर अपने पड़ौसी देशों (पाकिस्तान को छोड़कर) की इस संदर्भ में लाइन आफ क्रेडिट उपलब्ध कराकर मदद करता रहता है। हाल ही के समय में भारत के विदेशी मुद्रा भंडार के बढ़ने के कारणों में मुख्य रूप से शामिल हैं, भारत में लगातार बढ़ता प्रत्यक्ष विदेशी निवेश।

प्रहलाद सबनानी
लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।

वर्ष 1991 में भारत के पास केवल 100 करोड़ अमेरिकी डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार बच गया था जो केवल 15 दिनों के आयात के लिए ही पर्याप्त था। वहीं, आज भारत का विदेशी मुद्रा भंडार लगभग 65, 000 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गया है एवं यह पूरे एक वर्ष भर के आयात के लिए पर्याप्त है। आज भारत विदेशी मुद्रा भंडार के मामले में चीन, जापान, स्विजरलैंड के बाद विश्व का चौथा सबसे बड़ा देश बन गया है। कोरोना महामारी के बाद भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 7, 100 करोड़ अमेरिकी डॉलर से कम हुआ था, परंतु वर्ष 2022 के बाद से यह अब लगातार उतनी ही तेज गति से आगे भी बढ़ रहा है। और, अब तो यह उम्मीद की जा रही है कि आगे आने वाले समय में यह एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को भी पार कर जाएगा। भारत में वित्तीय एवं बैंकिंग क्षेत्र में लागू किए गए सुधार कार्यक्रमों के बाद से पिछले 33 वर्षों में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार लगातार बढ़ता रहा है। यह वर्ष 2004 में 14, 500 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गया था, वर्ष 2014 में 32, 200 करोड़ अमेरिकी डॉलर एवं वर्ष 2024 में 65, 000 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गया है। भारत के पड़ौसी देशों का विदेशी मुद्रा भंडार बहुत कम है, जैसे बंगलादेश के पास 2, 500 करोड़ अमेरिकी डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार है, नेपाल के पास 1, 800 करोड़ अमेरिकी डॉलर, पाकिस्तान के पास 800 करोड़ अमेरिकी डॉलर एवं श्रीलंका के पास 450 करोड़ अमेरिकी डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार है। अतः भारत समय समय पर अपने पड़ौसी देशों (पाकिस्तान को छोड़कर) की इस संदर्भ में लाइन आफ क्रेडिट उपलब्ध कराकर मदद करता रहता है।

हाल ही के समय में भारत के विदेशी मुद्रा भंडार के बढ़ने के कारणों में मुख्य रूप से शामिल हैं, भारत में लगातार बढ़ता प्रत्यक्ष विदेशी निवेश। केंद्र सरकार द्वारा चालू किए गए आर्थिक सुधार कार्यक्रमों के चलते भारत में अब व्यापार करना बहुत आसान हुआ है अतः विदेशी बहुराष्ट्रीय कम्पनियां भारत में अपनी विनिर्माण इकाईयां स्थापित कर रही हैं, जिसके लिए वे भारत में भारी मात्रा में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश ला रही हैं। दूसरे, भारतीय मूल के नागरिक जो विदेश में जाकर बस गए हैं अथवा वे वहां पर रोजगार प्राप्त करने के उद्देश्य से गए हैं, वे इन देशों में अपनी बचत की राशि को भारत भेज रहे हैं। यह राशि पूरे विश्व में किसी भी देश में भेजने वाली राशि में सबसे अधिक है। वर्ष 2023-24 में विदेशों में बसे भारतीय मूल के नागरिकों ने 12, 500 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि भारत में भेजी थी। दूसरे स्थान पर मेक्सिको रहा था जहां पर 6, 700 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि भेजी गई थी और तीसरे स्थान पर चीन रहा था, जहां 5, 000 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि भेजी गई थी। कितना बड़ा अंतर है प्रथम एवं द्वितीय स्थान के देशों में। तीसरा, कारण है कि अब भारत से वस्तुओं एवं सेवाओं के निर्यात तेजी से बढ़ रहे हैं जबकि विभिन्न वस्तुओं एवं सेवाओं के आयात कम हो रहे हैं। और, अब तो भारत रक्षा के क्षेत्र में भी हवाई जहाज एवं अन्य रक्षा सामग्री का निर्यात करने लगा है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में रक्षा के क्षेत्र में 21, 083 करोड़ रुपए का निर्यात भारत द्वारा किया गया था, जो वित्तीय वर्ष 2022-23 में निर्यात की गई राशि 15, 920 करोड़ रुपए से 32.5 प्रतिशत अधिक था।

विश्व में अब विभिन्न देश अपने विदेशी मुद्रा भंडार को बढ़ाने के उद्देश्य से अपने के पास स्वर्ण के भंडार भी बढ़ाते जा रहे हैं। आज पूरे विश्व में अमेरिका के पास सबसे अधिक 8133 मेट्रिक टन स्वर्ण के भंडार है, इस संदर्भ में जर्मनी, 3352 मेट्रिक टन स्वर्ण भंडार के साथ, दूसरे स्थान पर एवं इटली 2451 मेट्रिक टन स्वर्ण भंडार के साथ तीसरे स्थान पर है। फ्रान्स (2437 मेट्रिक टन), रूस (2329 मेट्रिक टन), चीन (2245 मेट्रिक टन), स्विजरलैंड (1040 मेट्रिक टन) एवं जापान (846 मेट्रिक टन) के बाद भारत, 812 मेट्रिक टन स्वर्ण भंडार के साथ विश्व में 9वें स्थान पर है। भारत ने हाल ही के समय में अपने स्वर्ण भंडार में वृद्धि करना प्रारम्भ किया है एवं यूनाइटेड अरब अमीरात से 200 मेट्रिक टन स्वर्ण भारतीय रुपए में खरीदा था।

दरअसल किसी भी देश में विदेशी मुद्रा भंडार के अधिक होने के चलते उस देश में विदेशी व्यापार करने का आत्मविश्वास जागता है क्योंकि अन्य देशों से किये गए व्यापार के एवज में विदेशी मुद्रा में भुगतान करने में कोई कठिनाई नहीं होती है। साथ ही, विदेशी निवेशकों में भी विश्वास जागता है कि जिस देश में वे निवेश कर रहे हैं उस देश की अर्थव्यवस्था बहुत मजबूत है और उनका उस देश में विदेशी मुद्रा में निवेश किया गया पैसा सुरक्षित है एवं उन्हें उनका निवेश वापिस मिलने में कोई परेशानी नहीं आएगी। विदेशी मुद्रा भंडार उच्च स्तर पर होने से कोई भी विदेशी संस्थान ऋण उपलब्ध कराने में नहीं हिचकता है, क्योंकि उसे भरोसा रहता है कि ऋण का पुनर्भुगतान होने में आसानी रहेगी। विदेशी मुद्रा भंडार के उच्च स्तर पर रहने से उस देश की मुद्रा की कीमत को अंतरराष्ट्रीय बाजार में गिरने से बचाया जा सकता है। जैसे भारत में भारतीय रिजर्व बैंक ने कोरोना महामारी के दौरान एवं इसके बाद अमेरिकी डॉलर की तुलना में भारतीय रुपए की कीमत को अंतरराष्ट्रीय बाजार में गिरने से रोकने में सफलता पाई है। जब कभी अंतरराष्ट्रीय बाजार में अमेरिकी डॉलर की तुलना में भारतीय रुपए की कीमत पर दबाव दिखाई दिया है, भारतीय रिजर्व बैंक ने अमेरिकी डॉलर को बाजार में बेचकर रुपए की कीमत को स्थिर बनाये रखा है। इस प्रकार, पिछले लगभग दो वर्षों के दौरान भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा अमेरिकी डॉलर की तुलना में भारतीय रुपए की कीमत को स्थिर बनाए रखा जा सका है।

अब तो भारत लगातार यह भी प्रयास कर रहा है कि जिन देशों से विभिन्न वस्तुओं का आयात भारत द्वारा किया जा रहा हैं उन्हें इसके एवज में अमेरिकी डॉलर के स्थान पर भारतीय रुपए में भुगतान किया जाए। 32 से अधिक देशों ने इस संदर्भ में अपनी स्वीकृति भारत सरकार को दे दी है एवं कई देशों ने तो भारतीय रिजर्व बैंक के साथ अपना नोस्ट्रो खाता भी खुलवा लिया है ताकि उन्हें भारत को निर्यात किए गए सामान की राशि भारतीय रुपए में भुगतान लेने में आसानी हो सके। यदि भारत और अन्य देशों के बीच इस प्रकार की व्यवस्था सफल होती है तो इन देशों में बीच अमेरिकी डॉलर की मांग कम होगी और अमेरिकी डॉलर की तुलना में अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय रुपए की कीमत स्थिर रखने में और भी आसानी होगी, जो कि भारत के विदेशी व्यापार को गति देने में सहायक होगी।

जिस तेज गति से भारत की अर्थव्यवस्था आगे बढ़ रही है, भारत से विभिन्न वस्तुओं एवं सेवाओं के निर्यात बढ़ रहे हैं एवं आयात कम हो रहे हैं, भारत में विदेशी निवेश बढ़ रहे हैं, भारतीय मूल के नागरिकों द्वारा भारत में विदेशी मुद्रा में भारी मात्रा में राशि भेजी जा रही है, इससे अब यह विश्वास दृढ़ होता जा रहा है कि आगे आने वाले समय में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को भी पार कर जाएगा।

भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए घातक है युद्ध की आहट

युद्ध के बादल बस घने तथा और गहरे होते जा रहे हैं। 33वर्षों में पहली बार एक विदेशी राष्ट्र ने 13 अप्रैल (शनिवार) को इजरायल पर हमला किया। आखिरी बार 1991 में इराक ने इजरायल पर क्रूज मिसाइलों से हमला किया था। यह ईरान था जिसने पिछले सप्ताह के अंत में इजरायल में विभिन्न इलाकों पर 360 से अधिक मिसाइल और ड्रोन प्रक्षेपित किए थे। यह हमला धीमी गति से चलने वाले ड्रोन (जो ईरान से इजरायल तक जाने में छह घंटे से अधिक समय लेते हैं), तेज क्रूज मिसाइलों और बहुत उच्च गति वाली बैलिस्टिक मिसाइलों का एक संयोजन था जो ध्वनि की गति से भी तेज हैं। ईरान के विदेश मंत्री ने इजरायल पर इस सुनियोजित हमले को लेकर पड़ोसी देशों को 72 घंटे की चेतावनी दी थी। उधर इजरायल लगभग 99 प्रतिशत मिसाइलों और ड्रोन को रोकने में कामयाब रहा और इसलिए उसका बहुत नुकसान नहीं हुआ। यह परिष्कृत मिसाइलरोधी रक्षा प्रणाली- आयरन डोम के कारण संभव हुआ जिसे इजरायल ने अमेरिकी और ब्रिटिश मदद से बनाया था और इस बार जॉर्डन की धरती पर भी तैनात किया गया था।

डॉ.अजीत रानाडे
लेखक वरिष्ठ पत्रकार व स्तम्भकार है

हमास द्वारा 7 अक्टूबर के आतंकवादी हमले के लिए इजरायल का प्रतिशोध अब अनुपात से ज्यादा लगता है। इजरायल की बदले की कार्रवाई में अब तक 30, 000 से अधिक फिलिस्तीनियों की मौत हो गई है जिनमें ज्यादातर नागरिक हैं। इनमें अनेक महिलाएं एवं बच्चे शामिल हैं। जैसे यूक्रेन में बमबारी का कोई अंत नहीं दिख रहा है उसी तरह इजरायल द्वारा गाजा पर हमलों की समाप्ति के आसार नजर नहीं आ रहे हैं। युद्ध के बादल बस घने तथा और गहरे होते जा रहे हैं।

33वर्षों में पहली बार एक विदेशी राष्ट्र ने 13 अप्रैल (शनिवार) को इजरायल पर हमला किया। आखिरी बार 1991 में इराक ने इजरायल पर क्रूज मिसाइलों से हमला किया था। यह ईरान था जिसने पिछले सप्ताह के अंत में इजरायल में विभिन्न इलाकों पर 360 से अधिक मिसाइल और ड्रोन प्रक्षेपित किए थे। यह हमला धीमी गति से चलने वाले ड्रोन (जो ईरान से इजरायल तक जाने में छह घंटे से अधिक समय लेते हैं), तेज क्रूज मिसाइलों और बहुत उच्च गति वाली बैलिस्टिक मिसाइलों का एक संयोजन था जो ध्वनि की गति से भी तेज हैं। ईरान के विदेश मंत्री ने इजरायल पर इस सुनियोजित हमले को लेकर पड़ोसी देशों को 72 घंटे की चेतावनी दी थी। उधर इजरायल लगभग 99 प्रतिशत मिसाइलों और ड्रोन को रोकने में कामयाब रहा और इसलिए उसका बहुत नुकसान नहीं हुआ। यह परिष्कृत मिसाइलरोधी रक्षा प्रणाली- आयरन डोम के कारण संभव हुआ जिसे इजरायल ने अमेरिकी और ब्रिटिश मदद से बनाया था और इस बार जॉर्डन की धरती पर भी तैनात किया गया था।

रक्षा के उन कुछ घंटों के लिए अनुमानित खर्च लागत लगभग 1.1 बिलियन डॉलर थी। रक्षा आपूर्तिकताओं, मुख्य रूप से अमेरिकी कंपनियों को इस तरह की तैनाती से लाभ होगा। बेशक, दो साल पहले शुरू हुए यूक्रेन युद्ध के कारण हथियार प्रणालियों के अमेरिकी निमार्ताओं को पहले ही काफी फायदा हुआ है। ईरान द्वारा उस रात ड्रोन और मिसाइलों से किए हमले की लागत शायद एक अरब डॉलर के करीब है।

इजरायल द्वारा 1 अप्रैल को सीरिया के दमिश्क में ईरानी दूतावास पर किए हमले के प्रतिशोध में ईरान ने यह हमला किया था। इस हमले में ईरान के दो वरिष्ठ जनरलों की मौत हो गई थी। बिना किसी उकसावे के किए इस हमले को इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अधिकृत क्यों किया, वह भी एक राजनयिक लक्ष्य पर? क्या इजरायल हमास के साथ संघर्ष के दायरे को और विस्तारित करने की कोशिश कर रहा था तथा एक बढ़ते युद्ध में अन्य देशों को खींच रहा था? क्या उसे यह पता नहीं था कि ईरान के दूतावास पर उसकी कार्रवाई किसी जवाबी कार्रवाई को आमंत्रित करेगी? या इसने ईरान द्वारा कड़ी प्रतिक्रिया को गलत समझा? इजरायल के साथ सहानुभूति रखने वालों का तर्क होगा कि इजरायल की कार्रवाई अकारण नहीं थी। यह इजरायल के क्षेत्र के भीतर हमास का समर्थन करने वालों को दंडित करना था। सभी लोग जानते हैं कि इजरायल के भीतर हमास, लेबनान में हिजबुल्लाह और यमन में हौथिस को ईरान का मौन समर्थन है। ईरान के परमाणु कार्यक्रम को विफल करने और हमास तथा हिजबुल्लाह के समर्थन का बदला लेने के लिए इजराइल ने पहले भी ईरान के बुनियादी ढांचे और सैन्य स्थलों पर हमले किये हैं। ईरान ने भी अपनी परमाणु हथियार क्षमता के निर्माण की गति को बनाए रखा है। इजरायल निश्चित रूप से एक परमाणु सशस्त्र राष्ट्र है जिसने परमाणु अप्रसार संधि पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं। ईरान द्वारा इजरायल पर ड्रोन और मिसाइल के असफल हमले को कुछ टेलीविजन और सोशल मीडिया चैनलों ने तृतीय विश्व युद्ध की शुरूआत बताया। शेयर बाजारों में हड़बड़ाहट दिखाई दी। ईरान की जवाबी कार्रवाई की आशंका में शुक्रवार को ही न्यूयॉर्क का डाउ इंडेक्स 2.4 फीसदी गिर गया था। दुनिया भर में शेयरों में और गिरावट की आशंका है। सोने की कीमत अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है और 2400 डॉलर प्रति औंस के करीब है। भारत में जल्द ही दस ग्राम सोने का मूल्य 80, 000 रुपये को पार कर सकता है। जोखिम से बचने वाले उन निवेशकों द्वारा सोने की उच्च मांग की सहज प्रतिक्रिया है, जिन्हें डर है कि अन्य सभी संपत्तियों की कीमतों में भारी गिरावट आएगी। यह संघर्ष मध्य पूर्व से तेल आपूर्ति को बाधित करेगा इसलिए तेल की कीमतें निश्चित रूप से बढ़ेंगी। माल ढुलाई दरों और हवाई कार्गो के लिए जोखिम प्रीमियम में भी बढ़ेगा जिसके कारण अंतरराष्ट्रीय व्यापार की लागत में वृद्धि होगी। इस सारे घटनाक्रम का भारत पर तिहरा दबाव पड़ता है। यह हमारे विदेशी मुद्रा भंडार को कम करता है, विनिमय दर पर दबाव डालते हुए व्यापार घाटे को बढ़ाता है और चूंकि पेट्रोल व डीजल की कीमतें प्रभावित होंगी इसलिए मुद्रास्फीति में वृद्धि का कारण बन सकता है। मार्च में समाप्त होने वाली चौथी तिमाही में मंदी देखी गई थी तथा उस तिमाही के लिए जीडीपी विकास दर 6 प्रतिशत के करीब हो सकती है।

निवेशकों का बिगड़ता मिजाज जीडीपी वृद्धि को और भी धीमा कर सकता है हालांकि चुनाव खर्च आम तौर पर जीडीपी को ऊपर उठाए रखता है। यदि वैश्विक आर्थिक मिजाज का अंदाजा लगाया जाए तो व्यापारिक

सियासत के किले हैं, तो वे ढहेंगे भी...

राकेश अचल

देश -दुनिया में दुर्ग यानि किले सत्ताधीशों के ही बनते आये है। लेकिन ये दुर्ग जब लोकतंत्र में सियासी दल भी बनाते हैं तो उन्हें ढहाने का उपक्रम भी लगातार चलता रहता है। सियासत के दुर्ग या तो राजनीतिक दल की विचारधारा के आधार पर बनाये जाते हैं या फिर व्यक्तित्व के आधार पर। आजादी के बाद यदि किसी राजनीतिक दल का सबसे मजबूत किला था तो वो था कांग्रेस का। लेकिन बाद में अधिकांश राजनीतिक दलों ने अपने-आपने इलाकों में किलों के बजाय छोटी-छोटी गढ़ियाँ बनाना शुरू कर दीं। आजकल देश में कहते हैं कि सबसे ज्यादा मजबूत किला भाजपा का है और उसे ढहाने में कांग्रेस समेत देश के तमाम छोटे-बड़े राजनीतिक दल लगे हुए हैं। अतीत में झांके तो पाएंगे कि पहले सियासी किले अभेद्य हुआ करते थे। उनके ऊपर किसी भी तरह के हमलों का असर नहीं होता था, क्योंकि ये किले विचारधारा की नींव पर खड़े किये गए थे। कांग्रेस, भाकपा, समाजवादी और दक्षिण पंथियों ने समय-समय पर अपने किले बनाये। इन किलों के जरिये देश में आरसे तक राजनीति भी खूब फली-फूली, लेकिन जब किलों के ढहने का सिलसिला शुरू हुआ तो फिर रुका नहीं। एक जमाने में जहाँ-जहँ कांग्रेस के किले थे वहां-वहां क्षेत्रीय दलों ने उनके ऊपर कब्जा कर लिया। ये क्षेत्रीय किले कहीं-कहीं कांग्रेस के साथ भी खड़े हुए और कहीं एकदम अकेले। पश्चिम बंगाल में वामपंथ का किला 25 साल तक अभेद्य रहा। उसे कांग्रेस से अलग हुई तृणमूल कांग्रेस की संस्थापिका सुश्री ममता बनर्जी ने तोड़ा। दक्षिण के क्षेत्रीय किले तोड़ने के लिए कांग्रेस और भाजपा लगातार कोशिश करती रही, लेकिन उन्हें ध्वस्त नहीं कर पायी। कर्नाटक में किले ढहाने और उन पर कब्जे करने का सनातन खेल जारी है। भाजपा ने 2014 में कांग्रेस के किले को ही नहीं ढहाए बल्कि कांग्रेस की गढ़ियाँ भी ध्वस्त कर दीं। लेकिन अनेक राज्यों में क्षेत्रीय दलों के किले आज भी सुरक्षित हैं। मिसाल के तौर पर ओडिशा में बीजू जनता दल का किला। इन दिनों भाजपा का किला ढहाने के लिए कसबल लगाया जा रहा है। 2024 में भाजपा का किला ध्वस्त करने के लिए जगह-जगह सेंधमारी की जा रही है। कहीं कामयाबी मिल रही है और कहीं नहीं भी। दिल्ली और झारखण्ड कि किलेदारों को जेल की हवा भी खिला दी गयी है किन्तु ये किले यानि गढ़ियाँ जीती नहीं जा सकीं। भाजपा का किला राम नाम की ईंटों से बनाया गया है अभी ये किला 44 साल पुराना ही है। इस किले को बनाने में राम जी बार-बार काम आये लेकिन इस बार भाजपा के किले की अनेक बुर्जों पर विरोधियों ने जमकर सेंधमारी की है। लोकतंत्र में सियासी किले ढहाने के लिए मतदान सबसे बड़ा जरिया है। वोट के बम किले की किसी भी बुर्ज को ध्वस्त कर सकते हैं और इन्हीं क्षतिग्रस्त बुर्जों से किले के भीतर जाने के रस्ते बनाये जानते हैं। सियासी किलों की मरम्मत और हमलों का काम हर पांच साल में होता है। इस साल भी किले फतह करने, किले कमजोर करने की कवायद चल रही है। पहले हमले में 102 ठिकानों पर जोर -आजमाइश हुई है। अभी इसी तरह के छह हमले और किये जाने है।

सियासी किले बचने के लिए साम-दाम-दंड भेद के सात गोधन, गजधन, बाजधन और रतनधन के अलावा इलेक्ट्रोरल बांड से मिले धन का भी इस्तेमाल किया जाता है। बाहुबल अब गौण हो गया है, हालाँकि बंगाल जैसे राज्यों में अभी भी ये बाहुबल भी प्रचलन में हैं। जिसके पास जितना ज्यादा धन होता है वो उतना ज्यादा ताकतवर माना जाता है।

संक्षिप्त खबरें

मारपीट में एक गंभीर रूप से घायल

ढाका, कुंडवा चैनपुर थाना क्षेत्र के भवानीपुर गांव में बीते बुधवार के दिन मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़ित शिवचंद्र पंडित ने थाने में आवेदन देकर बताया है की जब वह अपने दुकान पर था तब गांव के ही जकीरुल्लाह अंसारी, अकील अंसारी और परवेज अंसारी ने पहले गाली दी फिर जानलेवा हमला कर दिया। बीच बचाव करने आए पुत्र जयराम पंडित भी जख्मी हो गया। सभी हाथ में लोहे की रड व लाठी लेकर आए थे। उक्त मामले में थानाध्यक्ष राकेश कुमार राय ने बताया कि मामले की जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

रक्सौल के नकरदेही गांव में आग लगने से दो घर जल कर राख

रक्सौल अनुमंडल क्षेत्र के नकरदेही गांव आग लगने से दो घर जल कर राख हो गए। वही घर में बंधी दो बकरियां भी जल कर मर गई है। आग बिकाऊ पटेल व सुरेश पटेल के घर में लगी। बिकाऊ पटेल ने बताया कि हवा के तेज होने के चलते आग तेजी से लगी देखते-देखते दोनों घर जल कर राख हो गया। उन्होंने बताया कि घर में तकरीबन 50 हजार रुपये भी रखे हुए थे वो भी जल गया। स्थानीय ग्रामीणों ने मिल कर आग पर काबू पाने की कोशिश भी किया गया लेकिन हवा इतनी तेज थी कि आग पर काबू पाना मुश्किल था। वही अग्निशमन की टीम को ग्रामीणों द्वारा बुलाया गया। लेकिन अग्निशमन के पहुचने से पहले घर बुरी तरह जल चुकी की। बची आग को अग्निशमन की टीम के द्वारा बुझाया गया। आग लगने का कारण अभी तक पता नही चल पाया है।

डीएम के निर्देश पर चलाया गया मतदाता जागरुकता अभियान

कैमूर : जिला निर्वाचन पदाधिकारी कैमूर सावन कुमार के निदेर्शानुसार कैमूर जिले के सभी प्रखंडों में मतदाता जागरुकता अभियान चलाया जा रहा है। गौरतलब है कि लोकसभा आम निर्वाचन के अंतर्गत कैमूर जिले में 1 जून को मतदान निधारित है। पिछले विधानसभा आमनिर्वाचन 2020 एवं लोकसभा आम निर्वाचन 2019 के मुकाबले बेहतर मतदान प्रतिशत हेतु स्वीप कोषांग के नेतृत्व में संबंधित जीविका दीदियों, डीपीएम स्वास्थ्य, आंगनबाड़ी कार्मियों एवं अन्य कर्मियों के द्वारा कैमूर जिले के सभी प्रखंडों में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम चलाया जा रहा है। निधारित रोस्टर के अनुसार आज कैमूर जिले के विभिकर प्रखंडों में मतदाता जागरूकता हेतु कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।

दो लापता मासूम बच्चे को पुलिस ने परिजन को सौंपा

करगहर (रोहतास) स्थानीय पुलिस ने मानवता धर्म की मिसाल पेश करते हुए गुम हुए दो मासूमों को परिजन के हवाले किया। जानकारी के अनुसार प्रखंड अंतर्गत धनेज निवासी विकास कुमार की लड़की देविका कुमारी बाजार में गुम हो गई थी। माता पिता का साथ छूट गया था। लड़की रोते हुए बाजार में घूम रही थी। सड़को को बरामद कर पुलिस ने माता पिता को थाले कर दिया। परिवार वालों ने पुलिसकर्मियों को दुआ दी। दूसरा मामला ग्राम कुराडी, थाना दरीगांव का आकाश कुमार करणार अपने नाना रिंकू यादव के घर आया था। भटक कर किसी तरह आजार आ गया।

नाबालिग को बहलाकर ले जा रहे समीर आलम को एसएसबी ने पकड़ा

प्रात : किरण संवाददाता

रक्सौल। मानव तस्कर रोधी इकाई, क्षेत्रक मुख्यालय बेतिया कार्यालय 47वी वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, रक्सौल पूर्वी चंपारण बिहार ने मिशन निर्भया के अंतर्गत मानव तस्करी के रोकथाम करने में लगातार सफलता हासिल की है। इसी क्रम में चटीयू टीम के प्रभारी इन्स्पेक्टर मनोज कुमार शर्मा के सूचना तंत्र से एक सूचना प्राप्त हुई कि कोई व्यक्ति 17 वर्षीय नाबालिग लड़की को रक्सौल या इसके आसपास के क्षेत्र से नेपाल में निकालने के कोशिश में है। अतः इस पर सभी ड्यूटी में अलर्ट कर दिया गया। कुछ समय बाद एएचटीयू टीम को एक व्यक्ति के साथ एक नाबालिग लड़की जाती हुई दिखी तो टीम को संदेह हुआ और फिर उनको रोक कर पूछताछ की, तब रोके गए व्यक्ति की ओवर एक्टिंग देख कर सभी आश्चर्यचकित रह गए और वह व्यक्ति लड़की से कुछ भी पूछताछ नहीं करने दे रहा था और लड़की भी लड़के के पक्ष में बात कर रही थी, लेकिन दोनों को देख कर संदेह लग रहा था कि मामला तो कुछ और ही है। इसके बाद इन्स्पेक्टर मनोज कुमार शर्मा ने ठान लिया लिया कि अब इससे विस्तार से पूछताछ ही करनी पड़ेगी, तब पूछताछ के समय व्यक्ति ने बताया कि उसका नाम मोहम्मद समीर आलम है, उसके अब्बा का नाम मोहम्मद गुड्डू मियाँ है, वह गाँव किशुनबाग थाना नगर बेतिया बिहार का रहने वाला है। उस पर 11.05.2022 को एक नाबालिग लड़की अंजली कुमारी की तस्करी के सन्दर्भ में थाना मांधाता जिला प्रतापगढ़ यूपी में भारतीय दंड सहिंता की 363, 366, 376, 370 और पोक्सो एक्ट 03(2) एसटी, एससी एक्ट में मुकदमा भी चल रहा है व अभी बेल पर बाहर है। जब उससे कहा गया कि तुम पहले भी नाबालिग लड़की के मामले में जेल जा चुके हो, तब उसने कहा कोई बात नहीं दोबारा भी जेल चला जाऊँगा और फिर बेल पर जेल से बाहर आ जाऊंगा। उसकी एक्टिंग ऐसी थी कि किसी को भी उस पर दया आ जायेगी, किन्तु उसके बयानों से पता चल रहा था बहुत शातिर है। मोहम्मद समीर आलम के फोन से अन्य हिन्दू लड़कियों के आपत्तिजनक वीडियो और फोटो भी पाए गए।। पीड़ित बहुत सहमी हुई थी और कुछ भी बताने को राजी नहीं थी, ऐसा लग रहा था कि उसे लड़के से बहुत प्रेम है, किन्तु एक लम्बी काउंसिलिंग के बाद जब लड़की को मोहम्मद समीर आलम से अलग होने का डर कम हुआ फिर लड़की ने जो बताया तो सबको ह्रद केरला स्टोरीह्व फिल्म से मिलता जुलता मामला नजर आया। पीड़ित लड़की ने बताया की वो लड़के को केवल दो माह से जानती है, वह अपनी एक सहेली सलमा खातून के यहाँ शादी में गयी थी, वहां लड़के ने इससे दोस्ती करने की कोशिश की पर उसने ध्यान नहीं दिया फिर लड़का इसको कभी-कभी स्कूल जाते समय रास्ते में मिलने लगा और दोस्ती करने की कोशिश करने लगा, फिर एक दिन पीड़िता इसके झांसे में आ गयी, पहले व्यक्ति ने अपना नाम केवल समीर बताया था तो लड़की को उसके धर्म के बारे में नहीं पता चला। फिर समीर उससे मिलने लगा और एक दिन जब पीड़ित साईकिल से स्कूल जा रही थी, तब समीर उससे मिला और उसे अपने घर ले जाने की जिद्द करने लगा, पर पहले लड़की ने मना किया पर लड़के ने इतनी अच्छी एक्टिंग की तो लड़की यह कहते हुए मान गयी कि जल्दी ही अपने घर लौट जायेगी। लड़की उसके घर गयी तो लड़के ने पहले उसकी साइकिल छुपा ली और उसे कहा कि तुम अब अपने घर नहीं जाओगी, मैं तुमसे शादी करूँगा तो लड़के ने रूम में अपनी जान पहचान वाली महिलायें बुला लिया, लड़के ने जबरदस्ती सिन्दूर लगाने की कोशिश की, पीड़ित रोने लगी तो जो महिलाए आयीं थी, उन्होंने उसे बहलाने की कोशिश की। लड़की जब समझ गयी कि अब फंस गयी है तो उसने अपने आपको उनके हवाले कर दिया। पीड़िता को पत्नी मानने का ड्रामा चलना शुरू हो गया। लड़की ने कहा कि वह दो बार मौका पा कर वहाँ से भाग भी गयी थी, किन्तु उसे दोनों बार पकड़ लिया गया। लड़के के जान पहचान की महिलाओ ने लड़की से कहा कि तुम्हारे अम्मी और अब्बा तुम्हारा ख्याल नहीं रखते, इसलिए उन्हें भूल जाओ यहीं रहो। लड़की के पास कोई फोन भी नहीं है और मोहम्मद समीर आलम उसके घर बात भी नहीं करने देता था। एक दिन लड़की ने छुप कर बात करने का प्रयास किया, किन्तु मोहम्मद समीर आलम को पता चल गया तो लड़की को बहुत डांटा, लड़की को ब्लैकमेल भी किया जा रहा था, इसलिए लड़की उसकी बात मानने में मजबूर थी।

स्टुडेंट कैरियर प्वाइंट सह काउन्सिलिंग सेन्टर का किया गया विधिवत उद्घाटन

प्रात : किरण संवाददाता

घोड़ासहन ।स्थानीय घोड़ासहन अवस्थित ढाला बैंक रोड अवस्थित स्टुडेंट कैरियर प्वाइंट सह एडमिशन काउन्सिलिंग सेन्टर (ए यूनिट आफ कैरियर बूक) का विधिवत उद्घाटन शनिवार को किया गया। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच फीता संस्थान के संचालक ई0 पियुष कुमार के हाथो काटा गया। मौके पर श्री कुमार ने बताया कि संस्था खुल जाने से बैरगनिया, सितामढी , घोड़ासहन, रक्सौल, नरकटियागंज समेत पूरे सीमाई क्षेत्र के छात्र - छात्राऐ जो तकनिकी व मेडिकल क्षेत्र मे उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए देश के बड़े विश्व विधालयो तथा महाविधालयो मे नामांकन कराने की इच्छा रखते है उन्हे काफी सहुलियत होगी। सभी तरह का परामर्श काउन्टर पर उपलब्ध होगा । बताया कि इंजीनियरिंग, बिजनस मैनेजमेंट, हास्पिटल मैनेजमेंट, बीटेक एग्रीकल्चर, बीएससी एग्रीकल्चर, बी फार्मा, डिप्लोमा-बीबीए, बीसीए, बीजीएमसी, बीपीटी ,एमबीए, एमटेक , एमसीए, एलएलबी के अलावे नन क्रेडिट कार्ड कोर्स यथा बीएड ,डीएलएड , एएनएम, डीपीटी, ड्रेसर आदि मे नामांकन हेतु यह संस्था सम्यक मार्गदर्शक का काम करेगी। बताया कि संस्था का उद्देश्य छात्रों के हितार्थ उचित मार्गदर्शन देना है ताकि मौजूदा संस्थानो मे नामांकन कराने से महफूज न रह जाय। मौके पर संस्थान के ई0 सुमित कुमार के अलावे शहर के प्रसिद्ध शैक्षणिक संस्थानो के वरिष्ठ शिक्षको मे जगदीश प्रसाद , रामराज प्रसाद यादव, चंदन कुमार, मुकेश कुमार, प्रो0 एलबी सिह, राजन कुमार, रमाकांत कुशवाहा , केशव रंजन झा समेत बड़ी संख्या मे नामांकन को इच्छुक छात्र छात्राऐ मौजूद रहे ।

एईएस जेई के रोकथाम को चौपाल लगाकर किया जागरूक

प्रात : किरण संवाददाता

मोतिहारी। जिले के रक्सौल अनुमण्डलीय अस्पताल में अनुमण्डल पदाधिकारी रक्सौल,शिवाक्षी दीक्षित की अध्यक्षता में एईएस/जेई के रोकथाम हेतु स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गईं। वहीं अनुमण्डल पदाधिकारी द्वारा अस्पताल का निरिक्षण करने के साथ ही कई आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।अनुमण्डल पदाधिकारी रक्सौल,शिवाक्षी दीक्षित ने उपाधीक्षक डॉ राजीव रंजन कुमार, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारीयों, एसएमसी यूनिसेफ, सीडीपीओ, बीएचएम, बीसीएम,एमओ,एलएस, से चमकी बुखार से प्रभावित बच्चों के इलाज व्यवस्था की जानकारी लेते हुए निर्देश दिया की अस्पताल में नियंत्रण कक्ष 24ग7 संचालित रखे। एईएस के प्रबंधन में किसी प्रकार की कोताही बर्दास्त नहीं की जाएगी। उन्होंने रक्सौल, छौड़ादानो, रामगढ़वा, आदापुर के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी अस्पताल में नियंत्रण कक्ष 24ग7 संचालित रखेगें।सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, पंचायत स्तर पर एईएस/जेई रोकथाम हेतु नोडल कर्मी बनाएगें ।ताकि राज्य, जिला एवं प्रखण्ड स्तर से प्राप्त आवश्यक सूचना को निचले स्तर तक पहुंचाने में सुगमता हो एवं पंचायत स्तर पर हो रहे गतिविधियों की सूक्ष्म अनुश्रवण किया जा सके ।बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, मंगलवार तक आंगनबाडी सेविका के द्वारा घर-घर सर्वे कराने के लिए सूक्ष्म कार्ययोजना तैयार कर लें एवं उसकी प्रति उपलब्ध करा दें। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी को निर्देश दिया गया कि मंगलवार तक आशा के द्वारा घर-घर सर्वे कराने के लिए सूक्ष्म कार्ययोजना तैयार कर लें एवं उसकी प्रति उपलब्ध करा दें। साथ ही उन्होंने निर्देश दिया की प्रतिदिन एईएस/जेई के रोकथाम हेतु टोला स्तर पर एवं आँगनबाड़ीकेंद्र पर चौपाल के माध्यम से जागरुक करते रहेगें। त्वरित रुप से एईएस/जेई से आशंकित बच्चो को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र तक पहुंचाने हेतु पंचायत स्तर पर वाहन को टैगिंग कर सूची उपलब्ध करा कर प्रदर्शित किय जाय।चौपाल के दौरान लोगों को बताए की चमकी बुखार से बच्चों को बचाने के लिऐ बच्चों को रात में सोने से पहले जरूर खाना खिलाए,सुबह उठते ही बच्चों को भी जगाकर देखें ।कहीं बेहोशी या चमक तो नहीं,,बेहोशी या चमक दिखते ही तुरंत एंबुलेंस या नजदीकी गाड़ी से सरकारी अस्पताल ले जाए।तेज धुप से दुर रखे।।अधिक से अधिक पानी, ओआरएस अथवा नींबू-पानी-चीनी का घोल पिलाएं। हल्का साधारण खाना खिलाएं, बच्चो को जंक-फुड से दुर रखे।खाली पेट लिची ना खिलाएं।रात को खाने के बाद थोड़ा मिठा जरूर खिलाऐ।सड़े-गले फल खा सेवन ना कराएं।ताजा फल ही खिलाएं।बच्चो को दिन में दो बार स्नान कराएं।घर के आसपास पानी जमा न होने दे।रात को सोते समय मच्छरदानी का इस्तेमाल करे।बैठक में अनुमण्डल पदाधिकारी, रक्सौल,शिवाक्षी दीक्षित, उपाधीक्षक डॉ राजीव रंजन कुमार, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, एसएमसी यूनिसेफ, सीडीपीओ, बीएचएम, बीसीएम,एमओ,एलएस व अन्य स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित थे।

बैंक से रूपए निकाले व्यक्ति से उचक्कों ने उड़ाए चौबीस हजार रुपए

प्रात : किरण संवाददाता

सुगौली: सुगौली मुख्य बाजार के स्टेट बैंक स्थित शाखा के बाहर तीन उच्चकों ने गाँव के भोले भाले व्यक्ति से चौबीस हजार रुपये उड़ाये।सुगौली प्रखंड के उत्तरी छपरा बहास के कैथवलिया गाँव निवासी बृज किशोर सहनी ने बताया की सुबह दस बजे के करीब अपने घर से बैंक का पासबुक लेकर सुगौली मुख्य बाजार स्थित एसबीआई बैंक में उनचास हजार रुपये निकालने के लिए बैंक पहुँचे बैंक पहुँच कर उन्होंने बैंक से उनचास हजार रुपया निकासी कर बैंक मुख्य द्वार से बाहर निकले मुख्य द्वार के सीढ़ी पर तीन उचक्के पहले से खड़े मिले वही बृजकिशोर सहनी रूमाल में बांधा कागज जो नोट के बंडल जैसा बंधा हुआ बंडल के दोनों साइड पाँच पाँच सौ के असली रुपये थे। कागज का बंडल बृजकिशोर सहनी को देख कर उचक्को ने कहा की यह दो लाख रुपये है इसे तुम रख लो और तुम अपना पैसा मुझे दे दो और जैसे बृज किशोर सहनी अपना जेब से निकाल कर हाथ में लिया वैसे ही पीछे से एक उचक्को ने पैसा उनसे झपटा और कागज के फजी नोट का बंडल पकड़ाया और असली नोट छीनने के चक्कर में आधे जमीन पर गिरा और आधे चौबीस हजार रुपये लेकर तीनो उचक्के फरार हो गये। वही बृजकिशोर सहनी बाकी गिरे छब्बीस हजार रुपये बटोरने के उपरांत तीनो उचक्के फरार हो चुके थे। बाद में रूमाल से बंधा गड्डी खोला तो सादा पेपर बंधा हुआ गड्डी था। वही पीड़ित सुगौली थाना में लिखित आवेदन दिया है और सारी बाते बताई है। बताते चले की बीते महीने इसी तरह उचक्को ने एक महिला को नोट डबल करने झाँसा देकर पैतीस हजार रुपये लेकर चंपत हो गये थे। वही बैंक से पैसा निकालने के समय उचक्के बैंक परिसर में ही मौजूद रहते है और भोले भाले लोगो को अपना शिकार बनाते है।

बालू लदे ट्रक के जोरदार टक्कर से बाल-बाल बचें चालक

प्रात : किरण संवाददाता

काराकाट (रोहतास) थाना क्षेत्र एनएच 120 डेहरी-बिक्रमगंज मुख्य मार्ग पर इटवां गांव के समीप शनिवार को दोपहर डेहरी के तरफ से आ रही तेज रफ्तार ट्रक ने बिक्रमगंज के तरफ से आ रही ट्रक में सामने से जोरदार टक्कर मरते हुए अनियंत्रित होकर रोड़ के किनारे खाई में जा समाई। हादसा इतना जोरदार था कि दोनो ट्रक में हुए टक्कर के बाद जोरदार आवाज आई जिससे आस पास के लोग कुछ समय के लिए सहम सा गए । उत्तरप्रदेश के गाजीपुर जिला से बालू लेने के लिए ट्रक दाऊनगर घाट से बालू लेकर उत्तरप्रदेश जा रही थी। घटना स्थल पर मौजूद लोगों ने बताया कि डेहरी ऑन सोन के तरफ से आ रही तेज रफ्तार ट्रक के पीछे ही काराकाट पुलिस कि गाड़ी थी शायद उसी के डर से ट्रक ड्राइवर ने अपनी ट्रक तेज रफ्तार में लेकर भाग रहा था। बालू लदे ट्रक ने अपना नियंत्रण खोते हुए सामने से आ रही ट्रक में सीधे जाकर जोरदार टक्कर मार दिया। गनीमत रही कि घटना में किसी को गंभीर चोट नही आई। ट्रक ड्राइवर राहुल कुमार ने बताया कि अचानक सामने से आ रही ट्रक देख हमारी गाड़ी अनियंत्रित हो गई और जोरदार टक्कर हो गई। थानाध्यक्ष फूलदेव चौधरी ने बताया कि घटना में किसी को कोई गंभीर चोट नही आई है। जांच कर आगे कि करवाई की जा रही हैं।

प्रभु के मन स्मरण से मनुष्य जीवन हो जाता है सफल : जीयर स्वामी

प्रात : किरण संवाददाता

काराकाट (रोहतास) प्रखंड क्षेत्र के रघुनाथपुर गांव में चल रहे श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ के दूसरे दिन प्रवचन के दौरान श्री त्रिदंडी स्वामी जी महाराज के परम शिष्य श्री लक्ष्मी प्रपन्न जीयर स्वामी जी महाराज ने कहा कि श्रीमद भावगत में शुकदेव जी महाराज ने राजा परीक्षित को मानव कल्याण के लिए सबसे सहज और सरल उपाश्रीचरणोंय परमात्मा के में चिंतन बताया है। स्वामी ने कहा कि हम जिस अवस्था में रहे प्रभु का स्मरण, चिंतन और ध्यान करते रहना चाहिए । इसी से मानव का कल्याण होगा और भव से पार होने का यही सहज माध्यम है । श्री जीयर स्वामी जी महाराज ने कहा कि शास्त्र में बताया गया है कि दान, तप और ध्यान आत्मा के उद्धार व कल्याण का प्रमुख साधन है । मनुष्य को अपनी मृत्यु को याद करते हुए बचपन,जवानी एवं बुढ़ापा में भगवान का चिंतन मनन और उनके गुणों का श्रवण हर पल हर क्षण करते रहना चाहिए । शास्त्र में कहा गया है कि साधक को संकट आने पर,मृत्यु निकट आने पर या अंत समय आने पर घबराना नहीं चाहिए। भगवान प्रभु नारायण के नाम या ओम जप करते हुए शेष जीवन को बिताए एवं स्मरण करें । भगवान के स्वरुप का स्मरण करे । वेद शास्त्र में बताया गया है कि भगवान के श्रेष्ठ स्वरूप में चतुर्भुज,स्वरूप एक है ।

करोड़ों रुपये की चरस के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

बेतिया(मोहन सिंह)। गुप्त सूचना के आधार पर नगर पुलिस ने तीन तस्करों को धर दबोचा और उनके पास से करीब 36 किलो चरस बरामद किया। जिसकी अंतरराष्ट्रीय कीमत करोड रुपए आकी गई है। उक्त जानकारी देते हुए बेतिया पुलिस अधीक्षक अमरकेश डी ने बताया कि गुप्त सूचना मिली कि नगर के सुप्रिया रोड में मादक पदार्थ तस्करी के लिए कुछ तस्करी इकट्ठा होने वाले हैं। सूचना का सत्यापन करते हुए नगर थाना अध्यक्ष पुलिस निरीक्षक मनोज सिंह के नेतृत्व में एक टीम गठित कर छापामारी करने का निर्देश दिया गया। पुलिस को देखकर दो मोटरसाइकिल चालक भागने का प्रयास करने लगे तभी पुलिस बल की सहयोग से उन्हें धर दबोचा गया। उनकी तलाशी के दौरान उनके पास से पुलिस ने 31 किलो 766 ग्राम चरस बरामद किया गया।वही उनके निशानदेही पर एक और तस्कर को गिरफ्तार किया गया जिसके पास से 4 किलो चरस बरामद किया गया पुलिस ने इस संबंध में एक कांड दर्ज करते हुए उन्हें जेल भेज दिया गिरफ्तार तस्करों के पास से पुलिस ने तीन मोटरसाइकिल एवं दो मोबाइल जप्त किया है। गिरफ्तार तस्करों में इनरवा थाना के इनरवा बाजार निवासी फैयाज मियां 45 वर्ष पिता स्वर्गीय इसराइल मियां, सिरसिया थाना के भीखमपुर निवासी संजय पटेल 38 वर्ष पिता बुंदेला पटेल एवं सहोदर थाना के बैरिया निवासी सुरेश यादव 38 वर्ष पिता बेदार यादव शामिल थे।छापामारी दल में सदर एसडीपीओ विवेक दीप मुफस्सिल थाना अध्यक्ष पुलिस निरीक्षक ज्वाला सिंह आदि पुलिस पदाधिकारी एवं जवान शामिल थे।

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से दो लोगों की मौत

प्रात : किरण संवाददाता

दिनारा (रोहतास) थाना क्षेत्र के आरा-मोहनिया मुख्य पथ के बलदेव उच्च माध्यमिक विद्यालय समीप अज्ञात वाहन की चपेट में आने से दो लोगों की मौत हो गई। जबकि डॉक्टर ने एक जख्मी को रेफर कर दिया। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार यह घटना शुक्रवार की रात करीब 11:40 बजे घटित होने की बात बताई जा रही है। घटना के बारे में बताया जाता है कि एक ही बाइक पर सवार तीन लोग एक तिलक समारोह से घर वापस लौट रहे थे । घर वापस लौटने के क्रम में एक ही बाइक पर सवार तीन लोग अज्ञात वाहन की चपेट में आ गए। जिस क्रम में एक की मौत घटनास्थल पर ही हो गई। साथ ही दो लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए। घटित घटना के आसपास मौजूद लोगों ने इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दी। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस त्वरित कार्रवाई करते हुए घटनास्थल पर पहुंच जायजा लिया। पुलिस ने घटनास्थल से थाना क्षेत्र के नरवर निवासी विश्वामित्र सिंह के 30 वर्षीय पुत्र नंद जी चौधरी के शव को अपने कब्जे में ले लिया। साथ ही पुलिस ने दो जख्मी लोगों को प्राथमिक इलाज के लिए दिनारा सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया । जहां पर अस्पताल के चिकित्सकों ने दोनों जख्मी लोगों का प्राथमिक इलाज शुरू कर दी। लेकिन इलाज के क्रम में नरवर निवासी गोपाल चौहान के 22 वर्षीय पुत्र लाल साहेब चौधरी की मौत हो गई । जख्मी हालत में उसी गांव के रहने वाले अभय चौहान के 19 वर्षीय पुत्र गोल्डन कुमार उर्फ डायमंड कुमार की स्थिति को नाजुक देखते हुए अस्पताल के चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए बाहर रेफर कर दिया। इस संबंध में थानाध्यक्ष विनय कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र के नरवर निवासी विश्वामित्र सिंह के 30 वर्षीय पुत्र नंद जी चौधरी एवं गोपाल चौहान के 22 वर्षीय पुत्र लाल साहेब चौधरी दोनों मृतक के शव को परिजनों के समक्ष कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए पोस्टमार्टम कराने के उपरांत दोनों शव को सौप दी गई है । उन्होंने कहा कि घटना में उसी गांव के रहने वाले अभय चौहान के 19 वर्षीय पुत्र जख्मी डायमंड कुमार उर्फ गोल्डन कुमार इलाजरत है।

चुनाव प्रक्रिया में सेक्टर पदाधिकारी की भूमिका बहुत ही महत्वपूर्ण : जिलाधिकारी

प्रात : किरण संवाददाता

मोतिहारी।लोकसभा आम निर्वाचन 2024 को सफलतापूर्वक संपन्न कराने को लेकर सेक्टर पदाधिकारी एवं सेक्टर पुलिस पदाधिकारी को आज मोतिहारी स्थित महात्मा गांधी प्रेक्षा गृह में प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में उपस्थित सभी 425 सेक्टर पदाधिकारी एवं 425 पुलिस पदाधिकारी को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि चुनाव प्रक्रिया में सेक्टर पदाधिकारी को भूमिका बहुत ही महत्वपूर्ण है और सभी सेक्टर पदाधिकारी को अपने कर्तव्य और दायित्व की पूरी जानकारी होनी चाहिए।जिलाधिकारी ने कहा कि आप लोगों को चौथी बार प्रशिक्षण दी जा रही है।प्रत्येक सेक्टर पदाधिकारी को उनको आवंटित मतदान केंद्र का एक-एक चीज पता होना चाहिए। आज के प्रशिक्षण में मतदान के दिन के पहले, मतदान के दिन एवं मतदान के बाद सेक्टर पदाधिकारी द्वारा की जाने वाली कार्यों को विस्तार से बताया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि सेक्टर पदाधिकारी मतदान केंद्रों का लगातार भ्रमण करेंगे। वहां पर एएमएफ की सुविधा देख लेंगे। किसी भी व्यक्ति का सत्कार स्वीकार नहीं करेंगे जो राजनीतिक दल या चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशी से संबंधित हो। राजनीतिक दल एवं मीडिया से कोई संवाद कायम नहीं करेंगे।जिलाधिकारी ने कहा कि प्रत्येक सेक्टर पदाधिकारी का यह दायित्व होगा कि मतदान दल का मतदान केंद्र पर पहुंच सुनिश्चित कराना, नियंत्रण कक्ष से लगातार संपर्क रखना, मतदान दल को मतदान प्रक्रिया या ईवीएम संचालन में संदेह को दूर करना, ईवीएम सीलिंग की पूरी जानकारी रखना बहुत ही जरूरी है। उन्होंने कहा कि मतदान के दिन मॉक पोल के दौरान खराब एवं वीवी पैट को बदलना, उन मतदान केंद्रों पर विशेष ध्यान देना जहां पोलिंग एजेंट या तो अनुपस्थित हैं या एक ही पोलिंग एजेंट उपस्थित हैं, मतदाताओं की लंबी कतार वाले मतदान केंद्रों पर लगातार भ्रमणशील रहना जरूरी है। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रत्येक सेक्टर पदाधिकारी मतदान के दिन कम से कम तीन बार आवंटित मतदान केंद्र का भ्रमण करना सुनिश्चित करेंगे और मतदान के दिन प्राप्त शिकायतों का त्वरित निष्पादन करेंगे। यह भी कहा गया कि यदि निर्वाचकों के द्वारा अपने मताधिकार का प्रयोग नहीं किया जा रहा है तो इसका कारण पता करते हुए निवार्ची पदाधिकारी अथवा जिला निर्वाचन पदाधिकारी को इसकी सूचना शीघ्र देना होगा।

मतदान की समय सीमा समाप्त होने के बाद भी पंक्ति में अगर लोग खड़े हैं तो उनका मतदान सुनिश्चित करना होगा। जिला में मतदान का समय सुबह 7 से संध्या 6 बजे तक निर्धारित किया गया है,6 बजे संध्या तक भी अगर कोई मतदाता मतदान केंद्र पहुंचता है अथवा पंक्ति में खड़ा है तो उन्हें मतदान का अवसर देना होगा।मतदान के पश्चात सील किए जाने वाले पैकेट की पूरी जानकारी दी गई और इस दौरान भेजे जाने वाले सभी प्रतिवेदन के बारे में बताया गया।

जिलाधिकारी ने कहा कि सभी सेक्टर पदाधिकारी पीठासीन पदाधिकारी को दिए गए हैंडबुक निश्चित रूप से पढ़ लेंगे,उससे भी बहुत सारी चीज क्लियर हो जाएगी। सभी सेक्टर पदाधिकारी को संवेदनशील मतदान केंद्रों का लगातार भ्रमण करने का निर्देश दिया गया।इस अवसर पर उप विकास आयुक्त एवं उप निर्वाचन पदाधिकारी के द्वारा भी सेक्टर पदाधिकारी एवं सेक्टर पुलिस पदाधिकारी को संबोधित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान सभी अनुमंडल पदाधिकारी एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

पुलिस ने अपराध की योजना को किया विफल एक गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

पकड़ीदयाल। पकड़ीदयाल डीएसपी सुबोध कुमार के नेतृत्व में पताही पुलिस ने रतन शायर चौक के पास एक अपराध कर्मी को लोडेड देशी कट्टा के साथ गिरफ्तार कर लिया।

इस संदर्भ में डीएसपी सुबोध कुमार ने प्रेस वार्ता में बताया कि एसपी के निर्देश पर विभिन्न क्षेत्रों में आम सूचना संकलन, शराब के विरोध छापेमारी, लंबित कांडों के वांछित अभियुक्त, वारंटी की गिरफ्तारी किया जा रहा है। इसी दौरान गुप्त सूचना मिली थी कि पताही थाना अंतर्गत रतन शायर चौक के पास एक अपराध कर्मी को अपराध करने के उद्देश्य से आया हुआ है। जिसे पताही पुलिस ने छापामारी कर रतन शायर चौक के पास से अपराधकर्मी शिवहर जिला पिपराही थाना के बेलवा निवासी लालबाबू बैठा को गिरफ्तार किया गया।

तलाशी के दौरान एक देसी कट्टा एवं एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। लालबाबू बैठा पिपराही थाना में शराब तस्करी में वांछित है। साथ ही 2022 में पताही थाना में गांजा तस्करी का मामला दर्ज है।

दोनों देशों के सुरक्षा एजेंसियों के बीच आपसी समन्वय को लेकर हुई बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

बनकटवा आसन लोकसभा चुनाव के मद्देनजर भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र के झरौखर थाना में सुरक्षा को लेकर चुनाव को निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन कराने तथा भारत -नेपाल की खुली सीमा को देखते हुए संवेदनशील रास्तों पर कड़ी नजर रखने को लेकर दोनों देशों के पुलिस पदाधिकारियों की बैठक आयोजित की गयी। बैठक की अध्यक्षता सिकरहना डीएसपी अशोक कुमार की अध्यक्षता में हुई। बैठक के दौरान दोनों देशों के सीमा पर शांति सुरक्षा एवं घुसपैठियों पर रोक लगाने,औरैया नेपाल चौकी के हरेन्द्र कुमार ठाकुर,मोतीपुर प्रहरी चौकी के प्रभारी दीपेंद्र कुमार शाह,बारा जिले के कचोरवा प्रहरी चौकी के इंचार्ज रूपम पंडित,बनकटवा अंचलाधिकारी अतुल कुमार बादल सहित अन्य सीमावर्ती पुलिस चौकी के जवान मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

मीना के नेतृत्व ट्रेनों में गस्ती दौरान शराब बरामद किया

आरा। आरपीएफ इंस्पेक्टर सुमन कुमारी ने बताया की रात्रि ट्रेन में गस्ती के दौरान स्पेशल टास्क टीम/पटना के उनि/ चेतराम मीना, आरपीएफ पोस्ट आरा के नेतृत्व में साथ आ0 घनश्याम सिंह यादव, आ0 विनय कुमार सिंह, आ0 करण सिंह द्वारा गाड़ी संख्या 09485 डाउन दीनदयाल उपाध्याय स्टेशन से आरा स्टेशन तक आपराधिक गति विधियों की निगरानी के क्रम में बक्सर-आरा के बीच स्लीपर कोच संख्या एस-13 में पहुंचे तो देखा कि 08 व्यक्ति 20 काले रंग के बैग के साथ उक्त कोच में संदिग्ध अवस्था में पाया गया, जिससे पूछने पर इधर-उधर की बात बताने लगे। बाद सख्ती से पूछ-ताछ करने पर बैग में शराब होना बताया, जिसे चेक करने पर उक्त बैग में शराब पाया गया।

पूर्व सांसद ने विकास के लिए मतदान किया

गया। गया संसदीय क्षेत्र लोक सभा चुनाव में आज बाराचट्टी विधानसभा के एक पोलिंग बूथ पर गया संसदीय क्षेत्र के निर्वतमान सांसद विजय मांझी ने अपना और अपने परिवार के साथ मतदान किया है और कहा कि गया के जो भी अधुरे काम को एणडीए प्रत्याशी पूर्व मुख्यमंत्री और करेगे।

मनीष पंकज मिश्रा ने अपने बूथ पर किया गया मतदान

गया।लोकतंत्र के महापर्व लोकसभा चुनाव 2024 के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के सह प्रभारी डॉ मनीष पंकज मिश्रा के द्वारा अपने बूथ संख्या 200 समीर तकिया मध्य विद्यालय पर जाकर पूरे परिवार के साथ मतदान किया मतदान के बाद अपील करते हुए कहा डॉक्टर मनीष पंकज मिश्रा ने कहा लोकतंत्र के महान पर्व पर सभी मतदाता अपने मत का प्रयोग अवश्य करें क्योंकि लोकतंत्र का महान पर्व है यह पर्व 5 वर्षों के लिए निर्वाचित सरकार बनेगी जिस तरह मतदाता का रुझान है गया विधानसभा से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की उम्मीदवार को काफी बढ़त मिलेगा सभी मतदाताओं के प्रति आभार प्रकट किया कि भीषण गर्मी में भी कतारबध होकर अपने मत का प्रयोग कर रहे हैं

नही रहे कक्ष पाल सत्येंद्र पासवान

आरा। भोजपुर शाहपुर के रहने वाले भागलपुर कैंट जेल में पदस्थापित कक्षपाल सत्येंद्र पासवान पिता रामानुज पासवान ग्राम रंडा डीह शाहपुर भोजपुर निवासी कई महीनो से कैंसर पीड़ित थे।उनकी मृत्यु महामना अस्पताल बनारस में इलाज के दरम्यान हो गई। आज उनका दाह संस्कार चरित वन बक्सर में हुई।सत्येंद्र पासवान वर्ष 2017 में जेल पुलिस जमुई में बहाल हुए थे,उनका विवाह 2020 में खुशबू कुमारी के साथ हुए था। पत्नी खुशबू कुमारी का रो रो कर बुरा हाल हो गया है तथा दुखो का पहाड़ टूट गया। लोजपा रामविलास भोजपुर जिला अध्यक्ष राजेश्वर पासवान ने जेल पुलिस सत्येंद्र पासवान की मृत्यु पर शोक संवेदना प्रकट किया है तथा उन्होंने कहा कि सत्येंद्र पासवान बहुत ही सरल स्वभाव के थे वे विगत कई महीनो से कैसर रोग से पीड़ित थे।

ट्रांसफार्मर के चिंगारी से लगी भीषण आग 12 बीघा पुआल जलकर खाक

अरवल। ट्रांसफार्मर के चिंगारी से लगी भीषण आग 12 बीघा का पुआल जलकर हुआ खाके जिले के मेहंदिया थाना क्षेत्र के जयपुर स्थित पुल के समीप खलिहान में रखें 12 बीघा पुआल रखा हुआ था, आचानक ट्रांसफार्मर के चिंगारी से आग लग गई आग कि लेपटा इतना तेज थी कि अपने आप में काबू में ले लिया था कुछ देर के लिए अफरा तफरी का माहौल कायम हो गयो आग लगी की सूचना स्थानीय लोगों ने मेहंदिया पुलिस को दी सूचना के उपरांत दमकल की गाड़ी मौके पर पहुंचकर स्थानीय ग्रामीण के मदद से आग पर काबू पाया लियो इस आग लगी से जयपुर निवासी किसान रामचंद्र महतो ,नुनु दास, नागेंद्र पंडित ,कैलाश दास का कुल मिलाकर लगभग 12 बीघा का पुआल एवं रवि का भूसा जलकर खाक हो गया है।

घर के उपर छत पर सो रहा एक व्यक्ति को जहरीला सांप के काटने से हुई मौत

कैमूर: रामपुर प्रखंड के बेलावं गांव में घर के ऊपर छत पर सो रहा एक व्यक्ति को जहरीला सांप के काटने से मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक बेलावं थाना क्षेत्र के बेलावं गांव निवासी लल्न सिंह के 35 वर्षीय पुत्र अखिलेश कुमार सिंह बताया जाता है। परिजनों ने बताया कि शुक्रवार की रात में घर के ऊपर छत पर सोए हुए थे। तभी आज भोर में एक जहरीला सांप उन्हें काट लिया। जब अचेत होने लगे तो परिजनों द्वारा झाड़ फूंक के लिए सोनभद्र जिला के सोहदाग गांव में ले जाया गया। झाड़-फूंक के बाद भी हालत नहीं सुधरी तो पुनः वापस रामपुर पीएचसी में इलाज के लिए लाया गया। जहां इलाज के दौरान की मौत हो गई है।

शांतिपूर्ण मतदान संपन्न गया संसदीय क्षेत्र छ बजे तक 52% प्रतिशत मतदान हुआ

प्रात : किरण संवाददाता

गया।गया एवं औरंगाबाद संसदीय क्षेत्र के लोकसभा चुनाव गया क्षेत्र के पाच विधानसभा एवं औरंगाबाद संसदीय क्षेत्र के तीन विधानसभा चुनाव क्षेत्र में शांतिपूर्ण मतदान संपन्न हुआ।सबसे पहले आटो रिक्शा से महागठबंधन के उम्मीदवार सर्वजीत कुमार ने युवाओं को रोजगार मिलेगा यह कहा और सभी गया संसदीय क्षेत्र के लोगों को मतदान करने का आह्वान किया था।वही पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने में अपने मतदान का उपयोग किया कहा कि गया में रुके हर विकास कार्य को पुरा किया जाएगा।

10.30 सुबह में डीएम डा एस एम त्यागराजन एवं पत्नी सहित ने गया कॉलेज बुथ पर अपने मताधिकार का प्रयोग किया,वही एस एसपी आशिष भारती ने भी अपने मताधिकार का प्रयोग किया है लोगों को मतदान करने को कहा।गया के जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि शांतिपूर्ण मतदान संपन्न किया गया है आंकलन किया गया 52% किया गया है।कुछ मतदान केंद्र पर वोटीग चल रही है। लोगों को उत्साह देखने को मिला है। कोई भी कमी नहीं रहा है। बहुत ज्यादा ईबीएम बदलने की जरूरत नही पड़ी है सिर्फ दो तीन ईबीएम बदलने की जरूरत पड़ी, वसुंधरा मतदान में लोगों को जागरूक किया गया है।सभी पदाधिकारियों भ्रमण करते हुए, कोई भी शिकायत आए थे उसे तुरंत निपटारा किया गया है।ईबीएम पिछले चुनाव से काफी कम प्रतिशत रही है। गुरुआ मे एक बुथ और टेकारी मे दो बुथ में चुनाव एक लोग ने किया गया है। सबसे ज्यादा से गलियों में भी निगरानी रखी गई थी। बोर्ड श्रेत्र मे भी निगरानी किया जा रहा है। नक्सली इलाकों में बुथ में कोई घटना नही घटी, आ रो पी को झारखंड के बोर्डर पर लगाए गये थे दो समय किया गया था।एक पोलीग बुथ मे पहुंचाने के लिए और एक लाने के लिए आर रो पी को लगाए गये थे।

शहर के वोटीग प्रतिशत कम है वही ग्रामिण इलाकों में बुथ पर ज्यादा भिड रही थी। सताइस लाख लोग ने वोटर थे।एक व्यक्ति गिरफतार किया गया है गुरुआ थाना क्षेत्र से हुई है।अरुण गोयीआ, ग्यारह लोग की गिरफ्तारी कि गयी है।दो कोतवाली और थानो से किया गया है।हल्ला गुल्ला करने वाले को भी गिरफ्तार किया गया था।

क्षेत्रीय कार्यालय आरा द्वारा समीक्षा बैठक सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। दक्षिण बिहार ग्रामीण बैंक, क्षेत्रीय कार्यालय आरा द्वारा समीक्षा बैठक सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया` समारोह का शुभारम्भ मुख्य अतिथि महाप्रबंधक श्री संजय कुमार श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर आरा क्षेत्राधीन 95 शाखाओं के शाखा प्रबंधकों एवं कर्मियों को वित्तीय वर्ष 2023-24 में उनके द्वारा किये गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया ` महाप्रबंधक ने अपने संबोधन में आरा प्रक्षेत्र में रिटेल ऋण में आपार संभावनों को भुनाने के लिए शाखा प्रबंधकों को प्रोत्साहित किया साथ ही साथ उन्होंने कहा कि हमारा बैंक हर वर्ग के लोगों को वित्तीय सुविधाएं देने के लिए प्रतिबद्ध है` क्षेत्रीय अधिकारी श्री विकास कुमार ने रिटेल एवं कृषि दोनों क्षेत्रों में ऋण करने के साथ साथ सामाजिक सुरक्षा योजनाओं को लोगो तक पहुचने की बात कही साथ ही साथ ही साथ सभी प्रबंधकों को वसूली तथा वर्तमान ऋणों को होने से रोकने हेतु प्रोत्साहित किया।

जैन धर्म आध्यात्मिक शुद्धता और आत्मज्ञान का मार्ग सिखाता है

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। दिगंबर जैन शांतिनाथ मंदिर पर चल रहे भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव के दूसरे दिन शनिवार को अपराह्न समय में जैन धर्म पर आधारित भाषण प्रस्तुतिकरण का आयोजन हुआ। भाषण दो खण्डों में संपन्न हुआ। प्रथम खंड में वर्ग 8 तक के बालक-बालिकों के लिए जिनका विषय था जैन धर्म की प्रासिंगता तथा द्वितीय खंड में वर्ग 9 से 12 तक के बालक-बालिकों का जिसमें जैन धर्म की प्राचीनता के विषय पर भाषण की प्रस्तुति हुआ। प्रथम खंड में 17 बच्चें तथा द्वितीय खंड में 7 बच्चें ने भाग लिया।

भाषण प्रस्तुतिकरण की संयोजिका मोनिका जैन एवं अंजू जैन ने बताया की कई विद्यालयों के छात्र एवं छात्राए ने भाषण में भाग लिया। सभी ने अपने स्तर पर अच्छी प्रस्तुति दी। जैन धर्म के प्राचीनता के विषय में प्रतिभागियों ने अपने भाषण में बताया कि जैन धर्म एक प्राचीन धर्म है जो उस दर्शन में निहित है जो सभी जीवित प्राणियों को अनुशासित, अहिंसा के माध्यम से मुक्ति का मार्ग एवं आध्यात्मिक शुद्धता और आत्मज्ञान का मार्ग सिखाता है।

सभी प्रतिभागियों को समिति द्वारा प्रतिभागिता पुरस्कार दिया गया। जैन समाज के मीडिया प्रभारी निलेश कुमार जैन ने बताया कि जैन धर्म अति प्राचीन धर्म है इस धर्म का प्रचार-प्रसार भगवान महावीर ने प्रमुखता से किए तथा उन्होंने जियो और जीने दो, अहिंसा परमो धर्म इत्यादि अनेकों नारे विश्वभर में रह रहे लोगों को दिया। तथा उन्होंने बताया कि भगवान महावीर के सिद्धांतो पर चलकर ही विश्व में शांति की कामना की जा सकती है। संध्याकालीन कार्यक्रम में अष्टद्रव्य थाल सजाओं प्रस्तुति, शोभायात्रा रथ नव निर्माण के दातारों का सम्मान तथा कैसेट डांस के माध्यम से भाव नृत्य की प्रस्तुति हुई। संगठन मंत्री डॉ शशांक जैन ने बताया की रविवार को भगवान महावीर का अवतरण दिवस है।

इस उपलक्ष्य में ऐतिहासिक विशाल शोभायात्रा निकाली जायेगी। इस शोभायात्रा में शामिल होने के लिए कई राज्यों से भक्तगण आरा पहुंच रहे है। कार्यक्रम में अध्यक्ष डा विकास चंद्र जैन, उपाध्यक्ष रमेश जैन, डॉ श्वेता जैन, सचिव अखिलेश कुमार जैन, सह सचिव निलेश कुमार जैन, अजय प्रकाश जैन, कोषाध्यक्ष रजत कुमार जैन सहित सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु शामिल थे।

अरवल मे शिक्षकों पर एक बार फिर चला केके पाठक का डंडा

प्रात : किरण संवाददाता

अरवल। जिले में एक बार फिर शिक्षकों पर केके पाठक का डंडा चला है। कार्य में लापरवाही बरतने के आरोप में शिक्षा विभाग ने 55 शिक्षकों और 10 कर्मचारियों के खिलाफ बड़ा एक्शन लिया है। विभाग ने लापरवाही का आरोप लगाते हुए इन सभी शिक्षकों का एक दिन का वेतन काटने का आदेश जारी कर दिया है।दरअसल, शिक्षा विभाग के एसीएस का पद संभालने के बाद से ही केके पाठक शिक्षा व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए लगातार कड़े फैसले ले रहे हैं। उनके फैसलों से कभी-कभी सरकार को भी फजीहत झेलना पड़ता है। एसीएस केके पाठक के आदेश पर लापरवाह शिक्षकों के साथ-साथ शिक्षा विभाग के कर्मियों के खिलाफ भी लगातार एक्शन हो रहे हैं। ताजा मामला अरवल जिले का है, जहां शिक्षा विभाग ने 55 शिक्षकों और 10 कर्मचारियों के एक दिन का वेतन काटने का आदेश जारी किया है।अरवल की जिला शिक्षा पदाधिकारी बिंदु कुमारी ने बताया कि 18 अप्रैल को मध्याह्न भोजन का उपयोगिता प्रमाण पत्र नहीं देने पर 55 स्कूलों के प्रभारी का एक दिन का वेतन काटने का आदेश शिक्षा विभाग ने दिया है। हर दिन स्टेट आईवीआरएस के टीम के द्वारा जवाब मांगा जाता है। 18 अप्रैल को 55 शिक्षकों ने कोई जबाब नहीं दिया था। जिसपर एक्शन लेते हुए शिक्षा विभाग ने एक दिन का वेतन काटने का आदेश दिया है। शिक्षा विभाग ने शिक्षा में गुणात्मक सुधार को लेकर सभी स्कूलों के रोस्टर की जांच का निर्देश दिया था। डीईओ ने 18 मार्च को कई स्कूलों का रोस्टर के अनुसार जांच करने का निर्देश दिया था।

दुगार्पुर मे रामनवमी के अवसर पर दुगोला कार्यक्रम का उद्घाटन किया : राजाराम सिंह

प्रात : किरण संवाददाता

हसपुरा: प्रखंड क्षेत्र के दुगार्पुर गांव में रामनवमी पूजा के अवसर पर आयोजित दुगोला सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं 2024 मे मैट्रिक और इंटर उतीर्ण छात्र-छात्राओं का सामान समारोह आयोजन किया गया। कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए काराकाट लोक सभा क्षेत्र के इंडिया गठबंधन के समर्पित उम्मीदवार राजाराम सिंह ।

इस दौरान उपस्थित लोगों के संबोधित करते हुए राजाराम सिंह ने कहा कि यह कोई राजनीतिक मंच नहीं है जिस पर मैं ज्यादा राजनीति की बातें कह सकूं उन्होंने कहा कि समय-समय संस्कृति कार्यक्रम होनी चाहिए क्योंकि ऐसे कार्यक्रमों से अपनी सभी मतभेद मिटा कर आपस में भाईचारा कायम होता है। उन्होंने कहा कि यह मगध की धरती भगवान बुद्ध की धरती है। इस दौरान मौजूद लोगों ने अपनी बातों के रखते हुए कहा कि राजाराम सिंह एक व्यक्ति नहीं विचार हैं।

राजाराम सिंह के दिलों में बसते हैं ग्राम दुगार्पुर गांव के लोग। रामनवमी पूजा कमेटी के द्वारा 2024 मे मैट्रिक और इंटर उतीर्ण छात्र-छात्राओं का मेडल देकर पुरस्कृत किया गया। इस मौके पर रंजन कुमार पत्रकार , जितेंद्र कुमार विचारक, समेत रामनवमी पूजा कमेटी के सभी सदस्य गण उपस्थित रहे।

बिहार सरकार के मंत्री डॉ संतोष कुमार सुमन ने गया की जनता का जताया आभार

गया की जनता ने पीएम मोदी और जीतन राम मांझी में जताया विश्वास : डॉ संतोष कुमार सुमन

प्रात : किरण संवाददाता

गया : बिहार में लोकसभा चुनाव के पहले चरण में गया समेत बिहार की चार सीटों पर वोटिंग खत्म हो गई है। इसके बाद बिहार सरकार के माननीय मंत्री सह हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (से.) के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉक्टर संतोष कुमार सुमन ने गया की जनता का आभार जताया और दावा किया कि गया सुरक्षित सीट से एनडीए समर्थित हम(से.) के प्रत्याशी पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी की जीत तय है। उन्होंने कहा कि गया की जनता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के 400 लक्ष्य में अपना योगदान देते हुए जीतन राम मांझी के पक्ष में जमकर मतदान किया है जिससे यहां एनडीए की जीत है। इसके अलावा बिहार की चारों सीटों पर एनडीए बड़ी मार्जिन से जीत दर्ज करने वाली है। डॉ संतोष कुमार सुमन ने चुनाव समाप्त होने के बाद गया की जनता का आभार जताते हुए कहा कि गया की जनता ने पहले चरण के मतदान में अपना कर्तव्य निभाया है और लोकतंत्र की महानता को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में अपना योगदान दिया है। उनके विश्वास और समर्थन के लिए मैं आपका ह्रदय से आभारी हूं। उन्होंने कहा कि एनडीए प्रत्याशी जीतन राम मांझी के लिए जनता का आशीर्वाद मुझे महत्वपूर्ण है। मैं विश्वास दिलाता हूं कि वे गया क्षेत्र के विकास और समृद्धि के लिए पूरी ईमानदारी और प्रतिबद्धता से काम करेंगे। जनता के साथ मिलकर, वे गया के लिए एक सशक्त और समृद्ध भविष्य का निर्माण करेंगे।

काराकाट लोकसभा से इंडिया गठबंधन से माले प्रत्याशी राजाराम सिंह ने एनडीए के नेताओं पर साधा निशान

प्रात : किरण संवाददाता

रोहतास। काराकाट लोकसभा सीट से इंडिया गठबंधन समर्थितय माले प्रत्याशी राजाराम सिंह ने बिहार में चार सीटों पर हुए लोकसभा चुनाव में चारों सीटों पर इंडिया गठबंधन के प्रत्याशियों के जीत का दावा किया है। राजाराम सिंह ने कहा कि इस बार देश में लोकसभा चुनाव संविधान बचाओ, रोजगार, किसानों के कल्याण के मुद्दे पर इंडिया गठबंधन चुनाव लड़ रही है। इसलिए देश की जनता अपना मन बन चुकी है और देश में सत्ता परिवर्तन लाते हुए इंडिया गठबंधन को देश की सत्ता सौंपने जा रही है। वहीं भाजपा नेता और बिहार सरकार के श्रम मंत्री संतोष कुमार सिंह द्वारा दिए गए बयान की माले मुड़ीकटवा पार्टी है पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा भाजपा नेताओं की भाषा इसी तरह से खराब हो चुकी है जब उनके नेता नरेंद्र मोदी का भाषण गलत हो गई है तो उनके नेताओं के बारे में क्या कहना ये सही बात है कि देश में भाकपा माले ने गरीबों के हक के लिए बड़ी लड़ाइयाँ लड़ी है जिससे भाजपा को एतराज है। और इस लोकसभा चुनाव में हो रही अपनी हार से एनडीए गठबंधन के नेता फ्रस्ट्रेटेड हो गए हैं। वही भोजपुरी के गायक और नायक पवन सिंह के काराकाट लोकसभा से चुनाव लड़ने पर राजाराम सिंह ने कहा कि संविधान में सभी को चुनाव लड़ने का अधिकार है चुनाव में उपेंद्र कुशवाहा और पवन सिंह के आने से इंडिया गठबंधन को कोई प्रभाव नहीं पड़ने वाला है।

सुपर जोनल मजिस्ट्रेट नगर आयुक्त द्वारा वजीरगंज विधानसभा क्षेत्र मे बुथो का निरीक्षण

प्रात : किरण संवाददाता

गया।विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत में लोक सभा चुनाव के प्रथम चरण में गया जिला लोकतंत्र का महापर्व में नगर आयुक्त अभिलाषा शर्मा सहायक निवार्ची पदाधिकारी सह सुपर जोनल मजिस्ट्रेट द्वारा वजीरगंज विधान सभा क्षेत्र के मानपुर एवं वजीरगंज प्रखंड के विभिन्न मतदान केंद्रों पर चल रहे मतदान का निरीक्षण किया गया है। मतदान केंद्रों पर मतदान कर्मियों से मतदान से संबंध में जानकारी ली गई है। सभी मतदान केंद्रों पर शांतिपूर्ण तरीके से मतदान चल रहा था। मतदाता लाइन लगाकर अपने मताधिकार का प्रयोग कर रहे थे। मतदान केंद्रों पर पानी की व्यवस्था पाई गई है। सहायक निवार्ची पदाधिकारी द्वारा लगातार जोनल मजिस्ट्रेट एवं सेक्टर मजिस्ट्रेट से सभी मतदान केंद्रों का मतदान संबंधी रिपोर्ट लिया गया हू। शर्मा द्वारा मतदाताओं से अपील की गई की ज्यादा से ज्यादा मतदाता अपने अपने घरों से निकल कर आएं एवं अपने मत का प्रयोग कर अपने गया जिला के मत प्रतिशत को बढ़ाएं। वोट दे रहें मतदाताओं से अपने परिवार एवं आस पड़ोस के मतदाताओं से अपने मत का प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित करने की भी अपील की गई ताकि गया जिला का और वोट प्रतिशत बढ़े।

बारुण प्रखंड के पिपरा का अष्टभुजी मंदिर में साक्षात विंध्यवासिनी माता की प्रतिकृति

प्रात : किरण संवाददाता

औरंगाबाद। औरंगाबाद जिले के बारुण प्रखंड के पिपरा गांव में अवस्थित अष्टभुजी माता का मंदिर एवं गर्भ गृह में स्थापित मूर्ति हजारों वर्ष पूर्व स्थापित की गई थी।अष्टभुजी माता की मूर्ति को देखकर ऐसा लगता है कि साक्षात विंध्यवासिनी मां यहां विराजमान है। जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन औरंगाबाद के उपाध्यक्ष सुरेश विद्यार्थी ने मूर्ति का अवलोकन करते हुए बताया कि हजारों वर्ष पूर्व गढ़वाल राज्य जो अब उत्तराखंड के नाम से जानी जाती है वहां के राजा देशाटन के क्रम में नदी मार्ग से बिहार प्रांत आए तो सोन नदी के किनारे एक पीपल वृक्ष के नीचे अष्टभुजी माता की मूर्ति उन्हें प्राप्त हुई। सोन नदी के सामने बसे पिपरा गांव में उन्होंने कुछ दिन निवास किया। और उन्होंने वहीं पर अष्टभुजी माता की मूर्ति की स्थापना कराई।हाल फिलहाल तक उनके वंशज यहां निवास करते थे।वर्तमान महंत सच्चिदानंद मिश्र ने बताया कि यह मंदिर सिद्ध पीठ के रूप में जानी जाती है।यह विंध्यवासिनी माता का साक्षात प्रतिरूप को प्रदर्शित करने वाली अष्टभुजी माता की मूर्ति अत्यंत मनोहारी है। दर्शन मात्र से मन में भक्ति की धारा उमड़ पड़ती है।नवरात्र के मौके पर भक्तों की यहां भारी भीड़ लगती है।सावन माह में इस मंदिर में विशेष पूजा अर्चना की जाती है।अष्टभुजी माता मंदिर समिति के अध्यक्ष अक्षय लाल गुप्ता, सचिव सुधीर पाल एवं अन्य ग्रामीणों ने बताया कि अष्टभुजी माता के दर्शन के लिए पिपरा गांव के अगल-बगल बसे 10 पंचायत के सैकड़ो गांव में लोग वार्षिक समारोह पर पूजा पाठ करने आते हैं।शादी ब्याह के मौके पर अथवा घर में विशेष कार्य आरंभ के पूर्व अष्टभुजी माता का पूजा अर्चना जरूर करते हैं।पूरा औरंगाबाद जिला शक्ति के स्थलों के लिए जाना जाता है दक्षिण में गजना माता, पूर्व में उमंगेश्वरी, पश्चिम में सत्यचंडी धाम,मध्य भाग में सतबहिनी माता अंबा शक्तिपीठ के रूप में है।तो उसी कड़ी में औरंगाबाद के उत्तरी भाग में पिपरा के अष्टभुजी मंदिर अपनी गौरवशाली परंपरा को व्याख्यायित करती है।इस परिसर में विष्णु भगवान,हनुमान जी,भगवान विश्वकर्मा, दुर्गा माता, शंकर भगवान,कृष्ण मंदिर, गोवर्धन पहाड़, संत रैदास ग्राम देवी, बाबा गणिनाथ, राहु केतु मंदिर स्थापित है।

अग्निशमन सेवा सप्ताह दिवस पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन

बिक्रमगंज (रोहतास) स्थानीय शहर के तेंदुनी चौक स्थित डीएवी पब्लिक स्कूल में शनिवार को अग्निशामालय अंतर्गत अग्निशमन सेवा सप्ताह दिवस के अवसर पर पोस्टर प्रतियोगिता का अयोजन हुआ।

जिस कार्यक्रम का शुभारंभ अग्निशमालय पदाधिकारी रोहन प्रसाद यादव ने की। अवसर पर स्कूल के छात्रों ने अग्नि सुरक्षा जागरूकता से जुड़े पोस्टर का चित्रांकन प्रस्तुत की। जिसमे अच्छे चित्रांकन के लिए अव्वल आए फर्स्ट,सेकेंड व थर्ड श्रेणी के छात्र-छात्राओं को अग्निशमालय पदाधिकारी द्वारा पुरस्कृत किया गई। जिस प्रतियोगिता में भाग लेने अन्य छात्रों को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संबोधन करते हुए अग्निशमालय पदाधिकारी रोहन ने बताया कि आग से घिर जाने पर खिड़की, दरवाजों आदि पर जाकर शोर मचाकर बाहर के लोगों से मदद मागें। जब अपने कपड़ों में आग लगने पर भागे नहीं। जमीन पर लेट कर अथवा कम्बल लपेट कर उसे बुझाने की कोशिश करें। साथ ही घर की सभी वस्तुओं को सुव्यवस्थित ढंग से रखें । वही आग बुझाने वाले यंत्रों तहत गीले रसायन, उड2, सूखा पाउडर, फोम और पानी से आग बुझाकर जा सकता है। मौके पर विद्यालय प्राचार्य ,अग्निशमालय कर्मी रमाकांत सिंह,राकेश कुमार गुप्ता,सचिन कुमार, अंकज कुमार कर्मचारी सहित अन्य लोग उपस्थित थें।

गया संसदीय क्षेत्र की उपस्थिति में जिला निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा स्कूटर्नी की गई

गया। गया संसदीय क्षेत्र के सभी 6 विधानसभा बेला, गया सदर, वजीरगंज, बोधगया, बाराचट्टी एव शेरघाटी विधानसभा के पोलेड ईभीएम को पूरे रात तक जमा करवाया गया है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिला पदाधिकारी गया डॉ० त्यागराजन एसएम के निगरानी में पूरे शांतिपूर्वक माहौल में सभी ईवीएम मशीन को गया कॉलेज में बनाये गए स्ट्रांग रूम में जमा कराया गया है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा रात भर निगरानी की गई है। सुबह सभी प्रत्याशी के साथ सामान्य प्रेक्षक गया संसदीय क्षेत्र की उपस्थिति में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह डीएम द्वारा स्कूटर्नी की गई। कोई रिपोले कही नहीं है। सभी प्रत्याशी ने कोई भी आपत्ति नही जताया है। गया संसदीय क्षेत्र की 52.7 मतदान प्रतिशत है। शांतिपूर्वक माहौल में मतदान कार्य संपन्न हुआ है।सभी प्रत्याशी एवं सामान्य प्रेक्षक गया संसदीय क्षेत्र के समक्ष जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिला पदाधिकारी की उपस्थिति में सभी विधानसभा वार स्ट्रांग रूम को सील किया गया है। स्ट्रांग रूम सील के बाद लकड़ी के सीट से पैक भी करा दिया गया है। इसके साथ ही सभी खिड़कियों को भी सीट से पैक कर दिया गया है। सभी कैंडिडेट्स को सीसीटीवी के सामने, स्ट्रांग रूम के दरवाजे देखने के लिए 24 घंटे की व्यवस्था की गई है। स्ट्रांग रूम की कड़ी सुरक्षा रहेगी। दो लेयर में सुरक्षा में तैनाती हुई है। इनर लेयर में सुरक्षा की जिम्मा सीआईएसएफ के प्लाटून को तथा आउटर लेयर बीएसआइएफ के जिम्मा रखी गई है। सुरक्षा की पुख्ता इंतजाम की गई है। ईवीएम स्ट्रांग रूम में चप्पे चप्पे पर सीसीटीवी लगाए गए हैं। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने निर्देश दिया है कि हर दिन रोस्टर के अनुसार एडीएम स्तर के अधिकारी निश्चित तौर पर स्ट्रांग रूम का विजिट करेंगे। एव चेकलिस्ट के अनुसार जांच करेंगे। नगर आयुक्त को निर्देश दिया गया कि परिसर की साफ सफाई की पूरी व्यवस्था रखे।

डीएम ने उप निर्वाचन पदाधिकारी को निर्देश दिया कि ईवीएम स्ट्रांग रूम का लॉगबुक संधारित रखे। विजिटर बुक भी संधारित रखने के लिये रजिस्टर उपलब्ध करवाए। इसके अलावा ड्यूटी रोस्टर लिखने के लिये भी रजिस्टर उपलब्ध करवाए।जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने सीआईएसएफ के उपस्थित अधिकारी को कहा कि सभी प्रकार के राजिस्ट को पूरी अच्छी तरह डिटेल्स में भरेंगे। इस अवसर पर सभी 6 विधानसभा के निवार्ची पदाधिकारी, सहायक निवार्ची पदाधिकारी, अपर समाहर्ता लोक शिकायत, अपर समाहर्ता विधि व्यवस्था, जिला लेखा पदाधिकारी, कार्यपालक अभियंता भवन, पुलिस उपाधीक्षक गया टाउन क्षेत्र संख्या-2, थानाध्यक्ष रामपुर सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

अंतिम दिन स्नातक थ्री की परीक्षा सभी केंद्रों पर शांतिपूर्ण हुई संपन्न

बिक्रमगंज (रोहतास) अंतिम दिन शनिवार को स्नातक खंड तीन वर्ष 2021-24 की फाइनल परीक्षा शहर के तीन परीक्षा केंद्रों पर पहली पाली में शांतिपूर्ण संपन्न हो गई। संचालित परीक्षा के अंतिम दिन भी वीर कुंवर सिंह महाविद्यालय,धारूपुर परीक्षा केंद्र पर कदाचारमुक्त परीक्षा के कारण परीक्षार्थियों के पसीने छूटते नजर आए। जहां महाविद्यालय प्रशासन संचालित परीक्षा 5 से 20 अप्रैल के अंतिम दिन भी परीक्षा केंद्र पर सघन अभियान जारी रखा। जिसको लेकर परीक्षा केंद्र पर सभी परीक्षार्थियों में सख्ती की चर्चा उनके जुबां पर थी। जबकि शहर में बने तीन परीक्षा केंद्रों में अंजबित सिंह महाविद्यालय,वीर कुंवर सिंह धारूपुर,महाविद्यालय सहित इंदु तपेश्वर सिंह महिला महाविद्यालय थी। जिसके तहत सबसे अधिक परीक्षार्थियों की संख्या 2793 वीर कुंवर सिंह केंद्र परीक्षा केंद्र पर थी। जहां शनिवार के अंतिम दिन पहली पाली में सभी केंद्रों पर कला संकाय की जीईएस विषय की संपन्न हुई। हालांकि परीक्षा के अंतिम दिन भी तीनों परीक्षा केंद्र पर कोई परीक्षार्थी निष्कासित नही हुए, लेकिन कुछ अनुपस्थित जरूर रहें। सख्ती पूर्ण संपन्न परीक्षा के संबंध में वीर कुंवर सिंह महाविद्यालय,धारूपुर केंद्राधीक्षक डॉ. सुरेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि कदाचारमुक्त स्नातक संचालित परीक्षा के अंतिम दिन 20 अप्रैल को भी परीक्षा केंद्र में मुन्ना भाई, मोबाईल, ब्लूटूथ,गेस पेपर,इलेक्ट्रानिक उपकरण सहित चिट पुर्जे के विरुद्ध परीक्षा केंद्र के प्रवेश द्वार से लेकर सभी परीक्षा केंद्र रूम के अंदर सघन जांच कर नकलची पर पैनी नजर महाविद्यालय प्रशासन द्वारा रखी गई। जिससे परीक्षाथीर्यों दहशत कायम थी।वही इंदु तपेश्वर सिंह महिला महाविद्यालय परीक्षा केंद्राधीक्षक बिनोद कुमार सिंह भी पूरे परीक्षा तक नकल के प्रति काफी सख्त नजर आए।

ठग लाइफ में तृषा कृष्णन के साथ जमेगी सिम्बू की जोड़ी

कमल हासन की मुख्य भूमिका वाली ठग लाइफ तमिल फिल्म उद्योग की बहुप्रतीक्षित परियोजनाओं में से एक है। फिल्म निर्माता मणिरत्नम द्वारा निर्देशित यह सितारों से सजी फिल्मों में से एक है। कुछ दिनों पहले ऐसी खबरें आईं कि दुलकर सलमान और जयम रवि इस परियोजना से बाहर हो गए हैं, लेकिन हाल ही में अटकलें थीं कि यह जोड़ी परियोजना पर वापस आ गई है। वहीं अब कलाकारों की टीम में अभिनेता सिलंबरासन उर्फ सिम्बू भी कलाकारों में शामिल हो गए हैं।

इस दिन शुरू होगी शूटिंग

हालिया अपडेट के अनुसार, सिलंबरासन को ठग लाइफ में एक प्रमुख भूमिका निभाने की पुष्टि की गई है और उनकी जोड़ी अभिनेत्री तृषा कृष्णन के साथ बनेगी। इस फिल्म से पहले दोनों रोमांटिक ड्रामा फिल्म विन्नैथंडी वरुवाया में साथ नजर आए थे। सिलंबरासन में कमल हासन के साथ संयोजन दृश्य भी होंगे, जिनकी शूटिंग मई के पहले सप्ताह से शुरू होगी। ठग लाइफ का एक शेड्यूल जैसलमेर में शूट किया जाएगा, जिसमें अभिनेता तृषा, सिलंबरासन, गौतम कार्तिक, नासिर और ऐश्वर्या लक्ष्मी भाग लेंगे। इसके बाद दल दिल्ली चला जाएगा। चुनाव के बाद शूटिंग होगी शुरू सिलंबरासन की कास्टिंग को लेकर मेकर्स अब तक चुप्पी साधे हुए हैं। इससे

पहले यह कहा गया था कि दुलकर सलमान और जयम रवि दोनों ने तारीखों के मुद्दों के कारण परियोजना से बाहर कर दिया था। हालांकि, हालिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि दोनों प्रोजेक्ट पर वापस लौट आए हैं। राज कमल फिल्म्स इंटरनेशनल और मद्रास टॉकीज द्वारा समर्थित ठग लाइफ क्लासिक गैंगस्टर फिल्म नायकन के बाद कमल और मणिरत्नम के पुनर्मिलन का प्रतीक है। लोकसभा चुनाव के कारण फिल्म का निर्माण रोक दिया गया था।

विद्या बालन ने जाहिर की अपनी दिली ख्वाहिश

बॉलीवुड अभिनेत्री विद्या बालन अपनी फिल्म दो और दो प्यार को लेकर खूब सुर्खियां बटोर रही हैं। बोल्ड और बेबाक अंदाज के लिए प्रसिद्ध विद्या बालन की फिल्मों का फैंस बेसब्री से इंतजार करते हैं। उनकी फिल्म दो और दो प्यार रिलीज हो गई है। यह एक रोमांटिक फिल्म है, जिसका निर्देशन शीर्ष गुहाल ठाकुरता ने किया है। इस फिल्म को लेकर विद्या लागातार इंटरव्यू दे रही हैं। इसी दौरान विद्या ने अपनी एक दिली इच्छा जाहिर की है।

विद्या बालन ने अपने करियर में कई तरह की फिल्में की हैं। विद्या अब शाहरुख के साथ एक रोमांटिक फिल्म करना चाहती हैं, ताकि वह अपने फैंस को और भी एंटरटेन कर सकें। साल 2007 में आई विद्या की फिल्म हे बेबी में शाहरुख खान ने कैमियो किया था। शाहरुख इस फिल्म के गाने मस्त कलंदर में नजर आए थे। इस फिल्म में उनके साथ अक्षय कुमार, रितेश देशमुख और फरदीन खान नजर आए थे। हालांकि यह बात और कि यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई। लेकिन अब जबकि विद्या ने शाहरुख के साथ रोमांटिक फिल्म करने की इच्छा को जाहिर कर दिया है, ऐसे में देखना यह है कि इस पर शाहरुख का कोई रिएक्शन आता भी है या नहीं। एक इंटरव्यू के दौरान जब विद्या से पूछा गया कि वह बॉलीवुड में किस अभिनेता के साथ काम करना चाहती हैं तो उन्होंने कहा, मेरा किरदार शाहरुख खान के साथ फिल्म ओम शांति ओम में बहुत ही कम समय के लिए था, लेकिन मैं शाहरुख के साथ एक अच्छी लव स्टोरी में काम करना चाहती हूं। हाल ही में एक और इंटरव्यू में विद्या ने कहा था कि वह कॉमेडी फिल्म करना चाहती हैं। इसपर विद्या ने कहा, बतौर अभिनेत्री में मुझे कभी कॉमेडी फिल्म करने का मौका नहीं मिला, लेकिन मैं करना चाहती हूं। मुझे लगता है कि हंसना और हंसाना है, थोड़े दिनों के लिए, थोड़े टाइम के लिए, थोड़े सालों के लिए।

हर्षवर्धन कपूर ने ट्रोल करने वालों को दिया मुंहतोड़ जवाब

सोशल मीडिया पर अक्सर सितारे ट्रोल्स के निशाने पर रहते हैं। आए दिन बॉलिवुड अभिनेता-अभिनेत्रियों की ट्रोलिंग से जुड़ी खबरें सुर्खियां बटोरती हैं। ताजा मामले में ट्रोल्स ने हर्षवर्धन कपूर को शिकार बनाया है। उनके एक पोस्ट पर कमेंट करते हुए एक यूजर ने लिखा, एक अच्छी फिल्म करो, कब तक आप अपने पापा के पैसे से जूते खरीदोगे? इसके बाद हर्षवर्धन कपूर ने भी ट्रोल करने वालों को तगड़ा जवाब दिया।

हर्षवर्धन ने दिया ट्रोल को मुंहतोड़ जवाब

हर्षवर्धन अक्सर सोशल मीडिया पर ट्रोलर्स को आड़े हाथ लेते रहते हैं । वह अन्य सितारों की तरह ट्रोलर्स को नजरअंदाज नहीं करते । हाल हीं में एक ट्रोल ने उनकी अभिनय क्षमता, फिल्मों के चयन को लेकर आलोचना करते हुए कहा कि वह अपने पिता अनिल कपूर के पैसे से जूते खरीदते हैं। दरअसल हर्षवर्धन कपूर ने मैनचेस्टर सिटी फुटबॉल टीम को लेकर एक आलोचनात्मक पोस्ट अपने एक्स अकांउट पर किया था। इस पर एक ट्रोल ने कमेंट किया, एक अच्छी फिल्म कर लो, कब तक पापा के पैसे से जूते खरीदोगे? इस पर हर्षवर्धन ने जवाब दिया, मैं तुम्हारी फिल्में कहां देख सकता हूं? तुमने कितनी फिल्में की हैं? मैनें तो रे,थार,भावेश जोशी, ए.के. वर्सेज ए.के. और मिर्जया की हैं, तुम कौन हो?.. एक हारा हुआ व्यक्ति!

आखिरी बार फिल्म थार में आए थे नजर

हर्षवर्धन कपूर एक प्रतिभावान अभिनेता हैं, जिन्हें मिर्जया और भावेश जोशी जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता है। हालांकि इन फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर बहुत ज्यादा कामयाबी तो हासिल नही की, लेकिन दर्शकों से इन्हें प्यार जरूर मिला। वह सदाबहार अभिनेता अनिल कपूर के बेटे और अभिनेत्री सोनम कपूर के भाई हैं।

डीपफेक वीडियो से परेशान हुए रणवीर

टेक्नॉलजी में तरक्की ने जहां लोगों की कई समस्याओं को सुलझाया है, तो वहीं इसने कई ऐसी नई समस्याओं को जन्म भी दिया है। आए दिन कोई न कोई इसका शिकार बनता है। कुछ समय पहले पुष्पा फेम अभिनेत्री रश्मिका मंदाना का एक डीपफेक वीडियो वायरल हुआ था, जिसे लेकर काफी हल्ला भी मचा था। अब बॉलीवुड एक्टर रणवीर सिंह इसके शिकार बने हैं। अभिनेता का एक डीपफेक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वह राजनीतिक पार्टी को प्रमोट करते हुए दिखाई दे रहे हैं। रणवीर सिंह इस फर्जी वीडियो में एक राजनीतिक पार्टी का प्रचार करते हुए दिखाई दे रहे हैं। बीते कुछ दिनों में यह वीडियो काफी तेजी से फैल रही थी। इस वीडियो को लेकर रणवीर सिंह ने अपने सोशल मीडिया अकांउट पर प्रतिक्रिया देते हुए लोगों से डीपफेक से बचने की चेतावनी दी है। अभिनेता ने इस तरह के वीडियो से लोगों को बचने की सलाह देते हुए सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा किया है। रणवीर सिंह से पहले आलिया भट्ट, कटरीना कैफ, काजोल, रश्मिका मंधाना, नोरा फतेही समेत कई अन्य सितारे भी इस डीपफेक ट्रेंड का शिकार बन चुके हैं। तेजी से वायरल हो रही रणवीर सिंह की इस वीडियो को एडिट कर के आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स के माध्यम से बनाया गया है। इस वीडियो को रणवीर के हालिया वाराणसी दोरे से जोड़ा गया है, वह वाराणसी के नमो घाट पर अभिनेत्री कृति सैनन के साथ मशहूर डिजायनर मनीष मल्होत्रा के फैशन शो में हिस्सा लेने के लिए पहुंचे थे।

मैं अमरजोत कौर-अमर सिंह चमकीला की तरह जिंदगी जीना चाहती हूं

निर्देशक इम्तियाज अली की फिल्म चमकीला की रिलीज के बाद पूरा सोशल मीडिया फिल्म की तारीफों से भर गया है। जहां देखो सिर्फ और सिर्फ चमकीला की ही तारीफ हो रही है। इसके साथ ही फिल्म के दोनों कलाकार दिलजीत दोसांझ और परिणीति चोपड़ा के अभिनय की भी जमकर तारीफ हो रही है।

फिल्म में परिणीति चोपड़ा ने अमरजोता कौर का किरदार निभाया है, जबकि दिलजीत दोसांझ ने फिल्म में सिंगर अमर सिंह चमकीला का किरदार निभाया है। यह फिल्म 12 अप्रैल को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी। परिणीति के फैंस का मानन है कि वह फिल्म चमकीला के जरिए फिल्मों में वापस आ चुकी हैं और अब वह लगातार फिल्में करती रहेंगी। फिल्म चमकीला से चमक गई हैं परिणीति चोपड़ा की भी किस्मत। फिल्म चमकीला की चारों ओर तारीफ हो रही है। पूरा सोशल मीडिया में फिल्म के अलावा परिणीति और दिलजीत के अभिनय की भी जमकर तारीफ हो रही है। इसी दौरान एक इंटरव्यू में जब परिणीति से पूछा गया कि वह क्या करेंगी अगर वह दूसरी दुनिया में निभाए गए किरदार अमरजोत कौर से मिलती हैं तो? परिणीति ने कहा, मैं सोच भी नहीं सकती। वे दोनों मेरे लिए भगवान की तरह हैं। इस बारे में ही सोचकर मेरे रौंगटे खड़े हो गए हैं। आगे परिणीति ने कहा वह सच्चे क्रांतिकारी थे। वह सच में भारत और भारतवासियों की सेवा कर रहे थे। बिना अपनी परवाह करे बगैर, यह सोचे बगैर कि इसकी वजह से उनकी मृत्यु भी हो सकती है। लेकिन उन्हें इसकी बिल्कुल भी परवाह नहीं थी। वह जिए और उन्होंने अच्छे से परफॉर्म किया, उन्हें केवल अपने दर्शकों की चिंता थी। आगे परिणीति कहती है कि वह अपने निभाए गए अमरजोत कौर के किरदार की तरह ही अपना जीवन जीना चाहती है। परिणीति ने कहा, मैं अपना जीवन उस तरह से जी पाऊंगी जैसा मैं जीना चाहती हूं। मुझे लगता है कि चमकीला और अमरजोत जी के बारे में यह बहुत बड़ी बात है। वे दोनों (अमरजोर कौर और दिलजीत) कभी किसी के दबाव में नहीं झुके। फिल्म चमकीला पंजाब के मशहूर सिंगर अमर सिंह चमकीला पर आधारित फिल्म है। इस फिल्म को लगातार सोशल मीडिया पर भरपूर प्यार मिल रहा है। साथ ही दर्शक और बॉलीवुड की कई हस्तियां लगातार फिल्म को लेकर अपने रिव्यू स्टारकास्ट के सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर कर रहे हैं।

ब्लाइंड स्कूल में दृष्टिबाधितों से घंटों मिलते थे राजकुमार राव

श्रीकांत का किरदार निभाने में लगा डर

अभिनेता राजकुमार राव अपनी आने वाली फिल्म श्रीकांत – आ रहा है सबकी आंखें खोलने को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। ट्रेलर रिलीज होने के बाद से ही दर्शक इस फिल्म को देखने का इंतजार कर रहे हैं। दर्शक इस अनूठी फिल्म को देखने के लिए काफी उत्सुक नजर आ रहे हैं। उन्हें उम्मीद है कि इस फिल्म के जरिए उनको लीक से हटकर कुछ देखने को मिलेगा। दर्शकों की ओर से जिस तरह की प्रतिक्रियाएं आ रही है, उसे देखकर लगता है कि फिल्म का ट्रेलर लोगों पर असर कर चुका है। इसी बीच, राजकुमार राव ने इस फिल्म को लेकर कुछ बातें साझा की है।

श्रीकांत की कहानी काफी प्रेरणादायक है

राजकुमार राव ने कहा कि इस फिल्म की कहानी काफी प्रेरणादायक है। श्रीकांत का जन्म एक बहुत ही गरीब परिवार में हुआ था। उन्होंने अपने जीवन में बहुत कुछ हासिल किया है। उन्होंने एक मिलियन डॉलर की कंपनी को खड़ा किया। मैं सोचता हूं कि यह कहानी मेरे लिए काफी प्रेरणा से भरी है। मालूम हो कि यह फिल्म दृष्टिबाधित भारतीय उद्योगपति श्रीकांत बोल्ला के जीवन पर आधारित है। फिल्म में राजकुमार राव ने श्रीकांत का किरदार निभाया हैं।

राजकुमार राव ने कहा कि श्रीकांत दृष्टिबाधित हैं। इससे पहले मैंने कभी ऐसा किरदार अदा नहीं किया है। यह किरदार मेरे लिए काफी चुनौतीपूर्ण था। मुझे लगा कि इस किरदार को करने में काफी डर लगेगा, लेकिन जब डर लगेगा तभी तो मजा आएगा। राजकुमार ने फिल्म की तैयारी पर बात करते हुए कहा कि वे ब्लाइंड स्कूल में जाया करते थे और दृष्टिबाधित लोगों के साथ घंटों बिताते थे। उनकी जिंदगी के बारे में जानना, वे दुनिया को कैसे देखते हैं और उनके अंदर क्या चलता है। यह सब जानना बहुत जरुरी था। इसके अलावा श्रीकांत के साथ भी खूब समय बिताया।

फिल्मों में कब वापसी करेंगे इमरान खान?

अभिनेता ने खुद दिया जवाब

बॉलीवुड अभिनेता इमरान खान काफी लंबे समय से फिल्मों से दूर है। उनके चाहने वाले उन्हें बड़े पर्दे पर देखने के लिए तरस गए हैं। इमरान की वापसी को लेकर प्रशंसक सोशल मीडिया पर भी चर्चा करते रहते हैं। हाल ही में, खुद इमरान खान ने इस सवाल का जवाब दे दिया है कि वे फिल्मों में कब वापसी करेंगे।

करियर से जुड़े सवालों के दिए जवाब

इमरान खान ने हाल ही में दिए एक साक्षात्कार में अपने करियर से जुड़े कई सवालों का जवाब दिया। इनमें किसी नई फिल्म की स्क्रिप्ट मिलने और फिल्मों में वापसी करने का सवाल सबसे बड़ा था। इमरान ने अपना जवाब देते हुए कहा कि वे अभी भी फिल्मों में लौटने पर विचार कर रहे हैं। कुछेक चीजें मिली है, जो उन्हें पसंद आई है, लेकिन कोई ऐसा काम फिलहाल नहीं मिला है, जो बनने के लिए तैयार हो।

इमरान खान ने फिल्मों से दूर होने का फैसला करने के सवाल का बड़ा ही दिलचस्प जवाब दिया। उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि जिंदगी करियर से कहीं ज्यादा है। मेरी पहचान केवल बॉलीवुड अभिनेता होने से ही नहीं है। वे सफलता को ज्यादा काम मिलने या कमाई करने से नहीं मापते हैं। उनका मानना है कि अहम बात यह है कि आखिर एक आदमी जीवन से क्या चाहता है। उन्हें हमेशा ऐसा लगता था कि अगर वे वाकई में ज्यादा काम या कमाई करना चाहते हैं, तो वे फिल्मों में लौटने का रास्ता ढूंढ सकते थे। अभिनय के अलावा वे निर्देशन या स्वतंत्र फिल्में भी बना सकते थे।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com

संक्षिप्त खबरें

प्रतिमा प्राण प्रतिष्ठा को लेकर गलत सौभाग्य यात्रा का किया गया आयोजन

संग्रामपुर(मुंगेर)। संग्रामपुर प्रखंड के रतनपुरा गांव के शिव मंदिर के प्रांगण में शनिवार को महावीर मंदिर में मूर्ति स्थापित के बाद प्राण प्रतिष्ठा करने को लेकर शनिवार सुबह कलश शोभायात्रा निकाला गया। कलश शोभा यात्रा मंदिर प्रांगण से लेकर झिकुली नदी पुल के पास बेलहरनी नदी गया। पंडित लाल बाबा के द्वारा वैदिक मंत्रो उच्चारण के साथ कलश में जल भर कर पुनः मंदिर के प्रांगण में वापस लौट गया। बताया गया कि इस कलश शोभा यात्रा में कुंवारी कन्या के द्वारा ही कलश को उठाया गया था। महावीर भगवान प्रतिमा को लेकर रतनपुरा गाँव का परिक्रमा कर बाया गया, वैदिक मन्त्रों चार्य के साथ मंदिर मे प्रतिमा का प्राण प्रतिष्ठा किया गया है। अगले दिन रविवार से चौबीस घंटे का रामधुन को प्रारम्भ किया जायेगा। वहीं इस मौके पर सैकड़ों ग्रामीण मौजूद थे।

चूल्हे की चिंगारी से लगी आग घर का सामान जलकर राख

बरियारपुर (मुंगेर)। बरियारपुर प्रखंड के हरिण मार पंचायत के महादलित टोला में शनिवार को खाना बनाने के क्रम में चूल्हे से निकली चिंगारी से महा दलित परिवार के दस घरों में आग लग गया। इस आग लगी की घटना में पंचायत के महादलित का दस घर जलकर खाक हो जाने का समाचार प्राप्त हुआ है। घटना के सम्बन्ध में बताया जाता हैं कि लुख्खर दास के घर से चिंगारी उठी तेज हवा के झोंके के कारण आग ने विकराल रुप धारण कर लिया। ग्रामीणों के काफी प्रयास के बाद भी आग पर काबू नही पाया गया। इसकी सुचना अनुमंडल पदाधिकारी गोगरी को दिया गया। अनुमंडल पदाधिकारी गोगरी के द्वारा अग्नि शमन दल को घटना की सूचना दी गई। उनके द्वारा सूचना पर अग्नि शमन घटना स्थल पर पहुंचा कर आग पर काबू पाया गया। अग्नि कांड से पिड़ित परिवार के सदस्य मनोज दास, प्रकाश दास, राजु दास, बेचन दास, लुख्खर दास, संगीता देवी पति स्वगीय राकेश दास, टुन टुन दास, शिव दास, जगमोहन दास ने बताया कि इस घटना में करीब हजारों रुपए का नुकसान हुआ है।

मतदाता जागरूकता को लेकर हुआ नुक्कड़ नाटक

भागलपुर। लोकसभा आम निर्वाचन को स्वतंत्र, निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं भयमुक्त वातावरण में संपन्न कराने एवं भागलपुर के शत प्रतिशत मतदाताओं की भागीदारी सुनिश्चित करने को लेकर भागलपुर के समीप सूचना एवं जन-संपर्क विभाग के सैजन्य से मतदाता जागरूकता हेतू नुक्कड़ नाटक का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम को लेकर जिले के कई हिस्सों में कलाकारों द्वारा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से मतदाता को जागरूक करने की अपील की। इस दौरान भीखनपुर गुमटी नंबर तीन के समीप, सैनडिस्क मैदान एवं लाजपत पार्क के समीप कलाकारों की टीम ने नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया इस दौरान कलाकारों ने गीत, संगीत और मनोरंजक नाटक के माध्यम से लोगों को आगामी 26 अप्रैल को मतदान करने हेतू प्रेरित कर मतदाता को जागरूक किया। कलाकारों की टीम ने नाटक के माध्यम से मतदान के समय अन्यत्र जा रहे लोगों को मतदान करके जाने हेतु अपील की। साथ ही बताया कि मतदान का अधिकार सभी को नहीं मिलता है, और यदि यह अधिकार मिला है, तो इसका उपयोग निश्चित रूप से करना चाहिए। जिससे लोकतंत्र की शक्ति पर बल मिलेगा, और देश व राज्य के विकास में हम मतदान कर अपने आप को बेहतर साबित कर सकेंगे।

गेहूँ अधिप्राप्ति हेतू गया जिलान्तर्गत कार्य योजना

गया। रब्बी विपणन मौसम 2024-25 अंतर्गत जिला में पैक्स, व्यापारमंडलों द्वारा ऑनलाईन निबंधित किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूँ अधिप्राप्ति का कार्य किया जा रहा है। गेहूँ अधिप्राप्ति के लिये पंचायत स्तर पर पैक्स एवं प्रखंड स्तर पर व्यापारमंडल द्वारा गेहूँ अधिप्राप्ति कार्य हेतु क्रय केन्द्र की स्थापना की गई है। गेहूँ अधिप्राप्ति की पुरी प्रक्रिया ऑनलाईन प्रोक्युरमेंन्ट सिस्टम आधारित है। पैक्स, व्यापारमंडल में उन्हीं किसानों से गेहूँ क्रय किया जायेगा जिनके द्वारा कृषि विभाग के पोर्टल ६६६. ड्ढ्र१४'३४११ँ९.ॠ५.ल्ल पर भूमि संबंधी विवरण दी गई है। भूमि से संबंधित तथा अन्य सूचनाओं को अंकित किये जाने के पश्चात उन किसानों से गेहूँ का क्रय पंचायत स्तर पर पैक्स एवं प्रखंड स्तर पर व्यापारमंडल द्वारा स्थापित क्रय केन्द्र पर किया जा सकेगा। कृषि विभाग में निबंधित रैयत किसान निबंधन संख्या के आधार पर कृषि विभाग के उपरोक्त पोर्टल पर भूमि से संबंधित तथा अन्य सभी वांछित सूचनाओं को अंकित किये जाने के पश्चात स्वतः जनित घोषणा पत्र के आधार पर अपने पंचायत स्तर पर पैक्स एवं प्रखंड स्तर पर व्यापारमंडल द्वारा खोले गये क्रय केन्द्र में अधिकतम 150 क्वीं० गेहूँ की बिक्री कर सकेगें।

कांग्रेस प्रत्याशी समर्थन में इंडिया एलायंस के कई दिग्गज नेता भागलपुर पहुंचे

प्रात: किरण संवाददाता।

भागलपुर। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस कमिटी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी का भागलपुर आगमन पर उनके समर्थकों की काफी संख्या में भीड़ उमड़ पड़ी। भागलपुर के ऐतिहासिक सैंडिस कंपाउंड मैदान प्रांगण में अपने चुनावी सभा को संबोधित करते हुए खुले मंच से कांग्रेस प्रत्याशी अजीत शर्मा के समर्थन में वोटिंग करने की अपील की। उन्होंने जनसभा को संबोधित करते हुए अपने भाषण के क्रम में भापजा के केंद्रीय सरकार पर कड़ा हमला करते हुए कहा कि भाजपा के लोग 400 पार की बात करते हैं, जबकि देश की जनता के मूड को देखते हुए ऐसा लगता है इस बार भाजपा को 150 सीट भी पार करने में भी उन्हें काफी मशक्कत करनी पड़ेगी, साथ ही उन्होंने कहा कि हमारी सरकार बनते ही देश में जवानों के लिए लाई गई दोहरी नीति के तहत अग्निवीर योजना को उठाकर फेंक देंगे। देश को 2 तरह के शहीद नहीं चाहिए।

वही राहुल गांधी के 12 मिनट के अपने भाषण में बेरोजगारी, महंगाई की दंस झेल रही जनता, महिला व युवा पीढ़ी को लेकर उनका जोर रोजगार पर देते हुए युवाओं के सपनों को पूरा करने का भरोसा दिलाया है। वही उन्होंने बताया कि इंडिया गठबंधन की सरकार बनी तो देश में 5 तरह की योजनाओं को लाएंगे। जिससे मजदूरों का हक न्याय, युवाओं को बेरोजगारी भत्ता, वृद्ध, विधवा पेंशन योजना की राशि में वृद्धि, गरीब परिवार के लोगों को परिवारिक सहायता के रूप में एक फण्ड लागू किया जायेगा। जिसके माध्यम से गरीब परिवार के लोगों को स्वालम्बी बनाने व गरीबी रेखा से ऊपर उठने के लिए सलाना 1 लाख रुपये की सहायता दी जाएगी, देश में एक ऐसा कानून लाएंगे जिससे किस तरह की योजना लाएंगे वो सब कुछ आपके समक्ष प्रस्तुत करने के बाद ही लागू किया जायेगा। उन्होंने कहा कि जो पैसा मोदी सरकार ने पूंजीपतियों व अमीरों जैसे घराने में बांटा है, वो सारा पैसा हमारी सरकार बनी तो हम सभी उक्त पैसे को लेकर गरीबों को दे देंगे। राहुल गांधी ने आम जनता के बीच भाजपा की चुटकी लेते हुए मजाकिया अंदाज में उन्होंने कहा कि अगर कांग्रेस शासन में आई तो गरीबों को प्रति माह 8 हजार रूपए दी जाएगी, जो खटाकट खटाखट लाभुकों के खाते में प्रत्येक माह चला जाएगा। मजदूरों व महिलाओं हक के लिए एक अलग कानून व्यवस्था लागू करने की बात कही। वही उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर अस्पताल को बेहतर और अत्याधुनिक तकनीक सुविधाओं से लैस होगा, जहां आम गरीब परिवार का बेहतर से बेहतर इलाज करवा सकेंगे। किसानों के कर्ज माफी को लेकर मोदी सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि किसानों के साथ वादा किया और अमीरों के कर्ज माफ किया, किसानों के लिए उनके पास समय ही नही है। किसान अपने हक अधिकार को लेकर लगातार एनएफसी की मांग कर रहे हैं, लेकिन किसानों के लिए गोली, आंसूगैस, लाठी डंडे से पिटाई करने के मामले को पूरे देश में देखा गया। जब केंद्रीय की भाजपा सरकार अंदाता को जलील करेगी और हम चुप रहे, ये हो नही सकता, आज पूरे देश में महंगाई बताहासा बढ़ती जा रही है, दिन प्रतिदिन गैस सिलेंडर, पेट्रोल, डीजल के दाम में लगातार वृद्धि होती जा रही, जिसे अब आम जनता ने अपने नजरों से देख लिया है। भाजपा झुठ बोलने वाले लोगों की सरकार है। वही उन्होंने कहा कि आज देश भर में तानाशाही की सरकार चल रही है, जो लगातार देश के संविधान को बदलने की बात कहते हैं। ईडी, सीबीआई, इनकम टैक्स जैसे संस्थान का गलत तरीके से विपक्षी दलों के ऊपर लगातार छापामारी की कार्रवाई कर रही हैं लेकिन मिलता कुछ नहीं है, जबरन वसूली करने के साथ साथ दलों के लोगों को तोड़ने के साथ अपने दल में शामिल कर उन्हें अच्छा व बेहतर कहती हैं और उसे टिकट दे चुनाव में उतार दिया है। जिसे आप लोग गोदी मीडिया पर लगातार देख रहे हैं और उनका समर्थन कर भ्रष्टाचार की चादर ओढ़े भाजपा की सरकार खुदको साफ कहते हैं। अगर कांग्रेस की सरकार को आप लोगों का साथ मिला और देश में सरकार बनाई तो ऐसे कानून व्यवस्था लागू करेंगे जिससे आम लोगों के हक अधिकार को कोई छिन नही पायेगा।

भागलपुर के प्रशिद्ध सैंडिस कंपाउंड मैदान प्रांगण में आयोजित राहुल गांधी की सभा में राजद के युवा नेता तेजस्वी यादव, मुकेश सहनी, प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश सिंह के अलावा दर्जनों दिग्गज नेता भी शामिल हुए है। वही सभा के क्रम में राजद के युवा नेता सह पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने अपने तीन मिनट के भाषण में कहा कि 400 पार की फिल्म फ्लॉप हो चुकी है। पहले और दूसरे फेज में हम जीत रहे हैं। साथ ही उन्होंने पूर्णिया से राजद प्रत्याशी बीमा भारती के पक्ष में भी प्रचार प्रसार किया। बता दें कि भागलपुर से इस सीट पर कांग्रेस के प्रत्याशी अजीत शर्मा के पक्ष में वोटिंग करने की आम जनता से अपील की हैं। यहां उनका मुकाबला जेडीयू प्रत्याशी और सीटिंग सांसद अजय कुमार मंडल से है। वहीं पूर्णिया से राजद उम्मीदवार बीमा भारती भी कार्यक्रम में मौजूद रहीं थी।

चारों लोकसभा क्षेत्र से बुरी तरह चुनाव हार रहे है एनडीए प्रत्याशी : प्रोफेसर विनय कुमार सुमन

प्रात: किरण संवाददाता

मुंगेर । मुद्दा विहीन एनडीए 19 अप्रैल को संपन्न हुई पहले चरण के चुनाव में बिहार के चारों लोकसभा क्षेत्र में बुरी तरह चुनाव हार रही है। ये बातें प्रेस विज्ञप्ति जारी कर राजद बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ के प्रदेश महासचिव प्रोफेसर विनय कुमार सुमन ने कहा है। उन्होंने कहा कि आज देश के सामने सबसे बड़ा मुद्दा बेरोजगारी है ।

भारत के युवा नौकरी एवं रोजगार के लिए दर-दर भटक रहे हैं परंतु केंद्र की मोदी सरकार अडानी अंबानी सहित कुछ पूंजीपतियों को ही मालामाल करने में लगी हुई है। किसानों को लागत मूल्य भी उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। जिस कारण वह आत्महत्या करने को मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा का व्यवसायीकरण हो रहा है। 2014 के लोकसभा चुनाव में प्रतिवर्ष 2 करोड लोगों को रोजगार देने का वादा करने वाले एनडीए की सरकार आज इस मुद्दे पर कोई चर्चा करना मुनासिब नहीं समझते हैं। ऐसी स्थिति में देश का युवा अपने को ठगा महसूस कर रहा है। वहीं दूसरी ओर बिहार विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता अपने 17 महीनें के महा गठबंधन सरकार में 5 लाख बेरोजगारों को सरकारी नौकरी देने का काम किया है। जिससे बिहार के युवाओं में तेजस्वी के प्रति विश्वास काफी बढ़ा है। परिणाम स्वरूप पहले चरण के संपन्न चारों लोकसभा क्षेत्र में युवाओं ने जात-पात धर्म से ऊपर उठकर राजद उम्मीदवार के पक्ष में अपना मत देने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि तेजस्वी राजद में सभी जातियों को सम्मान देते हैं। इससे भी लोगों का विश्वास राजद के प्रति बढ़ा है। पहले चरण में संपन्न हुए 102 लोकसभा चुनाव में एनडीए बुरी तरह से पीछे हो गई है। इसलिए उनका नारा इस बार 400 पार बुरी तरह फ्लॉप साबित हो रहा है।

आम के पत्ता तोड़ने को लेकर दो पक्षों के बीच हुई मारपीट

भागलपुर। जिले भर में एक तरफ लोकसभा आम चुनाव 2024 की तैयारी को लेकर जिला व पुलिस प्रशासन लगातार संबंधित थाना पुलिस को अलर्ड मोड पर कर दी है। वही दूसरी तरफ कई क्षेत्र इलाके में छिटपुट घटना घटित होने की बात सामने आ रही हैं। इसी कड़ी में गोराडीह थाना क्षेत्र अंतर्गत सारथ गांव इलाके में आम के पत्ता तोड़ने को लेकर दो पक्ष के बीच में जमकर मारपीट की घटना में कई लोग घायल होने की सूचना सामने आई है। वही घटना को लेकर सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक मारपीट की घटना में घायल हुए सभी लोगों को जख्मी हालत में त्वरित इलाज के लिए जवाहरलाल नेहरू चिकित्सा महाविद्यालय सह अस्पताल मायागंज में भर्ती कराया गया है। जहां सभी घायलों का इलाज चल रहा है। वही घटना को लेकर घायल संजय कुमार का कहना है कि शादी का गलसेहदी के लिए आम का पत्ता तोड़ने बगीचा गए थे, तभी कोयला गांव के दबंग पुरण यादव, नवल यादव, पंकज यादव, बबलू यादव, बटेली यादव, सागर यादव एवं अन्य समर्थक 15 से 20 संख्या में अचानक आकर मारपीट करना शुरू कर दिया। इस दौरान उक्त लोगों ने कुछ पुछा भी नही तब हमलोग गोराडीह थाना गये। जहां थाना पर मौजूद थानाध्यक्ष के द्वारा बताया गया कि पहले इलाज कराओ उसके बाद केस होगा। वही घायल संजय ने बताया कि मेरे अलावा छः और परिवार के लोग घटना में घायल है, जिसका माथा फटा है, हाथ व पैर का एड़ी भी कुछ का फटा है। जिसमें चंदन पासवान, कुंदन पासवान, सुनीता कुमारी, लाखो देवी, कविता देवी, हरिहर पासवान सभी लहू लोहान है। सभी को जख्मी व घायल अवस्था में बेहतर इलाज के लिए अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया गया है। वही इस घटना को लेकर स्थानीय पुलिस द्वारा अबतक दोषियों के विरुद्ध कोई कार्रवाई नही किये जाने से स्थानीय ग्रामीणों के बीच आक्रोशित माहौल बना हुआ दिख रहा है। अब देखने वाली बात है कि स्थानीय पुलिस प्रशासन द्वारा दोषियों के विरुद्ध क्या सख्त कदम उठाती हैं। ऐसे में ग्रामीणों को त्वरित पुलिस सेवा मुहैया कराने व न्याय व्यवस्था कायम रखने की बात को लेकर वरीय अधिकारियों के सारे दाबे खोखली साबित होता दिख रहा है, इन सवालों को लेकर आम लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ चल रहा है।

मुंगेर का आईटीआई कॉलेज सरकारी उपेक्षा की शिकार

हवेली खड़गपुर (मुंगेर)। मुंगेर आईटीआई कॉलेज इन दिनों भगवान भरोसे चल रहा है कार्यालय सहायक की कमी नियमित शिक्षकों की कमी कार्यालय परिचारियों की भारी कमी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार इस संस्थान में अनुदेशकों की कुल 36 पद से सृजित हैं। लेकिन वर्तमान में लंबे समय से एक भी अनुदेशक स्वीकृत पद पर कार्यरत नहीं है यह संस्थान फिलहाल 15 अतिथि अनुदेशक आठ अनुबंध अनुदेशक एवं आठ ग्रुप अनुदेशक के सहारे चल रहा है संस्थान में ग्रुप अनुदेशकों के पठन-पाठन का अतिरिक्त प्रभार है यदि इन सबको मिलाकर देखा जाए तो शैक्षणिक दायित्व संभालने वाले अनुदेशकों की संख्या स्वीकृत पदों की तुलना में काम ही रह जाती है अतिथि अनुदेशकों एवं अनुबंध अनुदेशकों की संख्या तो आवश्यकता से काफी कम है कार्यालय सहायक संस्थान में कार्यरत कर रहे कार्यालय सहायकों का एवं कार्यालय परिचारियों की संख्या भी स्वीकृत पदों की तुलना में काफी कम है संस्थान में कार्यालय सहायकों के नौ पद सृजित है जबकि केवल तीन कार्यालय सहायक ही वर्तमान में कार्य कर रहे हैं इसी तरह विभिन्न कार्यालय परिचारियों की संख्या 27 पद सरजीत हैं इनमें भी केवल दो पद ही कार्यरत परिचारी कार्य कर रहे हैं ऐसे में अनुदेशकों की कमी से ज्यादा संस्थान पठन-पाठन का कार्य प्रभावित हो रहा है वहीं परिचारियों की कमी से साफ सफाई जैसे कार्य भी तहस-नस हो गए हैं औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान मुंगेर 1956 में स्थापित किया गया था प्रमंडल का सबसे पुराना एवं जिले का सबसे बड़ा औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान है इसके बावजूद आज यह संस्थान कई समस्याओं से जूझ रहा है इस समस्याओं में से सबसे बड़ी समस्या अनुदेशकों की घोर कमी है जो सीधे संस्थान के शैक्षणिक व्यवस्था से जुड़ा हुआ है इसके साथ-साथ यहां कार्यालय सहायकों एवं कार्यालय परिचारियों की घोर कमी है वर्तमान में इस संस्था में नहीं के बराबर कार्यालय सहायक एवं कार्यालय परिचारी बचे हुए हैं ऐसे में निमित्त अनुदेशकों एवं कार्यालय सहायकों तथा परिचारियों की कमी से संस्थान की शैक्षणिक व्यवस्था कैमरा सी गई है बल्कि संस्थान आईटीआई कॉलेज मुंगेर के प्राचार्य स्वास्थ्य मुखर्जी ने बताया कि संस्थान में निमित्त अनुदेशकों कार्यालय सहायकों एवं कार्य कार्यालय परिचयों की भारी कमी है स्वीकृत पदों पर तो एक भी निमित्त अनुदेशक नहीं है इस संबंध में विभाग को जानकारी दी जा चुकी है पिछले महीने पटना में विभागीय अधिकारियों के साथ हुई बैठक में भी कॉलेज की समस्याओं से अधिकारियों को अवगत कराया गया था लेकिन अभी तक इसमें कोई कार्रवाई सरकारी सरकार द्वारा यह विभाग द्वारा नहीं किया जा रहा है ।

कुख्यात निरंजन हत्या मामले का पुलिस ने किया सफल उद्भेदन : एसपी सिटी

प्रात: किरण संवाददाता

भागलपुर। जिले भर में अपराधियों की गिरफ्तारी को लेकर सर्चिंग अभियान चलाया गया है। इसी बीच नाथनगर थाना क्षेत्र के बंगाली टोला में कुख्यात बदमाश निरंजन यादव की गोली मार हत्या किये की सूचना प्राप्त हुई थी। वही अपराधी निरंजन के हत्या मामले के उद्भेदन हेतू वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में एसपी सिटी के निगरानी में विधि व्यवस्था डीएसपी 2 के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई थी। गठित पुलिस ने हत्या मामले की तकनीकी रूप से जांच अनुसंधान क्रम में हत्या मामले के मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी किये जाने के साथ ही मामले का खुलासा किया है। इस दौरान पुलिस टीम ने अनुसंधान कार्रवाई जांच करते हुए नाटकीय ढंग से आरोपी को गिरफ्तार करने में सफल रही है। वही गिरफ्तार आरोपी अभियुक्त से पुलिसिया पूछताछ के क्रम में आरोपी ने अपना अपराध स्वीकार करते हुए बताया है कि पैसे की लेनदेन को लेकर विवाद हुई थी, उसी रंजिश में निरंजन की हत्या वारदात को अंजाम देकर फरार होने में सफल रहे थे। वही पुलिस ने मामले को लेकर सिटी एसपी कार्यालय बेस में आयोजित प्रेसवार्ता के दौरान एसपी सिटी मि. राज ने जानकारी साझा करते हुए बताया कि आरोपी के साथ पैसे लेनदेन को लेकर विवाद हुआ था जिनमें बदमाश निरंजन यादव की हत्या कर दी गई थी। वही हत्या मामले में तकनीकी अनुसंधान क्रम में एक आरोपी की पहचान किये जाने के साथ ही पुलिस टीम ने आरोपी को उसके घर पर दबिश देकर मौके से गिरफ्तार किया है। वही पुलिस टीम द्वारा गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मामला दर्ज करते हुए न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है।

आम निर्वाचन 2024 की तैयारियों को लेकर हुई बैठक : डीएम

प्रात: किरण संवाददाता।

भागलपुर। लोकसभा आम निर्वाचन 2024 को स्वतंत्र, शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं भयमुक्त वातावरण में संपन्न कराने व भागलपुर के शत प्रतिशत मतदाताओं की भागीदारी सुनिश्चित करने को लेकर समाहरणालय स्थित समीक्षा भवन के प्रांगण में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी डॉ. नवल किशोर चौधरी की अध्यक्षता में सभी कोषांगों के वरीय पदाधिकारी व नोडल पदाधिकारी के साथ संयुक्त बैठक की गई।

बैठक को संबोधित करते हुए डीएम ने मतदानकर्मियों के मानदेय भुगतान ससमय करने, डिस्पैच सेंटर पर पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने व मतदान केंद्रों पर मतदान कर्मियों के लिए समुचित व्यवस्था करने को लेकर संबंधित पदाधिकारी को कई आवश्यक दिशा निर्देश दिए है, बैठक के क्रम में मतदाता पर्ची वितरण की भी समीक्षा की गई। साथ ही उन्होंने कहा कि मतदाता को यह कहना है कि यह मतदाता पर्ची नहीं मतदान करने हेतु आपको निमंत्रण है, आगमी 26 अप्रैल को अपने मतदान केंद्र पर मतदान करने आना है। वही मतदान तिथि को लेकर 85 वर्ष से ऊपर एवं पीडब्ल्यूडी वोटर के लिए की जा रही व्यवस्था की भी समीक्षा की। बैठक के क्रम में कार्मिक कोषांग, वाहन कोषांग, सामग्री कोषांग, प्रशिक्षण कोषांग, विधि व्यवस्था कोषांग, बज्रगृह कोषांग, प्रेक्षक कोषांग, व्यय एवं अनुश्रवण कोषांग, मीडिया एवं एम.सी.एम.सी. कोषांग, स्वीप कोषांग के नोडल पदाधिकारी मौजूद रहे थे।

बीएलओ के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से की बैठक: डीएम

प्रात: किरण संवाददाता

भागलपुर। लोकसभा आम निर्वाचन 2024 को स्वतंत्र, निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं भयमुक्त वातावरण में संपन्न कराने को लेकर जिला निर्वाचन सह जिलाधिकारी डॉ. नवल किशोर चौधरी ने जिले के सभी बीएलओ के साथ ऑनलाइन मीटिंग की।

इस दौरान उन्होंने सभी बीएलओ को अपने क्षेत्र के मतदाताओं को मतदान हेतु जागरूक करने की अपील की। साथ ही उन्होंने कहा कि आप जमीनी स्तर पर काम करते हैं, आपके ऊपर बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। क्षेत्र के सभी इलाकों में मतदाता पर्ची वितरण करते समय उन्हें बताना है कि यह मतदाता पर्ची नहीं बल्कि मतदान करने हेतु एक निमंत्रण है और इस निमंत्रण को स्वीकार करते हुए आगामी 26 अप्रैल को निश्चित रूप से मतदान करने की अपील करेंगे।

इसी क्रम में उन्होंने कहा कि आप मतदाताओं को बताइए कि चार तरह के लोगों को मतदान का अधिकार नहीं मिलता है, एक जो भारत के नागरिक नहीं है, दूसरा जिनका मानसिक संतुलन ठीक नहीं है, तीसरा जिनकी उम्र 18 वर्ष की नहीं हुई है और चौथा जो सजायाफ्ता अपराधी है। इसका मतलब है कि आप को मतदान करने का अधिकार मिला है, यानी आप एक अच्छे नागरिक की श्रेणी में हैं। इसलिए आप अपने मताधिकार का प्रयोग करें, और अपने आप को गौरवान्वित महसूस करें। इसके पूर्व उपविकास आयुक्त कुमार अनुराग ने उन्हें मतदाताओं को जगाने हेतु पूरा प्रयास करने की अपील की गई थी। साथ ही उन्होंने कहा कि आप सभी लोग ग्रामीणों के साथ एक जुट हो जमीन पर मिलकर काम करते हैं, आप सभी क्षेत्र के ध्वजवाहक हैं और आपके ऊपर बहुत बड़ी जिम्मेदारी है, अब समय काम रहा है। इसलिए पूरी ताकत के साथ मतदाताओं को जगाएं ताकि भागलपुर का मतदान में शत प्रतिशत में बढ़ोतरी हो और भागलपुर जिला को सर्वाधिक मतदान कराने का गौरव प्राप्त हो सके।

इस मौके पर संयुक्त निदेशक जनसंपर्क नागेंद्र कुमार गुप्ता द्वारा सभी बीएलओ को मतदाता जागरूकता करने हेतु विभिन्न कार्यक्रम के तहत चुनाव चौपाल, मतदाता जागरूकता रैली, घर-घर भ्रमण, मतदाता शपथ कार्यक्रम आयोजित करवाने को कहा है।

किसान के हत्या मामले में पुलिस ने अपराधी को बांका जिला से किया गिरफ्तार : एसपी सिटी

प्रात: किरण संवाददाता

शाहकुंड (भागलपुर)। विगत 16 अप्रैल की देर शाम को भागलपुर बाथ थाना क्षेत्र के दौलतपुर गांव के बहियार में मवेशी चारा (भूसा) चोरी मामले को लेकर अपराधी तत्त्व लोगों के साथ हुए विवाद में अपराधियों ने स्थानीय इलाके के दो किसान को गोली मारकर गम्भीर रूप से जख्मी व घायल कर दिया था। जिसमें दौलतपुर के किसान मुकेश कुमार सिंह की घटनास्थल पर ही मौत हो गई थी। वही गोलीबारी मामले के उद्वेदन किये जाने व अपराधियों की गिरफ्तारी को लेकर वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर एसपी सिटी के निगरानी में विधि व्यवस्था डीएसपी चंद्रभूषण के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया था। पुलिस की गठित टीम ने घटना स्थल की जांच व घायल मृतक के भाई कारेलाल मंडल के बयान पर मामला दर्ज करते हुए आरोपी अपराधियों की गिरफ्तारी को लेकर तकनीकी रूप से अनुसंधान क्रम में छापेमारी कर मुख्य आरोपी मीरहटी निवासी रब्बु यादव और नवटोलिया के पवन यादव को बांका जिला के फुल्लीडूमर से गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। उक्त आशय की जानकारी एसपी सिटी कार्यालय बेस में आयोजित प्रेसवार्ता के क्रम में एसपी सिटी मि राज ने साझा करते हुए कहा कि गिरफ्तार अपराधी पवन यादव का पूर्व से आपराधिक इतिहास रहा है। पवन यादव के ऊपर सुल्तानगंज थाने में कई मामले दर्ज हैं। वहीं घटना में सन लिप्त अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस संबंधित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। जल्द ही सभी अपराधी न्यायिक हिरासत में होगा। ज्ञात हो कि किसान हत्या मामले में ग्रामीणों ने अपराधियों की गिरफ्तारी व पुलिस कार्रवाई को लेकर 24 घंटे तक का अल्टीमेटम जारी कर दिया था, इस दौरान ग्रामीणों ने एक स्वर में पीड़ित परिवार के लोगों को सरकारी सहायता प्रदान करने के साथ सरकारी नौकरी दिये जाने की मांग करते हुए लोकसभा आम चुनाव को बहिष्कार करने की बात कही गई थी।

कटनी प्रयोग विधि का निरीक्षण कर लिया जायजा : डीएम

प्रात: किरण संवाददाता

भागलपुर। जिलाधिकारी डॉ. नवल किशोर चौधरी द्वारा सबौर प्रखंड परिक्षेत्र के चंदेरी पंचायत अंतर्गत राजपुर गांव में खेसरा संख्या 24/540 स्थल पर पहुंच कर कृषि वर्ष 2024-25 के तहत रबी फसल (गेहूं) का पंचायत स्तरीय फसल कटनी तकनीक प्रयोग का पूर्वाह्न 8:30 बजे के करीब निरीक्षण करने के साथ क्षेत्र इलाके में लगे गेहूं की फसलों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने स्थानीय किसान सिफ्तूल हसन के खेत में लगे फसल के कटनी प्रयोगकर्ता संजीव कुमार सुमन सह किसान सलाहकार द्वारा 10 मीटर गुणा 5 मीटर दायरा क्षेत्र में पंचायत स्तरीय फसल कटनी प्रयोग का संपादन किया गया। जिसमें कुल उपज दर 24.480 किलोग्राम प्राप्त हुआ है, जो प्रति हेक्टेयर 49 क्विंटल गेहूं की उपज दर की आकलन की गई है। साथ ही किसान द्वारा यह बताया गया कि खरपतवारनाशी की जगह दो बार निकौनी किया गया एवं उन्नत प्रभेद का बीज का प्रयोग किया गया है, जिसके कारण फसलों के उपज दर वृद्धि के साथ बेहतर पाया गया है। इस मौके पर उप निदेशक सांख्यिकी महेश प्रसाद, जिला सांख्यिकी पदाधिकारी दुर्गेश रंजन, जिला कृषि पदाधिकारी अनिल कुमार यादव, अवर सांख्यिकी पदाधिकारी शशिकांत कुमार, प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रभात रंजन, अंचलाधिकारी सबौर, प्रखंड सांख्यिकी पदाधिकारी राकेश कुमार, प्रखंड कृषि पदाधिकारी अरविंद कुमार के अलावा अन्य दर्जनों कृषि कर्मी मौजूद रहे थे।

उल्लेखनीय है कि बाढ़ एवं सुखाड़ जैसे आपदाओं के समय फसल क्षति मुआवजा के लिए कई पदाधिकारीयों के द्वारा निरीक्षण में सफल कटनी प्रयोग किया जाता रहा है, जिसमें एक फसल कटनी प्रयोग तकनीक विधि जिलाधिकारी के द्वारा निरीक्षण कर क्षेत्र इलाके के फसल उपज का जायजा लिया है।

भारतीय फ्रीस्टाइल पहलवानों का निराशाजनक प्रदर्शन

पेरिस ओलंपिक का टिकट पक्का करने से चूके

बिश्केक, एजेंसी। अमन ने 57 किग्रा वर्ग में दबदबे वाला आगाज करते हुए अपने शुरुआती दो प्रतिद्वंद्वियों येरासिल मुख्तारुली और सुंगवॉन किम को तकनीकी श्रेष्ठता से हराया। वह हालांकि उज्बेकिस्तान के गुलोमजोन अब्दुल्लेव के खिलाफ इस लय को जारी रखने में विफल रहे और 10 अंकों से पिछड़ने के बाद हार गए। अमन सहरावत एशियाई ओलंपिक क्वालीफायर में शुक्रवार को अपना सेमीफाइनल हारने के बाद पेरिस खेलों के लिए कोटा हासिल करने से चूक गए, जबकि दीपक पूनिया और सुजीत कलकल को वजन करने के लिए समय पर नहीं पहुंच पाने के कारण टूर्नामेंट में हिस्सा लेने का मौका नहीं मिला।

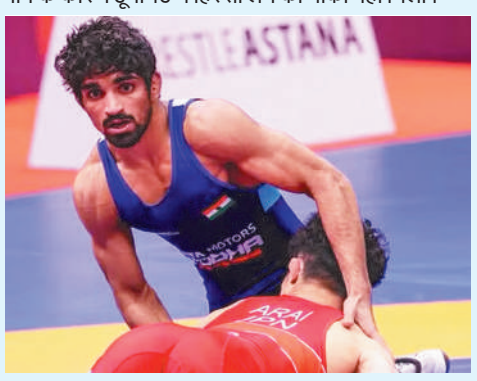

लय बरकरार रखने में विफल रहे अमन– अमन ने 57 किग्रा वर्ग में दबदबे वाला आगाज करते हुए अपने शुरुआती दो प्रतिद्वंद्वियों येरासिल मुख्तारुली और सुंगवॉन किम को तकनीकी श्रेष्ठता से हराया। वह हालांकि उज्बेकिस्तान के गुलोमजोन अब्दुल्लेव के खिलाफ इस लय को जारी रखने में विफल रहे और 10 अंकों से पिछड़ने के बाद हार गए। भारतीय कुश्ती जगत को अमन से काफी उम्मीदें थी क्योंकि उन्होंने अपने आयु वर्ग में मजबूत माने जाने वाले रवि दाहिया को शिकस्त देकर देश के प्रतिनिधित्व का मौका हासिल किया था।

अन्य पहलवान भी प्रभाव छोड़ने में रहे विफल

अमन के अलावा जयदीप ने भी 74 किग्रा वर्ग में शानदार शुरुआत की और तुर्कमेनिस्तान के अल अर्सलान बेगेनजोव को हराया। वह क्वार्टर फाइनल में किर्गिस्तान के ओरोजोबेक तोक्तोमाम्बेतोवबाद के खिलाफ मुकाबला 2–2 से बराबर होने के बाद हार गए। सुमित मलिक (125 किग्रा) भी अपने पहले दौर में किर्गिस्तान के लखागवागेरेल मुनख्तूर से तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर हार गए, जबकि दीपक (97 किग्रा) क्वालीफिकेशन दौर में अराश योशिदा से तकनीकी श्रेष्ठता से हार गए।

दीपक और सुजीत को नहीं मिली खेलने की अनुमति – दीपक और सुजीत कलकल को एशियन ओलंपिक क्वालीफायर्स में शामिल होने की मंजूरी नहीं मिली। यह दोनों पहलवान मंगलवार से दुबई एयरपोर्ट पर फंसे हुए थे और शुक्रवार को बिश्केक पहुंचे थे। जब तक यह दोनों भारतीय पहलवान वहां पहुंचे, उस समय तक अन्य पहलवानों के वजन की जांच शुरू हो चुकी थी जिसके बाद आयोजकों ने दीपक और सुजीत को मंजूरी देने से इनकार कर दिया। सूत्रों ने कहा कि भारतीय कोचों के अनुरोध के बावजूद आयोजकों ने उन्हें अनुमति नहीं दी। पूनिया (86 किग्रा) टोक्यो ओलंपिक में पदक जीतने के करीब पहुंचे थे। महिलाओं की स्पर्धा शनिवार को होगी जिसमें सबसे ज्यादा नजरें विनेश फोगाट (50 किग्रा) पर होंगी। एशियाई ओलंपिक क्वालीफायर के बाद पहलवानों को मई में तुर्की में होने वाले विश्व ओलंपिक क्वालीफायर से एक और मौका मिलेगा।

धोनी 5000 आईपीएल रन बनाने वाले पहले विकेटकीपर

लखनऊ, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग के 17वें सीजन में चेन्नई सुपर किंग्स को तीसरी हार मिली। शुक्रवार को लखनऊ सुपरजायंट्स ने लखनऊ में सबसे बड़ा टारगेट चेज कर सीएसके को 8 विकेट से हरा दिया।

चेन्नई से एमएस धोनी ने 8 बॉल पर 28 रन बनाए, वह 40 की उम्र के बाद 500 आईपीएल रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी बने। धोनी ने बतौर विकेटकीपर 5 हजार आईपीएल रन भी पूरे कर लिए, वह ऐसा करने वाले पहले विकेटकीपर बने। स्स्त्र के कप्तान केएल राहुल बतौर विकेटकीपर सबसे ज्यादा 25 बार 50 प्लस स्कोर बनाने वाले प्लेयर बन गए।

1. 40 की उम्र के बाद धोनी के नाम सबसे ज्यादा रन

सीएसके के महेंद्र सिंह धोनी ने 8 बॉल पर 28 रन बनाए, इसी के साथ उनके 40 की उम्र के बाद आईपीएल में 500 रन पूरे हो गए। वह आईपीएल में 40 साल की उम्र के बाद सबसे ज्यादा रन बनाने वाले प्लेयर बन गए। धोनी फिलहाल 42 साल के हैं। उन्होंने क्रिस गेल का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 40 की उम्र के बाद 481 आईपीएल रन बनाए हैं।

2. धोनी का स्ट्राइक रेट पिछले 2 साल में सबसे बेस्ट

छ्स्य के एमएस धोनी ने पिछले साल आईपीएल में 182.46 की स्ट्राइक रेट से 104 रन बनाए। इस साल वह 255.88 की स्ट्राइक रेट से 87 रन बना चुके हैं। आईपीएल में पिछले 2 साल में 50 से ज्यादा गेंदें खेलने वाले प्लेयर्स में धोनी का स्ट्राइक रेट से सबसे बेहतर है। वह 209.89 की स्ट्राइक रेट से रन बना रहे हैं। उनके बाद स्र्त्रा के अभिषेक शर्मा ने 205.26 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं।

3. धोनी 5 हजार आईपीएल रन बनाने वाले पहले विकेटकीपर

एमएस धोनी बतौर विकेटकीपर खेलते हुए आईपीएल में 5000 से ज्यादा रन पूरे कर चुके हैं। वह ऐसा करने वाले पहले ही विकेटकीपर बने। उन्होंने बतौर विकेटकीपर 251 मैच भी खेल लिए हैं। धोनी के बाद आरसीबी के दिनेश कार्तिक ने बतौर विकेटकीपर 228 मैचों में 4363 रन बनाए हैं।

सिर चढ़कर बोली चेन्नई सुपर किंग्स की दीवानगी

फैन ने सीएसके की थीम पर बनवाया शादी का कार्ड

नईदिल्ली, एजेंसी। चेन्नई सुपर किंग्स आईपीएल की वह टीम है, जिसे हर मैदान पर होम ग्राउंड जैसा ट्रीमेंट मिलता है. चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम के साथ-साथ फैंस सीएसके को सपोर्ट करने के लिए हर मैदान में पहुंचते हैं. चेन्नई का मैच कहीं भी किसी भी टीम के खिलाफ हो, क्राउड आपको पीली जर्सी में ही नज़र आएगा. चेन्नई को फैंस इतना ज़्यादा प्यार एमएस धोनी की वजह से करते हैं. अब मैदान के बाहर भी चेन्नई की दीवानगी फैन के सिर चढ़कर बोली और उसने अपनी शादी का कार्ड सीएके की थीम पर बनवा लिया.

चेन्नई सुपर किंग्स की थीम वाला शादी का कार्ड सोशल मीडिया पर तेज़ से वायरल हो रहा है. इस कार्ड को चेन्नई सुपर किंग्स के मैच टिकट की तरह डिजाइन किया गया. कार्ड में एंट्री फीस की जगह, आपका प्यार लिखा गया, टैक्स की जगह, आशीर्वाद और टोटल वैल्यू की जगह, आपकी उपस्थिति लिखी गई. इसके अलावा जैसे दो टीमों का नाम लिखा जाता हैं, वहां बीच में वेड्स लिखकर कपल का नाम लिखा गया. इसके आगे शादी का दिन और तारीख वेन्यू के साथ लिखी गई. इस कार्ड को बड़े ही क्रिएटिव तरीके के डिजाइन किया गया है.

लखनऊ में आईपीलएल कप्तानों पर बीसीसीआई ने ठोका जुर्माना

लखनऊ, एजेंसी। आईपीएल 2024 का 34वां मैच लखनऊ सुपरजायंट्स और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच 19 अप्रैल को लखनऊ के इकाना क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया। यह मैच तो होम टीम जीत गई। लेकिन बीसीसीआई ने दोनों टीमों के कप्तानों पर स्लो ओवर रेट के चलते 12 लाख का जुर्माना भी ठोका है। बता दें कि लखनऊ के कप्तान केएल राहुल और चेन्नई के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ पर स्लो ओवर रेट की वजह से भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने जुर्माना लगाया है।

आईपीएल की आचार संहिता के तहत दोनों कप्तानों की टीमों का सीजन का पहला अपराध था। इसलिए उनपर 12 लाख का जुर्माना लगाया गया है। केकेआर के कप्तान श्रेयस अय्यर और दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान ऋषभ पंत पर भी स्लो ओवर रेट के चलते इस सीजन फाइन लग चुका है।

केएल राहुल ने तोड़ा धोनी का रिकॉर्ड

नईदिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2024 के इस सीजन में कई नए रिकॉर्ड बन रहे हैं तो कई पुराने रिकॉर्ड टूट भी रहे हैं. केएल राहुल ने आईपीएल 2024 के 34वें मैच में एक और रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है. जो पहले धोनी के नाम था. केएल राहुल आईपीएल में सबसे ज्यादा पचास प्लस स्कोर बनाने वाले विकेटकीपर बन गए हैं. इस फेहरिस्त में कई दिग्गज विकेटकीपर भी शामिल हैं.

अगर हम 50 से ज्यादा का स्कोर बनाने वाले टॉप 5 विकेटकीपरों की बात करें तो इस फेहरिस्त में सबसे पहला नाम केएल राहुल का है. जो पहले एमएस धोनी के नाम पर था. केएल राहुल अब तक 25 बार 50 से ज्यादा का स्कोर बना चुके हैं. एमएस धोनी ने 24 बार 50 से अधिक का स्कोर बनाया है. तीसरे नंबर पर क्विंटन डी कॉक हैं. डी कॉक ने अब तक 23 बार 50 से ज्यादा का स्कोर बनाया है. तो चौथे नंबर पर हैं दिनेश कार्तिक. दिनेश ने अब तक 21 बार 50 से अधिक का स्कोर बनाया है. वहीं पांचवें नंबर पर रॉबिन उथप्पा का नाम है. उन्होंने 18 बार 50 से ज्यादा का स्कोर बनाया है.

आईपीएल 2024 के 34वें मैच में केएल राहुल ने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ कप्तानी पारी खेली. जिसके चलते एलएसजी की टीम ने यह मैच आसानी से जीत लिया. केएल राहुल ने 53 गेंदों पर 154.72 की स्ट्राइक रेट से 82 रन बनाए. जिसमें 9 चौके और 3 छक्के शामिल थे. पहले विकेट के लिए क्विंटन डी कॉक और केएल राहुल के बीच 134 रन की साझेदारी हुई. 6 गेंद रहते ही एलएसजी ने 8 विकेट से मैच जीत लिया.

क्या कोलकाता में आरसीबी खत्म करेगी अपनी हार का सिलसिला?

कोलकाता, एजेंसी। हार दर हार से आजिज आ चुकी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को बखूबी पता है कि अब किसी चूक की गुंजाइश नहीं है। लिहाजा रविवार को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग के मैच में उसे हर हालत में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। सात मैचों में से छह हार के बाद आरसीबी का पहला आईपीएल खिताब जीतने का सपना टूटता नजर आ रहा है। लगातार पांच हार के बाद आरसीबी अंक तालिका में सबसे नीचे है और प्लेआफ की उम्मीदें बनाये रखने के लिये उसे बाकी सातों मैच जीतने होंगे। ऐसे में केकेआर के खिलाफ आरसीबी मैच जीतने में पूरा जोर लगा देगी। तो आइये ऐसे में जानते हैं कि मैच में दोनों टीमों की प्लेइंग 11 क्या हो सकती है।

किन 11 पर आरसीबी जताएगी भरोसा?

आरसीबी की कमजोर कड़ी उसके गेंदबाज साबित हुए हैं और टीम पूरी तरह से विराट कोहली, फाफ डु प्लेसी और दिनेश कार्तिक की बल्लेबाजी पर निर्भर रही है। ऐसे में केकेआर की चुनौती उसके लिये काफी कठिन होगी। कप्तान फाफ डु प्लेसी ने कहा था ,'गेंदबाजी में हमारी तरकश में ज्यादा तीर नहीं है। इससे सारा दबाव बल्लेबाजों पर आन पड़ा है। हम सिर्फ बड़े स्कोर बनाकर ही मैच जीत सकते हैं।'

सनराइजर्स हैदराबाद ने आरसीबी के खिलाफ ही टूर्नामेंट का सर्वोच्च स्कोर तीन विकेट पर 287 रन बनाया था। इस सत्र में सबसे महंगे 11 करोड़ 50 लाख रूपये में खरीदे गए अलजारी जोसफ ने तीन मैचों में एक ही विकेट लिया और 11 . 89 की इकॉनॉमी रेट से रन दिये। ऑस्ट्रेलियाई हरफनमौला ग्लेन मैक्सवेल भी फॉर्म के लिये जूझ रहे हैं जिन्होंने मानसिक थकान का हवाला देकर सनराइजर्स के खिलाफ नहीं खेला। उनके कूल्हे की मांसपेशी में खिंचाव के कारण वह कुछ और मैचों में बाहर रह सकते हैं।

केकेआर के खिलाफ आरसीबी की संभावित 11- फाफ डु प्लेसिस (कप्तान), विराट कोहली, विल जैक्स, रजत पाटीदार, कैमरून ग्रीन, दिनेश कार्तिक, महिपाल लोमरोर, लॉकी फर्ग्युसन, मोहम्मद सिराज, कर्ण शर्मा, आकाश दीप।

किस प्लेइंग के साथ उतरेगी केकेआर?

कोलकाता नाइटराइडर्स यानी केकेआर को पिछले मैच में आखिरी गेंद पर राजस्थान रॉयल्स ने हराया था। केकेआर ने आरसीबी की तुलना में एक मैच कम खेला है और उसकी नजरें जीत की राह पर लौटने पर लगी होगी। नारायण ने सिर्फ स्पिन गेंदबाजी ही नहीं बल्कि बल्लेबाजी के जौहर भी दिखाये हैं। उन्होंने रॉयल्स के खिलाफ पिछले मैच में पहला टी20 शतक जमाया। उनका स्ट्राइक रेट भी 187 के करीब रहा है। फिल साल्ट ने 151 से अधिक की औसत से रन बनाये हैं। उनके पास रिंकू सिंह और आंद्रे रसेल जैसे खतरनाक बल्लेबाज भी हैं। केकेआर अभी शानदार फॉर्म में चल रही है। ऐसे में वह शायद ही अपनी प्लेइंग 11 में कोई बदलाव करें।

आरसीबी के खिलाफ केकेआर की संभावित प्लेइंग 11- फिल सॉल्ट, सुनील नरेन, अंगकृष रघुवंशी, श्रेयस अय्यर (कप्तान), आंद्रे रसेल, रिंकू सिंह, वेंकटेश अय्यर, रमनदीप सिंह, मिचेल स्टार्क, वरुण चक्रवर्ती, हर्षित राणा।

टिम डेविड और पोलार्ड पर बीसीसीआई ने लगाया जुर्माना

मुंबई, एजेंसी। एमआई के बल्लेबाज टिम डेविड और बल्लेबाजी कोच कीरोन पोलार्ड पर पंजाब किंग्स के खिलाफ उनकी टीम के मैच के दौरान आईपीएल की आचार संहिता का उल्लंघन करने के लिए मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है।

आईपीएल की तरफ से टिम डेविड और पोलार्ड पर जुर्माना लगाए जाने को लेकर दी गई जानकारी में बताया गया कि दोनों पर पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच में आईपीएल की आचार संहिता के उल्लंघन के मामले में जुर्माना लगाया गया है। डेविड और पोलार्ड ने आचार संहिता के अनुच्छेद 2.20 के लेवल 1 का अपराध किया है। इसके चलते डेविड और पोलार्ड पर उनकी मैच फीस का 20 फीसदी जुर्माना लगाया गया है। इस आचार संहित के उल्लंघन के मामले में मैच रेफरी का फैसला अंतिम माना जाता है। दोनों ने ही अपनी गलती स्वीकार कर ली है। डीआरएस का उपयोग करते समय खिलाड़ियों को मैदान के बाहर से किसी की मदद लेने की अनुमति नहीं है। आईपीएल का

फैसला एक वीडियो के वायरल होने के बाद आया है, जिसमें डगआउट में मुंबई इंडियंस टीम के सदस्यों और सहयोगी स्टाफ को कथित तौर पर रिव्यू मांगने का निर्णय लेने में सूर्यकुमार यादव को अवैध सहायता प्रदान करते हुए दिखाया गया है। टेलीविजन कैमरों में पांच बार की विजेता मुंबई इंडियंस के मुख्य कोच मार्क बाउचर को यादव को इशारा करते हुए दिखाया गया कि उन्होंने जिस डिलीवरी का सामना किया, वह वाइड थी। डेविड और पोलार्ड ने बल्लेबाज से अर्शदीप सिंह की गेंद की समीक्षा करने का आग्रह किया जो फुल और वाइड फेंकी गई थी।

पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच के दौरान जब 15वें ओवर में सूर्यकुमार यादव बल्लेबाजी कर रहे थे तो उस समय अर्शदीप सिंह की एक गेंद पर दोनों ने डगआउट से वाइड गेंद को लेकर डीआरएस लेने का इशारा किया था, जिसके बाद इसको लेकर पंजाब किंग्स के कप्तान ने भी आपत्ति जताई थी। सूर्या ने इसके बाद डीआरएस ले लिया था और तीसरे अंपायर ने इस गेंद को वाइड करार दे दिया था।

संजय मांजरेकर ने क्यों कही ये बात

उम्मीद है चयनकर्ता रिंकू को नहीं भूलेंगे

नईदिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग 2024 में अब तक कोलकाता नाइट राइडर्स के शीर्ष क्रम ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। इस बीच रिंकू सिंह को बल्लेबाजी का ज्यादा मौका नहीं मिल रहा है। रिंकू ने बतौर फिनिशर पिछले साल शानदार प्रदर्शन किया था। इसके बौदलत उन्हें भारतीय टीम में उन्हें जगह मिली थी। भारत के लिए भी उन्होंने कई मैच फिनिश किया। पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय मांजरेकर को लगता है कि केकेआर के लिए बल्लेबाजी का ज्यादा मौका न मिलना रिंकू को भारत की टी20 विश्व कप टीम में जगह न देने का यह कोई कारण नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि रिंकू को ज्यादा मौका नहीं मिल रहा है और उम्मीद है चयनकर्ता उन्हें नहीं भूलेंगे। रिंकू ने इस सीजन 51 गेंद पर 83 रन बनाए हैं। 26 उनका सर्वोच्च स्कोर है। उनका स्ट्राइक रेट 162.75 का है।

मांजरेकर ने रिंकू सिंह को लेकर क्या कहा?

मांजरेकर ने रिंकू को लेकर फर्स्टपोस्ट से कहा, क्योंकि उन्हें ज्यादा मौके नहीं मिल रहे हैं, मुझे उम्मीद है कि चयनकर्ता रिंकू सिंह को नहीं भूलेंगे। वह सीधे तौर पर भारतीय टीम में चयन होना चाहिए। जब भी उन्हें अवसर मिला है, आपने देखा है कि उन्होंने कितना अच्छा प्रदर्शन किया है। अपनी निरंतरता और रेंज दिखाई है। भारतीय टीम के मुख्य खिलाड़ियों के अलावा, उन बड़े नामों के अलावा जिनके बारे में हम सोच रहे हैं, मैं उन्हें पसंद करता हूं।

रिंकू सिंह ने 15 टी20 मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व किया

रिंकू सिंह ने 15 टी20 मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व किया है। इसमें उन्होंने 7 मैचों में नाबाद रहते हुए 176.23 के स्ट्राइक रेट से 356 रन बनाए हैं। उनका औसत 89 रन का है। ऐसे में बतौर फिनिशर उन्हें भारत की टी20 वर्ल्ड कप टीम में जगह मिलनी चाहिए। 1 जून से यह टूर्नामेंट अमेरिका और वेस्टइंडीज की मेजबानी में खेला जाएगा। भारतीय टीम का चयन 1 मई से पहले हो जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

मनीष सिसोदिया ने वापस ली अंतरिम जमानत की याचिका, चुनाव के लिए चाहते थे राहत

नई दिल्ली, एजेंसी। मनीष सिसोदिया की नियमित जमानत आवेदन पर स्पेशल जज कावेरी बवेजा की अदालत ने अपना ऑर्डर रिजर्व कर लिया है। वहीं सिसोदिया की तरफ से अदालत में पेश हुए अधिवक्ता विवेक जैन ने चुनाव प्रचार के लिए दाखिल की गई अंतरिम जमानत आवेदन को वापस ले लिया। अदालत सिसोदिया की नियमित जमानत आवेदन पर 30 अप्रैल को अपना फैसला सुनाएगी। स्पेशल जज कावेरी बवेजा की अदालत में सुनवाई हुई।

वर-वधु ने साथ में डाला वोट, दुल्हन ने विदाई को रोककर किया मतदान

नागौर , एजेंसी। राजस्थान में लोकसभा चुनाव को लेकर मतदाताओं में काफी उत्साह देखने को मिला। लोकतंत्र के महापर्व में अपनी भागीदारी निभाने के लिए दुल्हन ने अपनी विदाई रुकवाकर पहले मतदान किया और फिर विदाई हुई। दरअसल, आमेर रोड निवासी दिव्या सेन ने विदा होने से पहले अपने मताधिकार का प्रयोग किया। दिव्या का विवाह 18 अप्रैल को हुआ और 19 अप्रैल को सुबह विदा होने से पहले नगर निगम कॉलोनी स्थित मतदान केंद्र पर पहुंचकर अपना वोट दिया। दिव्या ने बताया कि जिस तरह से अपने जीवनसाथी को चुना है। ठीक इसी तरह अच्छे सरकार का चुनाव करने के लिए देश हित में मतदान किया है। सभी को मतदान जरूर करना चाहिए। दूल्हे निशिन ने भी मतदान को प्राथमिकता दी और कहा कि हमारे वोट से अच्छा नेता बने। चैनार स्थित अटल सेवा केंद्र में कोमल टाक निवासी जगावता, चैनार ने विवाह संपन्न होने के तुरंत बाद ससुराल जाने से पहले अपने पति नितिन सोलंकी के साथ आकर मतदान किया। जयपुर के मोहनपुरा में दुल्हन ने ससुराल जाने से पहले लोकतंत्र में भागीदारी निभाई। दुल्हन ममता मोर्य की शादी 18 अप्रैल को हुई थी। 19 अप्रैल को मतदान के दिन विदाई होनी थी। विदाई से पहले दुल्हन ममता मोर्य मोहनपुरा स्थित मतदान केंद्र पर पहुंची। शादी के जोड़े में ही मतदान केंद्र पर पहुंचकर अपने मताधिकार का उपयोग किया. अपना फर्ज निभाने के बाद ससुराल के लिए विदाई हुई। नीमकाथाना में शादी के बाद ससुराल नहीं जाकर दुल्हन ने पहले मतदान केंद्र पहुंचकर वोट किया। दुल्हन दूल्हे को साथ लेकर नीमकाथाना के बूथ नंबर 188 में जाकर मतदान किया। मतदान करने पर निर्वाचन विभाग की ओर से नव विवाहित वर-वधू को प्रमाण पत्र दिया गया। इसके बाद दुल्हन विदा होकर अपने ससुराल गई।

आडवाणी के रथ को मैनेज कर चर्चित हुए थे नित्यानंद राय, तीसरी बार मैदान में

उजियारपुर, एजेंसी। भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी की रथ यात्रा को तत्कालीन बिहार सरकार के ऐलान के बावजूद हाजीपुर से सकुशल पार कराने के लिए सूबे की राजनीति में चर्चित हुए नित्यानंद राय की पहचान एक निर्भीक नेता की है। खेती-किसानी और गांव-देहात की राजनीति से शुरुआत करने वाले राय देश के गृह राज्यमंत्री हैं। वह 2014 और 2019 में लगातार दो बार जीतकर उजियारपुर से सांसद बन चुके हैं। राय के सामने इस बार उजियारपुर से जीत की हैट्रिक लगाने की चुनौती है। लोकसभा चुनाव 2024 में उजियारपुर सीट से तीसरी जीत के लिए किस्मत आजमा रहे हैं। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान नित्यानंद राय प्रदेश भाजपा अध्यक्ष थे। उनके नेतृत्व में ही बिहार में भाजपा ने चुनाव लड़ा था। जिसमें एनडीए ने 40 में से 39 सीटों पर जीत हासिल की थी। अब राय बदली भूमिका में हैं और प्रदेश के वरिष्ठ नेता हैं। अपनी जीत के साथ ही पार्टी और एनडीए गठबंधन को 2019 के समान जीत दिलाने का दारोमदार भी उन पर है। इसे लेकर अपने क्षेत्र में मेहनत करने के साथ घटक दलों के प्रत्याशियों के पक्ष में प्रचार करने में जुटे हैं। एडी-चोटी का जोर लगाया उजियारपुर से लगातार तीसरी बार जीत दर्ज करने के लिए नित्यानंद राय एड़ी-चोटी का जोर लगाए हैं। 1990 में बिहार सरकार को सीधी चुनौती देने वाले नित्यानंद राय का राजनीति में ग्राफ लगातार चढ़ता गया। तब बतौर मुख्यमंत्री लालू प्रसाद ने ऐलान किया था कि वह लालकृष्ण आडवाणी के रथ को गांधी सेतु पार नहीं करने देंगे। उस समय नित्यानंद मात्र 23 वर्ष के थे। महापंचायत बुलाकर ऐसा जनसमर्थन जुटाया कि सरकार आडवाणी का रथ हाजीपुर में रोकने का साहस नहीं जुटा पाई।

विश्व का सबसे ऊंचा पोलिंग स्टेशन, छह महीने बर्फ से रहता है ढका; वोटरों से मिली ईसी की टीम

शिमला, एजेंसी। चुनाव आयोग की टीम शुक्रवार को विश्व के सबसे ऊंचे पोलिंग स्टेशन टशीगंग पहुंची और यहां के मतदाताओं को मतदान करने के लिए जागरूक किया गया। टशीगंग समुद्र तल से 15,256 फीट की ऊंचाई पर स्थित विश्व का सबसे ऊंचा मतदान केंद्र है। टाशीगंग शीत मरुथल के नाम से विख्यात लाहुल स्पीति जिले की स्पीति घाटी में स्थित है। साल में छह माह बर्फ से ढका रहता हैं। यहां ऑक्सीजन की कमी होती है।

लाहौल स्पीति के सहायक निर्वाचन अधिकारी हर्ष नेगी ने यहां के स्थानीय मतदाताओं के साथ विशेष बैठक कर उनकी मांगो को सुना। उन्होंने लोगों को लोकसभा और विधानसभा उपचुनाव में मतदान करने के लिए प्रोत्साहित किया। स्थानीय लोगों ने प्रशासन के पक्ष पर विचार करने का आश्वासन दिया है। बैठक में टाशीगंग गांव के लोक निर्माण विभाग के अस्थाई तौर पर काम करने वाले 13 पूर्व दैनिक वेतन भोगी मजदूर और उनके परिजन विशेष तौर पर मौजूद रहे। सहायक

निर्वाचन अधिकारी हर्ष नेगी ने कहा कि स्थानीय लोगों के साथ-साथ पूर्व दिहाड़ीदार मजदूरों के साथ भी बैठक की गई। उन्होंने प्रशासन के पक्ष में विचार करने का आश्वासन दिया है। हमने लोगों को बताया कि पूरी दुनिया में टाशीगंग में 100 प्रतिशत मतदान के लिए जाना जाता है। इस परंपरा को जीवित रखते हुए है एक फिर इतिहास रचते हुए लोकतंत्र को मजबूत करेंगे। बता दें कि वर्ष 2019 से पहले विश्व का सबसे ऊंचा मतदान केंद्र लाहुल स?पीति जिले में स्थित हिक्किम था। लेकिन 2019 में टाशीगंग को मतदान केंद्र बना दिया गया। 2019 के लोकसभा चुनाव में यहां 45 मतदाता थे। इनमें 27 पुरुष और 18 महिला मतदाता थे। मंडी संसदीय क्षेत्र के उपचुनाव में 48 मतदाता थे, जिनमें 29 पुरुष और 22 महिलाएं शामिल थीं। 2022 के विधानसभा चुनावों में 52 मतदाता थे इनमें 30 पुरुष और 22 महिलाएं हैं। इस बार भी यहां पर 52 मतदाता है।

कांग्रेस नेता की बेटी का दिनदहाड़े मर्डर, कॉलेज में आशिक ने एकतरफ प्यार में चाकू घोंपकर मार डाला

नई दिल्ली, एजेंसी। हुबली (कर्नाटक)। कर्नाटक में हु कॉलेज कैंपस में एक छात्रा की हत्या के मामले ने राजनी तूल पकड़ लिया है। हालांकि, पुलिस ने एक घंटे में ही आरोप गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, एबीवीपी इस घटना को ले प्रदर्शन कर रही है। हुबली परिसर में एक कॉलेज छात्र की पर डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने कहा, बीजेपी यह दिख डराने की कोशिश कर रही है कि कर्नाटक में कोई का व्यवस्था नहीं है। कर्नाटक में सबसे अच्छी कानून-व्यवस्थ वे मतदाताओं को सिर्फ यह बताने की कोशिश कर रहे हैं कि राज्य में राज्यपाल शासन लगाने जा रहे हैं, वे ऐसा नहीं सकते। कानून हर किसी के लिए अपना काम करेगा। इधर, की हत्या पर सीएम सिद्धारमैया ने कहा, जो हत्या हुई व्यक्तिगत कारणों से हुई। कर्नाटक में कानून व्यवस्था की सि बहुत अच्छी है, कानून व्यवस्था बनाए रखना हमारा कर्त और हम इसके लिए काम कर रहे हैं। परिसर में एक कॉलेज की हत्या पर हुबली-धारवाड़ पुलिस आयुक्त रेणुका सुकुम कहा, इस मामले में एफआईआर दर्ज कर ली गई है और एक के भीतर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसे न्या हिरासत में भेज दिया गया है। यह बहुत ही गंभीर मामला है हम जांच कर रहे हैं, जांच के दौरान सब कुछ सामने आ ज मृतक लड़की के पिता के अनुसार, एक मुस्लिम युवक जो उनकी बेटी का दोस्त था। वह छात्रा से एकतरफा प्यार करता लेकिन छात्रा ने उसे इनकार कर दिया था। इसकी खुन्न उसने उसकी चाकू घोंपकर हत्या कर दी। लड़की के पि बताया कि उन्होंने उक्त लड़के को समझाया था कि उ प्रस्ताव हम स्वीकार नहीं कर सकते।

गाजियाबाद में पीएम श्री योजना में 7 और स्कूल शामिल, संख्या बढ़कर हुई 11

नई दिल्ली, एजेंसी। गाजियाबाद जिले में पीएम श्री स्कूलों की संख्या बढ़कर अब 11 हो गई है। पिछले साल पीएम श्री के तहत चार स्कूलों का चयन किया गया था। अब इस योजना के दूसरे चरण में जिले के सात और स्कूलों को भी शामिल किया गया है। इससे सहूलियत मिल सकेगी। ऐसे में जिले के सरकारी स्कूलों की दशा सुधरने वाली है। उम्मीद है जिले के कुछ और सरकारी स्कूलों को भी ऐसी ही योजनाओं में शामिल किया जाएगा, जिससे इन स्कूलों की स्थिति सुधरेगी तो इनमें पढ़ने वाले छात्रों के शैक्षिक स्तर में भी सुधार आएगा।

पीएम श्री योजना केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है। इस योजना के तहत सरकारी स्कूलों का चुनाव कर उनकी दशा और दिशा सुधारने की कवायद की जा रही है। ये स्कूल 12वीं तक होंगे और इन स्कूलों में सभी सुविधाएं कॉन्वेंट स्कूलों वाली होंगी। यहां पढ़ाई के साथ-साथ खेल और अन्य गतिविधियों में भी छात्रों की प्रतिभा को निखारा जाएगा। कुल मिलाकर हाईटेक सुविधाओं के साथ छात्र यहां पढ़ाई करेंगे। इस योजना की शुरुआत पिछले साल हुई थी।

भूखा मर रहा पाकिस्तान, भारत में 80 करोड़ लोगों को फ्री अनाज: योगी आदित्यनाथ

अमरोहा, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को पाकिस्तान का जिक्र करते हुए कहा कि वहां लगो भूख से लड़ रहे हैं, वहीं भारत में 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन मिल रहा है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अमरोहा में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने यह भी कहा कि भगवा पार्टी का नारा फिर एक बार मोदी सरकार पूरे देश में गूंज रहा है। मौजूदा लोकसभा चुनाव में अमरोहा निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार कंवर सिंह तंवर के समर्थन में आयोजित रैली में योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामने यह बात कही है। उन्होंने कहा, पाकिस्तान की आबादी मुश्किल से 23-24 करोड़ है। 1947 में विभाजन के बाद बना था। आज भूख से पीड़ित है। मुफ्त राशन देने का वादा है। आपको बता दें कि भाजपा ने अपने लोकसभा चुनाव घोषणापत्र में अगले पांच वर्षों तक देश के 80 करोड़ से अधिक लोगों को मुफ्त राशन देना जारी रखने का वादा किया है।

दिल्ली में खराब ट्रैफिक सिग्नल ठीक कराएं एलजी, शाहपु जट के ग्रामीणों की पीआईएल पर हाईकोर्ट का आदेश

नई दिल्ली, एजेंसी। अपने गांव के खराब ट्रैफिक सिग्नल को ठीक कराने निकले एक गांव के लोग पूरी दिल्ली की मुहिम का हिस्सा बन गए हैं। दिल्ली हाईकोर्ट ने ग्रामीणों की जनहित याचिका पर उपराज्यपाल को निर्देश दिए हैं कि वह राजधानी की खराब लालबत्तियों को शीघ्र सुधरवाने के लिए कानून के हिसाब से विचार करें। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन एवं न्यायमूर्ति मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा की बेंच ने कहा कि जनहित याचिका में एक वाजिब मसला उठाया गया है। हालांकि, शाहपुर जट गांव के लोगों ने अपने गांव के ट्रैफिक सिग्नल के एक महीने से ज्यादा समय तक खराब होने की बात सबसे पहले की थी। उसके बाद पूरी दिल्ली में खराब सिग्नल व सड़कों को ठीक करने की मांग गई। शाहपुर जट के सिग्नल के ठीक होने की रिपोर्ट बेंच के समक्ष पेश कर दी गई है। इसलिए गांववासियों की पहली मांग पूरी हो गई है। अब मुद्दा राजधानी के ट्रैफिक सिग्नल व सड़कों की सुरक्षा को

लेकर है। इसके लिए दिल्ली के उपराज्यपाल को इस तरह ध्यान देने उचित आदेश पारित करने को कहा जा रहा है। साथ ही, बेंच ने इस निर्देश के साथ याचिका का निपटारा कर दिया है।

शिकायतों पर ध्यान नहीं देने का आरोप = शाहपुर जट विलेज सोसाइटी की तरफ से दायर जनहित याचिका में कहा गया था कि उनके गांव के प्रवेश मार्ग का ट्रैफिक सिग्नल मार्च 2024 से खराब है। इस वजह से ग्रामीणों की जान का जोखिम बना रहता है। इसकी शिकायत उन्होंने 9 अप्रैल 2024 को दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के स्पेशल कमिश्नर से की, लेकिन कोई कदम नहीं उठाया गया। इसके बाद 14 अप्रैल 2024 को उपराज्यपाल से गुहार लगाई, परंतु नतीजा सिफर रहा।

जनहित याचिका में शाहपुर जट विलेज सोसाइटी की तरफ से पूरी दिल्ली के लिए दो मांग रखी गईं। पहली मांग, राज्य सरकार द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों की दो समितियां बनाने की थी। एक समिति राज्य स्तर पर व दूसरी समिति जिला स्तर पर बनाने की मांग रखी गई। इन समितियों में दिल्ली पुलिस, दिल्ली वि प्राधिकरण व दिल्ली नगर निगम अधिकारियों को शामिल करने बात रखी गई, ताकि ये समितियां अपने स्तर पर राजध के तमाम ट्रैफिक सिग्नल रखरखाव व सड़कों की सुरक्ष निरंतर निगरानी रखें। साथ सुनिश्चित करें कि आम आ को कोई असुविधा ना हो। दू मांग यह रखी गई कि यदि दिल्ली कोई ट्रैफिक सिग्नल 24 घंट ज्यादा समय खराब रहता है ट्रैफिक पुलिस का एक व अधिकारी को वहां तैनात कि जाए। वह खराब बत्ती की ट्रै व्यवस्था को तब तक संभा जब तक सिग्नल ठीक ना हो ज वाहनों की आवाजाही को नि के अनुसार संभालेगा। साथ पैदल यात्रियों का विशेष ध रखेगा। वहीं, नोएडा-बदरपुर जसोला-नोएडा मार्ग पर जाम हादसों से निपटने के लिए यू पर लालबत्ती लगाई गई है। दोनों जगहों पर यू-टर्न लेने के लालबत्ती पर रुकना पड़ेगा।

राष्ट्रपति जरदारी के अभिभाषण पर हंगामा, संसद में लगे गो जरदारी गो के नारे; दो सांसद निलंबित

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में नई सरकार तो बन गई है, लेकिन विपक्ष लगातार इसका विरोध कर रहा है। गुरुवार को भी कुछ ऐसा ही देखने को मिला। यहां राष्ट्रपति के अभिभाषण के दौरान सदन में जमकर हंगामा हुआ। हालांकि, अगले दिन यानी शुक्रवार को हंगामा करने के लिए दो सांसदों को निलंबित कर दिया। राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी को गुरुवार को उस समय जोरदार विरोध और नारेबाजी का सामना करना पड़ा, जब वह संसद के दोनों सदनों सीनेट और नेशनल असेंबली की संयुक्त बैठक को संबोधित कर रहे थे।अधिकारियों ने नए संसदीय वर्ष की शुरुआत के मौके पर संयुक्त सत्र में राष्ट्रपति के अभिभाषण के दौरान संसद में हंगामा करने के लिए दो सांसदों को निलंबित कर दिया।

बता दें, प्रदर्शन किसी और ने नहीं बल्कि जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के सांसदों और सुन्नी इत्तेहाद कार्उंसिल (एसआईसी) ने किया था। राष्ट्रपति के अभिभाषण के दौरान कथित तौर पर अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करने के लिए नेशनल असेंबली के अध्यक्ष सरदार अयाज सादिक ने सांसद जमशेद दस्ती और मुहम्मद

इकबाल खान के खिलाफ कार्रवाई की। बताया जा रहा कि हंगामा करने वालों में दर्जनों लोग शामिल थे। यह लोग राष्ट्रपति के अभिभाषण के दौरान लगातार गो जरदारी गो का नारा लगाते रहे। हालांकि, राष्ट्रपति ने कुछ भी नहीं कहा और मुस्कुराते रहे। नेशनल असेंबली ने शुक्रवार के सत्र में दो सांसदों के निलंबन का प्रस्ताव अध्यक्ष सादिक के सामने रखा, जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया। प्रस्ताव में कहा गया था कि जमशेद दस्ती और मोहम्मद इकबाल ने अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया और धमकी भरे अंदाज में अध्यक्ष के मंच पर पहुंचे, जो अस्वीकार्य है। इस पर नेशनल असेंबली के अध्यक्ष ने विधानसभा के मौजूदा सत्र से दोनों सांसदों की सदस्यता वापस लेने का आदेश दिया।

अमेरिका में भारतीय छात्र की मौत, ब व्हेल गेम से जुड़ी होने की संभावना

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में प्रथम वर्ष के एक छात्र ने एक गेम खेलते-खेलते अपनी जान दे दी। घटना मार्च की बताई जा रही है। ऐसी आशंका है कि मौत के इस मामले के पीछे ब्लू व्हेल चैलेंज ऑनलाइन गेम था, जिसे सुसाइड गेम भी कहा जाता है।

20 वर्षीय मैसाचुसेट्स विश्वविद्यालय में प्रथम वर्ष का छात्र 8 मार्च को मृत मिला था। ब्रिस्टल काउंटी डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी के प्रवक्ता ग्रेग मिलियोट का कहना है कि मामले की जांच आत्महत्या के एंगल से की जा रही है।

रिपोर्ट के अनुसार, शुरू में कहा जा रहा था कि छात्र की हत्या की गई है। छात्र को लूटा गया और फिर हत्या कर उसके शव को जंगल में फेंक दिया गया। छात्र का शव जंगल में कार में मिला था। बोस्टन ग्लोब अखबार ने बाद में छात्र की पहचान उसके नाम से की। हालांकि, परिवार की इच्छा को देखते हुए आईएएनएस नाम नहीं बता रहा है। लेकिन दुनिया भर में नाबालिगों और युवाओं को शिकार बनाने के लिए जाने जाने वाले इस खतरनाक गेम को खेलते समय, भारत और विदेश में भारतीय छात्रों और नाबालिगों और अभिभावकों के लिए एक सतर्क घटना के रूप में रिपोर्ट किए

जाने की जरूरत है। ब्लू व्हेल चैलेंज ऑनलाइन गेम है, जिसमें प्रतिभा (पार्टिसिपेंट) को एक चैलेंज दिया जात इस गेम में 50 स्टेप्स हैं, जो धीरे-धीरे क होते जाते हैं। आधिकारिक सूत्रों के अनु चैलेंज के तौर पर छात्र ने दो मिनट तक रोक कर रखीं। भारत के लिए ब्लू व्हेल चु से मौत की यह पहली घटना हो सकत भारत सरकार कई साल पहले ब्लू व्हेल चै पर प्रतिबंध लगाना चाहती थी, लेकिन इ बजाय एक एडवाइजरी जारी कर छोड़ गया। भारतीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सू प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने गेम के शुरू होने के साल बाद 2017 में जारी एक एडवाइज कहा, ब्लू व्हेल गेम (सुसाइड आत्महत्या के लिए उकसाने वाला है।

पाकिस्तान को बैलिस्टिक मिसाइल बनाने में मदद करने का आरोप, अमेरिका ने चार कंपनियों पर लगाया प्रतिबंध

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने चीन की तीन और बेलारूस की एक कंपनी पर प्रतिबंध लगा दिया है। इन कंपनियों पर यह प्रतिबंध पाकिस्तान को बैलिस्टिक मिसाइल के पुर्जे मुहैया कराने के लिए लगाया गया है। अमेरिका के विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने यह जानकारी दी। अमेरिका ने चीन की जिन तीन कंपनियों पर प्रतिबंध लगाया है, उनमें लॉन्गडे टेक्नोलॉजी डेवलेपमेंट की शी, तियानजिन क्रिएटिव सोर्स इंटरनेशनल ट्रेड और ग्रानपेक्ट कंपनी लिमिटेड का नाम शामिल है। वहीं बेलारूस की मिंस्क व्हील ट्रैक्टर प्लांट कंपनी पर भी प्रतिबंध लगाया गया है। इन चारों कंपनियों पर पाकिस्तान के

बैलिस्टिक मिसाइल प्रोग्राम में मदद करने का आरोप है। मैथ्यू मिलर ने कहा कि ये कंपनियां भारी तबाही वाले हथियारों के प्रसार में शामिल पाई गई हैं। जिसके चलते इनके खिलाफ कार्रवाई की गई है। अमेरिका के विदेश विभाग ने बताया कि बेलारूस की कंपनी मिंस्क व्हील ट्रैक्टर प्लांट कंपनी पाकिस्तान के लंबी दूरी के बैलिस्टिक मिसाइल प्रोग्राम के लिए विशेष व्हीकल चेसिस मुहैया कर रही थी। ये चेसिस बैलिस्टिक मिसाइल में लॉन्च सपोर्ट में इस्तेमाल होता है। अमेरिकी विदेश विभाग ने बताया कि चीन की कंपनी ग्रानपेक्ट कंपनी लिमिटेड, पाकिस्तान में लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल तैयार करने वाले निकाय नेशनल डेवलेपमेंट कॉम्प्लैक्स (एनडीसी) को फिलामेंट विंडिंग मशीन मुहैया कर रही थी। यह मशीन रॉकेट मोटर में इस्तेमाल की जा रही थी। चीन की ही कंपनी तियानजिन क्रिएटिव सोर्स इंटरनेशनल ट्रेड कंपनी लिमिटेड पाकिस्तान को वेल्डिंग संबंधी औजार और एक्सीलेटर सिस्टम देने में संलिप्त पाई गई। तियानजिन कंपनी का संबंध चीन की सेना के साथ भी पाया गया है। प्रतिबंध के तहत इन कंपनियों की अमेरिका में मौजूद संपत्ति को जब्त किया जाएगा। कंपनी के मालिक और बड़े हिस्सेदारों पर भी प्रतिबंध लगाया जाएगा। इससे पहले भी अमेरिका ने पाकिस्तान के बैलिस्टिक मिसाइल प्रोग्राम में मदद करने के आरोप में तीन कंपनियों पर प्रतिबंध लगाया था। ये तीनों कंपनियां जनरल टेक्नोलॉजी लिमिटेड, बीजिंग लुओ लुओ टेक्नोलॉजी डेवलेपमेंट लिमिटेड और चांगझो यूटेक कंपोजिट कंपनी लिमिटेड है।

टॉयलेट क्लीनर मिलाकर बुशरा बीबी व पाकिस्तान की जेल में दिया जा रहा खान इमरान खान ने लगाए आरोप

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान इन संकट में घिरे हुए हैं। हाल ही में उनकी पत्नी को भी गिरफ्तार कर लिया था। वह खुद पहले से ही जेल में बंद है। इमरान ने इस बीच पाकिस्तान एक अदालत को बता है कि उनकी पत्नी बुशरा बीबी को टॉयलेट क्ल मिलाकर खाना दिया जा रहा है। उन्होंने दावा किया यही कारण है कि उ पत्नी के पेट में रोजाना जलन होती है। पाकिस्तान में कई मामलों में ठहराए गए क्रिकेटर से नेता बने इमरान खान ने रावलपिंडी अदियाला जेल में 190 मिलियन पाउंड के भ्रष्टाचार मामले सुनवाई के दौरान यह आरोप लगाया। इमरान खान ने न्याया नासिर जावेद राणा को बताया कि अदालत कक्ष में अतिरिक्त दी खड़ी की गई हैं, जिससे यह एक बंद अदालत जैसा प्रतीत होत इमरान खान ने कहा कि शौकत खानम अस्पताल के मुख्य चिकि अधिकारी डॉ असीम यूसुफ ने शिफा इंटरनेशनल अस्पताल में ब बीबी के स्वास्थ्य परीक्षण कराने का सुझाव दिया था। उन्होंने व जेल प्रशासन पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइं (पीआईएमएस) अस्पताल में परीक्षण करने पर अड़ा हुआ था।

मुद्रक तथा प्रकाशक रंजीत राय द्वारा स्वामी आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नं. सी-16 एवं 17, रोड नं. 9, पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, पटना-800013 के पक्ष में आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड प्रेस से मुद्रित एवं सी-20, एस.के. पुरी, नियर बसावन पार्क, पटना, बिहार-800013 से प्रकाशित संपादक- देवन प्रसाद

(नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा पटना न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. BIHHIN/2013/49676, Email: news@pratahkiran.com, patna@pratahkiran.com, 9212228045, 8130691216, 9971557129